फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, बुधवार, 18 मार्च 2026

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सर्म्पक करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष: 16 अंक: 76 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2026/28 | पृष्ठ: 12 मूल्य: 1 रुपये

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक, 400 की मौत

250 घायल, नशा मुक्ति सेंटर पर बम गिराए

काबुल, (वेब वार्ता)।

पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए।

तालिबान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है और कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया है।

अफगानिस्तान सरकार के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 9 बजे हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हॉस्पिटल 2000 बेड का है। इसे भारी नुकसान हुआ है।

मीडिया की टीमें जब वहां पहुंची तो अस्पताल के कुछ हिस्सों में तब भी आग लगी हुई थी। करीब 30 से ज्यादा शव स्ट्रेचर पर बाहर निकाले जा रहे थे। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि वहां बहुत ज्यादा मरीज थे, इसलिए मृतकों और घायलों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती है।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान ने पाकिस्तानी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा काबुल में हाल ही में हुए हवाई हमलों से लोग दुखी हैं। इन हमलों में कई आम लोगों की जान चली गई। कुछ हमले घरों, स्कूलों और अस्पतालों के आसपास भी हुए।

आम लोगों के इलाकों पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून के हिसाब से युद्ध अपराध माना जाता है, चाहे वह जानबूझकर किया गया हो या गलती से। खासकर रमजान के पवित्र महीने के दौरान ऐसी घटना से लोगों में और ज्यादा दुख और गुस्सा है। लोगों ने संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से मांग की है कि इस मामले की पूरी जांच की जाए और जो भी जिम्मेदार हो उसे सजा दी जाए। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अस्पताल पर हुए हमले को लेकर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। भारत ने इस हमले को 'कायरतापूर्ण' और 'जनसंहार' करार दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह एक बेहद अमानवीय और अनैतिक हिंसक कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिकों की जान गई। मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि जिस जगह को किसी भी हालत में सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता, उसे निशाना बनाना पूरी तरह गलत है।

जल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सैंपलिंग क्लोरीनेशन और टेस्टिंग जरूरी : डीसी

उपायुक्त आयुष सिन्हा की अध्यक्षता में जिला जल एवं सीवरेज मिशन बैठक आयोजित

दीक्षा शर्मा, भेदी नज़र

फरीदाबाद। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा की अध्यक्षता में आज ग्रामीण पेयजल आपूर्ति, जल गुणवत्ता, जल जीवन मिशन योजनाओं के हस्तांतरण तथा ग्राम पंचायतों की कार्यप्रणाली की समीक्षा हेतु जिला जल एवं सीवरेज मिशन (डि्ड) बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग, पंचायती राज विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

जल गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि समयानुसार सभी गांवों में नियमित रूप से पानी की सैंपलिंग की जाए। बैक्टीरियल टेस्टिंग, क्लोरीनेशन तथा हैवी मेटल जांच चरणबद्ध तरीके से कराई जाए। जिन गांवों में बाहरी स्त्रोत से पानी की आपूर्ति हो रही है, वहां संबंधित विभाग से समन्वय कर क्लोरीनेशन एवं डिसइन्फेक्शन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में आंगनवाड़ी केंद्रों की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का सर्वे कर यह सुनिश्चित किया जाए कि भवन के अंदर तक पानी का कनेक्शन उपलब्ध हो। जहां आवश्यकता हो वहां अनुमान तैयार कर कार्य कराया जाए तथा जरूरत पड़ने पर सीएसआर अथवा अन्य योजनाओं से भी सहयोग लिया जाए।

डीसी आयुष सिन्हा ने पंचायतों के बैंक खातों, ऑपरेटरों के वेतन, बिजली भुगतान तथा जल योजनाओं के रखरखाव की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी ग्राम पंचायतों के खाते, तथा संबंधित रिकॉर्ड पूर्ण रूप से अपडेट रखे जाएं। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता और मात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी विभागों की आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अब तक 65 गांवों में पेयजल योजनाओं का सफलतापूर्वक ग्राम पंचायतों को हैंडओवर किया जा चुका है। इन योजनाओं के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है तथा ग्राम पंचायतों द्वारा इनके संचालन एवं रख-रखाव की व्यवस्था की जा रही है।

डीसी आयुष सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी हैंडओवर की गई योजनाओं की जांच कराकर यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी घरों तक कनेक्शन सही स्थिति में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता और मात्रा दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता राहुल बेरवाल, जिला सलाहकार सत्यनारायण नेहरा, महिला एवं बाल विकास अधिकारी मिनाक्षी चौधरी सहित अन्य कई अधिकारीगण मौजूद रहे।

घरेलू कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)। फरीदाबाद के गोंछी इलाके में घरेलू कलह के चलते एक 25 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस जांच अधिकारी रोहताश के अनुसार, मृतक की पहचान अजीज खान के रूप में हुई है, जो मूल रूप से यूपी के अमरोहा का रहने वाला था। वह फरीदाबाद में अपने मौसा तालीम के पास रहकर टेंट का काम करता था। कुछ दिन पहले ही वह गोंछी में मौसा के घर रहने आया था, इससे पहले वह बड़खल इलाके में किराए पर रहता था। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह जब अजीज ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला, तो उसके मौसा को शक हुआ। दरवाजा खोलकर देखा, तो अजीज फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों के मुताबिक, अजीज की पत्नी अमरोहा में रहती है। बीती रात दोनों के बीच फोन पर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद अजीज आज अमरोहा जाने की बात कह रहा था, लेकिन देर रात उसने यह कदम उठा लिया।

जिलास्तरीय कराटे कप में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया

बल्लभगढ़, (वेब वार्ता)।

हरियाणा स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन और ड्रैगन मार्शल आर्ट अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में तीसरी जिलास्तरीय कराटे कप चैंपियनशिप का आयोजन सेक्टर-9 स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में जिले के करीब 10 स्कूलों के लगभग 150 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री पुनिता झा ने की। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए, इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होता है। ड्रैगन मार्शल आर्ट अकादमी के फाउंडर एवं चीफ कोच राम भंडारी ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में मुकाबले कराए गए।

बॉयज अंडर-10 कैटेगरी में नीलांश, अथर्व अग्रवाल, अथर्व वत्स, धैर्य बंसल और कियान ने गोल्ड मेडल जीते, जबकि प्रसन्न, वंश बेदी और भाविक वत्स ने सिल्वर तथा तनिष्क मंगला ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। अंडर-12 वर्ग में सरस ने गोल्ड, निर्भय ने सिल्वर और पार्थ शर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

अंडर-14 वर्ग में लक्ष्य कुमार और सार्थक ने गोल्ड तथा वीर शर्मा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। गर्ल्स अंडर-10 कैटेगरी में वैदेही, कियारा और जायरा वशिष्ठ ने गोल्ड मेडल जीते, जबकि सान्वी बंसल, सान्वी मेहंदीरत्ता और हर्दया अग्रवाल ने सिल्वर मेडल हासिल किए। अंडर-12 वर्ग में सान्वी और हेजल वत्स ने गोल्ड, जागृति दीक्षित ने सिल्वर और रिद्दी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। अंडर-14 में प्रिशा गुप्ता, आविका, रिद्धिमा और विधिका ने गोल्ड तथा वैष्णवी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के अंत में सभी विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान सीनियर कोच आमिर खान, दिव्या, तुषार, यश आनंद, सुनील राजपूत, नीतीश कुमार और मनीष सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

1.720 किलोग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार : मुकेश कुमार

भेदी नजर, वंदना, फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त अपराध, मुकेश कुमार के मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखाओं द्वारा नशा तस्करों पर लगातार कार्रवाही की जा रही है, इसी क्रम में क्राईम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने कार्रवाई करते हुए 1.720 किलोग्राम गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 16 मार्च को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना पर कार्रवाही करते हुए अमन वासी सरस्वती कालोनी फरीदाबाद को 1.720 किलोग्राम गांजा सहित नया पल्ला पुल के पास से काबू किया है। जिसके विरुद्ध थाना पल्ला में एन.डी.पी.एस. की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी 3 किलोग्राम गांजा गाजीपुर उत्तर प्रदेश से 24000 रुपये में खरीद कर लाया था। जिसमें से 1.3 किलोग्राम के लगभग गांजा बेच दिया था। आरोपी पर पूर्व में लडाई झगडा सहित 3 मामले दर्ज है। जिसको माननीय अदालत में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पांच किसानों को ट्रैक्टरों पर मिलेगा अनुदान, भौतिक सत्यापन 20 मार्च को

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने बताया है कि कृषि एंव किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा स्कीम एस० बी०-89 के तहत वर्ष 2025-26 मे अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टरो पर अधिकतम 3 लाख रू० अनुदान पर उपलब्ध करवाए गए ट्रैक्टरो का 20 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे अनाज मण्डी, मोहना बल्लभगढ़ मे भौतिक सत्यापन होगा। सहायक कृषि अभियंता राकेश कुमार ने जानकारी दी कि ने बताया कि भौतिक सत्यापन उपायुक्त फरीदाबाद की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारिणी कमेटी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में उक्त स्कीम के तहत अनुसूचित जाति के 05 किसानों को 45 ल्ढ से अधिक के ट्रैक्टरों पर विभाग द्वारा अधिकतम 3 लाख रु० की दर से अनुदान दिया जाएगा। उक्त भौतिक सत्यापन के दौरान उस किसान को मौजूद होना जरूरी है जिसके नाम से ट्रैक्टर पर अनुदान दिया जाना है। सहायक कृषि अभियंता राकेश कुमार ने किसानों से अपील की है कि वे 20 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे अनाज मंडी, मोहना बल्लभगढ़ मे पहुंचकर अपने ट्रैक्टर की जिला स्तरीय कार्यकारिणी कमेटी से भौतिक सत्यापन कराएं।

थैलेसीमिया मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की मांग

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)। फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा से मिलकर थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों और मरीजों की गंभीर समस्याओं को उनके समक्ष रखा। संस्था ने मांग की कि जिले के सभी ब्लड बैंकों की सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा थैलेसीमिया मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर नैट (एनएटी) टेस्टेड सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसएस दहिया भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. जयंत आहूजा को बताया कि थैलेसीमिया के मरीजों को जीवनभर रक्त चढ़ाया जाता है। ऐसे में सुरक्षित रक्त और सही उपचार थैलेसीमिया के मरीज के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अभी हाल ही में जिले में कुछ थैलेसीमिया बच्चों को रक्त चढ़ाने के दौरान एचआईवी संक्रमण हो गया। इससे मरीजों और उनके अभिभावकों में भय और चिंता का माहौल है। संस्था ने मांग की कि जिन बच्चों को असुरक्षित रक्त के कारण एचआईवी. संक्रमण हो गया है, उनके दीर्घकालीन इलाज के लिए सरकार की ओर से विशेष सहायता और आर्थिक सहयोग प्रदान कराया जाए।प्रतिनिधिमंडल ने बीके अस्पताल में थैलेसीमिया मरीजों के लिए उपलब्ध दवाइयों के संबंध में भी चिंता व्यक्त की और रविंद्र टुटेजा ने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध कई दवाइयां मरीजों के लिए प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं। इसलिए पहले उपलब्ध रहने वाली प्रभावी दवाइयों उपलब्ध कराने की मांग की गई। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दवाओं के नाम भी लिखित रूप में दिए हैं। इसके अलावा रक्त चढ़ाने के दौरान दो यूनिट ब्लड के लिए आवश्यक फिल्टर की व्यवस्था कराने की भी मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने थैलेसीमिया मरीजों की पेंशन से जुड़े मुद्दे को भी उठाया और अनुरोध किया कि जिन बच्चों को प्रारंभ में 65 प्रतिशत दिव्यांगता दी जाती है, लेकिन नवीनीकरण के समय 40 प्रतिशत कर दी जाती है, उन्हें पेंशन का लाभ मिलता तो मिल जाता है , लेकिन 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले मरीजों को रोजगार, शिक्षा और अन्य सरकारी सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। डॉ. जयंत आहूजा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संस्था द्वारा उठाई गई मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और जल्द ही उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

श्री 1008 सर्वतोभद्र महामंडल विधान 22 से शुरू होगा

बल्लभगढ़, (वेब वार्ता)। सकल दिगंबर जैन समाज बल्लभगढ़ के तत्वावधान में 22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक श्री 1008 सर्वतोभद्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक कार्यक्रम सामुदायिक भवन, सेक्टर-2 फरीदाबाद में आयोजित होगा। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में युगल मुनिराज श्रद्धानंद महाराज और पवित्रानंद महाराज का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा।

अनूप ने एनएसएस शिविर में जिले का मान बढ़ाया

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)। एनएसएस स्वयंसेवक अनूप ने सिरसा स्थित चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय शिविर (यूएलसी) में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अनेक एनएसएस स्वयंसेवकों ने सहभागिता की और विभिन्न शैक्षणिक व व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों में भाग लिया। महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने अनूप की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर एनएसएस बॉयज यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेंद्र ढुल तथा गर्ल्स यूनिट की कार्यक्रम अधिकारी कविता शर्मा ने भी अनूप को बधाई दी और अन्य स्वयंसेवकों को भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

सेक्टर-29 में टीन की चादरों से कवर करके कूड़ादान बनेगा

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)।

सेक्टर-29 हुडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान बलराज गुप्ता ने अपनी टीम के साथ निगम पार्षद अनिल नागर और निगम अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में कूड़े, सफाई, पार्कों के सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइट सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। सबसे पहले बलराज गुप्ता ने अपनी टीम पदाधिकारियों को सेक्टर के कार्य करवाने का अलग-अलग जिम्मा सौंपा। पार्षद अनिल नागर व निगम अधिकारियों ने कहा कि इन सभी के द्वारा आने वाली शिकायतों का तुरंत निवारण होगा। बलराज गुप्ता ने सामुदायिक केंद्र सेक्टर-29 की साइड में सफाई का मुद्दा उठाया। इस पर पार्षद अनिल नागर ने कहा कि वहां पर टीन की चादरों से कवर करके कूड़ादान बनाया जाएगा और उसके बाहर कूड़ा डालने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

इसके अलावा सेक्टर 29 के मुख्य बाजार में हाईमास्क लाइट लगवाने की मांग की। पार्कों और मार्केट में फेसिंग लाइटें लगावाने को पास किया तथा सामुदायिक केंद्र, पेट्रोल पंप के सामने, काली मन्दिर के सामने, होली चाइल्ड स्कूल व मकान नंबर 271 के समाने वाले पार्क में वॉटर हार्वेस्टिगं लगाए जाएंगे। सेक्टर-29 का सफाई व्यवस्था के लिए सफाई कर्मचारी लगाये जाएंगे। मकान नंबर 524 के सामने वाले पार्क में एक और हट बनाई जाएगी। साथ ही उसके सौंदर्यकरण के लिए जल्द कार्य किया जाएगा।

अभियोग संख्या 103, 11मार्च धारा 309(4) 351(3), 3(5) बीएनएस थाना मुजेसरः एसीपी

सुनील कुमार जांगड़ा, भेदी नजर

फरीदाबाद। शिकायतकर्ता संजय वर्मा ने थाना मुजेसर में दी अपनी शिकायत में बताया कि गांव सरूरपुर में उसकी ज्वेलर्स की दुकान है। 11 मार्च को दिन के समय उसकी ज्वेलर्स की दुकान पर नकाबपोशों द्वारा हथियार के बल पर लगभग 350 ग्राम सोने के आभूषण लूटने की वारदात को अंजाम देकर मोटरसाइकिल पर फरार हो गये थे। जिस शिकायत पर थाना मुजेसर में लूट की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था।

घटनाक्रम बारे वरुण कुमार दहिया, सहायक पुलिस आयुक्त अपराध-2 ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है कि

1. साकिब उर्फ बाली निवासी गांव सिंगरेडा मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश , उम्र-26 को 14 मार्च को गिरफ्तार किया है जिसके विरुद्ध पूर्व में लूट डकैती आदि से संबंधित 6 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हैं।

2. जावेद उर्फ मेंटल निवासी गांव भगरा मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश , उम्र-40 को 16 मार्च को गिरफ्तार किया है, जिसके विरुद्ध पूर्व में लूट डकैती आदि से संबंधित 11 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हैं।

3.धर्मबीर उर्फ बाबू जी वासी गांव रसुलपुर, संभल, उत्तर प्रदेश को 17 मार्च की सुबह शूटिंग रेंज रोड सूरजकुंड पर मुठभेड़ के बाद काबू किया है। जिसके विरुद्ध पूर्व में लूट, डकैती आदि से संबंधित 4 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हैं।

11 मार्च को आरोपी साकिब, जावेद, धर्मबीर व एक अन्य आरोपी रिहान गांव सुरुरपुर स्थित शिकायतकर्ता की ज्वेलर्स की दुकान पर गये। जहां पर जावेद व रिहान हथियार के साथ दुकान के अंदर गये तथा हथियार के बल पर सोने के आभूषण लूट लिये।

फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा मित्रों के लिए कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मोहरपाल सिंह, भेदी नजर

फरीदाबाद। भारत सरकार के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर के आदेशअनुसार और जयदीप राठी डीसीपी ट्रैफिक के दिशा निर्देश अनुसार रोड सेफ्टी के इंस्पेक्टर राजेश कुमार के द्वारा जीवा स्कूल में एक दिवसीय कार्यक्रम किया गया जिसमें मिनिस्ट्री आफ ट्रांसपोर्ट से कर्नल संजीव शर्मा एवं सड़क सुरक्षा के नोडल अधिकारी डॉ एमपी सिंह ने स्कूल जॉन सेफ्टी पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

इस अवसर पर जीवा स्कूल के डायरेक्टर ऋषिपाल चौहान एवं अन्य स्टाफ के सदस्य राजकुमार व संजय कुमार ट्रैफिक पुलिस से ललिता सिविल डिफेंस ओमप्रकाश मुख्य रूप से उपस्थित रहे इस कार्य में राजस्थान हरियाणा उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र पंजाब से 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया इस अवसर पर डॉ एमपी सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि यदि हम ड्राइविंग लाइसेंस को सही तरीके से बनवा लें तो सड़क दुर्घटनाओं में गिरावट आ जाएगी स्कूल जॉन सेफ्टी में जो लिंक रोड होती हैं वहां पर स्टॉप का साइन होना चाहिए तथा स्कूल के आसपास आगे स्कूल है का बोर्ड लगा होना चाहिए ।

स्कूल के आसपास स्पीड ब्रेकर बने होने चाहिए स्कूल में ट्रांसपोर्ट के आने और जाने के रास्ते अलग-अलग होने चाहिए स्कूल में रोड सेफ्टी क्लब होना चाहिए ताकि स्कूल से आते और जाते समय ट्रैफिक को कंट्रोल किया जा सके और सड़क दुर्घटना में कमी लाई जा सके डॉ एमपी सिंह ने स्कूल ट्रांसपोर्ट को अधिक सुरक्षित बताया क्योंकि उसमें ड्राइवर कंडक्टर लेडी अटेंडेंट को रूट का पता होता है तथा समय-समय पर उनकी ट्रेनिंग होती रहती है विद्यार्थियों को साइकिल मोटरसाइकिल आदि पर हेलमेट लगाने के लिए भी कहा अन्य सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों तथा चिन्ह और प्रतीको की भी जानकारी दी।

सीएसआर पहल अंतर्गत 50 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरण : पुरुषोत्तम सैनी

सुनील कुमार जांगड़ा, भेदी नजर

फरीदाबाद। जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) पहल के अंतर्गत एलिम्को के बल्लबगढ़, फरीदाबाद स्थित परिसर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों प्रदान कराने हेतु वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा किया गया, जिसमे फरीदाबाद और आस पास क्षेत्र के 50 पूर्वचिन्हित दिव्यंगजनों को 25 लाख से अधिक लागत की बैटरी से चलने वाली मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रणधीर कोटवाल, सहायक महाप्रबंधक, दिल्ली-एन.सी.आर, जे एंड के बैंक लिमिटेड ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया जिनके साथ हरीश कुमार, प्रभारी, एलिम्को फरीदाबाद, पुरुषोत्तम सैनी, सहायक सचिव, जिला रेड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद तथा अन्य मंचासीन अतिथिगण भी उपस्थित रहे । वितरण कार्यक्रम का आयोजन एलिम्को और जे एंड के बैंक लिमिटेड के बीच हुए सी.एस.आर अनुबंध के अंतर्गत किया गया जिसमे जे एंड के बैंक द्वारा दिव्यंगजनों को निः शुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया।

इस अवसर पर रणधीर कोटवाल, ने कहा कि जे एंड के बैंक लिमिटेड सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम दिव्यांगजनों के

जीवन में सार्थक परिवर्तन लाने और समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है, जिसका लाभ सीधे लाभार्थियों को प्राप्त हो। उन्होंने बताया की जे एंड के बैंक द्वारा एलिम्को के साथ मिलकर देश के अन्य स्थानों मे भी सहायक वितरण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है जिनमे विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण प्रदान किये जा रहे है । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने लाभार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव एवं सुझाव भी प्राप्त किए तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। हरीश कुमार, प्रभारी, एलिम्को फरीदाबाद, ने अपने स्वागत उद्बोधन में निगम द्वारा दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों हेतु सहायक उपकरणों के लिए प्रदान की जारी सेवाओ की जानकारी देते हुए बताया एलिम्को फरीदाबाद केंद्र से भारत सरकार की योजना का लाभ क्षेत्र के जरूरत मंद लोगों को मिल रहा है।

पंकज पूजन रामपाल के जिला अध्यक्ष के रूप में समर्पण और सेवा के 1 वर्ष पूर्ण - कार्यकर्ताओं में उत्साह, दी शुभकामनाएं

कार्यकर्ताओं के विश्वास और समर्पण से मजबूत हुआ भाजपा फरीदाबाद का संगठन : रामपाल

भेदी नजर ब्यूरो, फरीदाबाद

जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने समर्पण और सेवा के सफल एक वर्ष पूर्ण होने पर सभी कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हर कार्यकर्ता की मेहनत, निष्ठा और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है, जिनके समर्पण से संगठन निरंतर मजबूत हुआ है। इस एक वर्ष में भाजपा फरीदाबाद ने जनसेवा और संगठन विस्तार के माध्यम से जनता के बीच अपना विश्वास व प्रभाव और अधिक सुदृढ़ किया है। श्री पंकज रामपाल ने कहा कि आने वाले समय में भी वे सभी कार्यकताओं के साथ मिलकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे तथा सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के अपने संकल्प को पूरी निष्ठा के साथ पूरा करेंगे। रामपाल ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, सभी मंत्रियों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रदेश संगठन का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक वर्ष के कार्यकाल में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है तथा सभी जनप्रतिनिधियों

का भरपूर सहयोग मिला है।

भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल के एक वर्ष के कार्यकाल के पूर्ण होने के अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर, शॉल ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर के नेतृत्व में युवा मोर्चा ने जिला कार्यालय अटल कमल पर संगठन की उपलब्धियों, जनसेवा कार्यों और संगठन विस्तार अभियान से जुड़ी झलकियों को प्रदर्शित करती एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में पिछले एक वर्ष के दौरान किए गए प्रमुख कार्यक्रमों, अभियानों और जनहित कार्यों को चित्रों एवं विवरण के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। ऊर्जा व निष्ठा से संगठनात्मक विस्तार को नई गति दी है, बल्कि जनहित से जुड़े कार्यों को भी पूरी प्रतिबद्धता और प्रभावशीलता के साथ आगे बढ़ाया है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी समर्पण और नेतृत्व का परिणाम है कि आज आमजन के बीच भाजपा पार्टी के प्रति विश्वास और जुड़ाव पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हुआ है।

इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम अरुआ, धर्मवीर भड़ाना, हरेन्द्र भड़ाना, जिला सचिव मनीष छोकर, सुनील कुमार, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, जिला कार्यलय सचिव राज मदान, जिला प्रवक्ता अभास अग्रवाल,कृष्ण पहलवान, शुभांकित गुप्ता, तृप्ति माला, अमित आहूजा, महेश कुमार, प्रमोद मावी, शिवम् रतन, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर, जितेन्द्र चौधरी, अमित भारद्वाज, गौतम भड़ाना, राहुल यादव, बालेश्वर, रजनीश, कपिल, अरुण, देवेंद्र, नीतू ,राहुल, गौरव,अभिषेक प्रताप सिंह, जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष, और भाजपा कार्यकर्त्ता और फरीदाबाद के नागरिक उपस्थित रहे ।

गणित के सवालों में उलझे छात्र

गणित के प्रश्नपत्र ने परीक्षार्थियों के तनाव और बढ़ाया

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा मंगलवार को 12वीं कक्षा की गणित विषय की परीक्षा संपन्न कराई गई। स्मार्ट सिटी में बनाए गए 80 परीक्षा केंद्रों पर लगभग आठ हजार परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। गणित को कठिन विषय माना जाता है, ऐसे में परीक्षा शुरू होने से पहले ही केंद्रों पर पहुंचते समय विद्यार्थियों के चेहरों पर तनाव साफ दिखाई दे रहा था। गणित के कठिन प्रश्नपत्र ने उस तनाव को और अधिक बढ़ा दिया। परीक्षार्थी त्रिकोणमिति और केस स्टडी में उलझकर रह गए। इसके चलते कई परीक्षार्थी निर्धारित तीन घंटे सभी प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल पाए। परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कई परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र को अपेक्षा से अधिक कठिन बताया। विशेष रूप से त्रिकोणमिति, केस स्टडी आधारित प्रश्न और पांच अंक वाले सवालों ने छात्रों को काफी परेशान किया।

परीक्षार्थियों का कहना था कि प्रश्नपत्र का स्तर सामान्य से थोड़ा ऊंचा था, जिससे उन्हें समय प्रबंधन में कठिनाई का सामना करना पड़ा। वहीं कुछ परीक्षार्थियों ने यह भी कहा कि प्रश्नपत्र में त्रिकोणमिति से जुड़े प्रश्नों की संख्या अधिक थी, जिससे उन्हें अतिरिक्त समय देना पड़ा। हालांकि कुछ छात्रों के लिए यह पेपर संतुलित और स्कोरिंग रहा। ऐसे विद्यार्थियों ने अपनी तैयारी के आधार पर परीक्षा को अच्छा बताया और गणित को अंक बढ़ाने वाला विषय माना।

शिक्षकों के अनुसार प्रश्नपत्र का स्तर औसत से थोड़ा कठिन था, लेकिन अच्छी तैयारी करने वाले छात्रों के लिए यह पेपर स्कोरिंग साबित हो सकता है। जिन छात्रों ने सिलेबस को गहराई से समझा और नियमित अभ्यास किया, उनके लिए यह परीक्षा ज्यादा चुनौतीपूर्ण नहीं रही होगी। इस बार गणित की परीक्षा को लेकर छात्रों के बीच मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिली। जहां एक ओर कई छात्र पेपर की कठिनाई और लंबाई से परेशान नजर आए, वहीं दूसरी ओर कुछ छात्रों ने इसे अपने प्रदर्शन के लिए बेहतर अवसर के रूप में देखा।

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा का चांदनी चौक क्षेत्र में औचक निरीक्षण

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मंगलवार को सदर पहाड़गंज जोन के चांदनी चौक क्षेत्र में स्थानीय पार्षद सुमन कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय उपायुक्त कनिका तथा निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शर्मा ने दंगल मैदान पार्किंग एवं पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित क्लब पार्किंग का दौरा किया गया। उन्होंने निरीक्षण में पाया कि इन पार्किंग स्थलों का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के विपरीत ट्रांसपोर्टरों द्वारा अवैध रूप से सामान की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त क्लब पार्किंग क्षेत्र में अवैध झुग्गियों का निर्माण तथा सड़क किनारे अतिक्रमण कर अवैध रूप से शराब की बिक्री भी पाई गई, जिसे गंभीर अनियमितता मानते हुए स्थायी समिति की अध्यक्ष ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने क्षेत्रीय उपायुक्त को निर्देश दिया कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास के सभी अतिक्रमण तत्काल प्रभाव से हटाए जाएं। साथ ही स्थानीय थाना प्रभारी लाहौरी गेट को मौके पर बुलाकर सड़क किनारे अवैध शराब बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आसपास स्थित सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण करते हुए सत्या शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को शौचालयों की नियमित सफाई, रखरखाव और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त (आरपी सेल) को निर्देश दिया कि क्लब पार्किंग एवं दंगल मैदान पार्किंग के टेंडर तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाएं तथा संबंधित एजेंसियों पर भारी जुमार्ना लगाया जाए। एमसीडी के कुछ पुराने भवन के जर्जर अवस्था में मिलने पर सत्या शर्मा ने निर्देश दिए कि ऐसे भवनों का विस्तृत निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा एमसीडी की भूमि के उपयुक्त उपयोग और राजस्व सृजन की संभावनाओं का भी आकलन किया जाए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि वह दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का नियमित रूप से निरीक्षण कर रही हैं, ताकि जमीनी स्तर की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। ऐसे निरीक्षणों के माध्यम से समस्याओं की पहचान कर उनके त्वरित समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर एवं प्रभावी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

रुप नगर हादसे पर मुआवजे की मांग देवेंद्र यादव ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रुप नगर नाले पर लोहे का पुल टूटने से एक महिला की मौत पर गहरी चिंता जताते हुए दिल्ली सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे के लिए सीधे तौर पर भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार जिम्मेदार है और मृत महिला के परिजनों को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी में आए दिन हो रहे हादसों में लोगों की जान जा रही है और यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में नालों में गिरने, सड़कों के गड्ढों में फंसने और जलभराव जैसी घटनाओं में मौतें अब आम हो चुकी हैं, जिससे दिल्ली धीरे-धीरे असुरक्षित शहर बनती जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में नालों और सड़कों पर गड्ढों के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है। सड़कों की हालत इतनी खराब है कि यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां, जिसके चलते लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने 5 फरवरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत हो गई थी, लेकिन इस मामले में किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी में कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि होली जैसे त्योहार पर भी झगड़ों के चलते हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार ठोस कार्रवाई करने के बजाय केवल औपचारिकता निभा रही है। उन्होंने मांग की कि जर्जर पुलों, इमारतों और अन्य संरचनाओं की तत्काल प्रशासनिक जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली में 'ऑडिबल ट्रैफिक सिग्नल' लगाने का किया आग्रह

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू को पत्र लिख कर राष्ट्रीय राजधानी के ट्रैफिक लाइटों पर 'ऑडिबल सिग्नल' (ध्वनि-आधारित संकेत) लगाने का आग्रह किया है। विजेंद्र गुप्ता ने पत्र में एम्स के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के चिंताजनक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली में लगभग 60 लाख लोग विभिन्न प्रकार की दृष्टि संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 12 से 18 लाख लोग गंभीर 'लो विजन' के साथ जी रहे हैं, जिनमें से कई वरिष्ठ नागरिक हैं। वर्तमान यातायात प्रणाली उन लोगों के लिए पूरी तरह अपर्याप्त है जो केवल दृश्य संकेतों पर निर्भर नहीं रह सकते। सोमवार को लिखे पत्र में इस बात पर भी बल दिया गया है कि सुलभ क्रॉसिंग सहायता की कमी के कारण दुर्घटनाओं का खतरा निरंतर बना रहता है और यह आबादी के एक बड़े वर्ग की गतिशीलता को सीमित करता है। विधानसभा अध्यक्ष ने उन सफल अंतरराष्ट्रीय मॉडलों का भी उदाहरण दिया जहां चौराहों पर बीप या टिक-टिक जैसी ध्वनियाँ एक मानक विशेषता बन चुकी हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि जापान, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, हांगकांग, सिंगापुर, फ्रांस, स्वीडन, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने पैदल यात्री सुलभता में सुधार के लिए इन प्रणालियों को सफलतापूर्वक अपनाया है। विजेंद्र गुप्ता ने विशेष रूप से जापान में उपयोग की जाने वाली मेलोडिक या पक्षियों जैसी मधुर आवाजों का जिक्र किया, जो पैदल यात्रियों को यह पहचानने में मदद करती हैं कि सड़क पार करना कब सुरक्षित है, जिससे एक अधिक संवेदनशील और उपयोगकर्ता-अनुकूल शहरी वातावरण तैयार होता है। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रमुख यातायात चौराहों पर ऑडिबल सिग्नल लगाना केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है, बल्कि यह मानवीय गरिमा और सुरक्षा की दृष्टि से एक अनिवार्य आवश्यकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने उपराज्यपाल से इस प्रस्ताव की समीक्षा करने और दिल्ली की सड़कों को हर नागरिक के लिए सुरक्षित बनाने को लेकर इसे प्राथमिकता के आधार पर लागू करने का अनुरोध किया है।

महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स में आयोजित ह्यनारी उत्सवद्ध कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्तव्य, निस्वार्थ समर्पण और सेवा के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करने वाली सम्पूर्ण नारी शक्ति को वह नमन करती हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और देश को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर कर रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निर्मल छाया परिसर का दौरा कर विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की अनेक पहलों का शुभारंभ एवं अवलोकन किया और महिलाओं तथा बच्चों के समग्र सशक्तिकरण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति आज ग्रामीण उद्योगों से लेकर कॉर्पोरेट जगत, राजनीति से लेकर सेना तक हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही है। इसी दृष्टि के अनुरूप दिल्ली सरकार भी महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण के तीन प्रमुख स्तंभों सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरतापर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर बेटी और बहन को सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, किसी भी परिस्थिति में उसके सम्मान को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए, और हर महिला को अपने पैरों पर खड़े होकर आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि आगामी 24 मार्च को पेश होने वाले दिल्ली सरकार के बजट में महिलाओं और बेटियों के लिए महत्वपूर्ण पहलें शामिल होंगी। उन्होंने विशेष रूप से सेल्फ हेल्प ग्रुप्स (एसएचजी) को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि दिल्ली में महिलाओं को छोटे-छोटे समूहों के माध्यम से रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने महिला हाट जैसे प्लेटफॉर्म विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिससे महिलाओं को अपने उत्पादों और कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाना है। उन्होंने समाज के प्रति साझा जिम्मेदारी पर बल देते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधनों का लाभ समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, ताकि कोई भी भूखा, बेरोजगार या उपेक्षित न रहे।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स का विस्तृत निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने आफ्टर केयर होम फॉर वुमन, बालिका गृह और बाल निकेतन का दौरा कर यह सुनिश्चित किया कि वहां रहने वाली महिलाओं और बच्चों को उच्च गुणवत्ता की देखभाल, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही है। साथ ही उन्होंने बच्चों से संवाद कर उन्हें बैग एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। उन्होंने सुरक्षा, पोषण एवं देखभाल से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने संकल्प हब का निरीक्षण किया, जहां मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। साथ ही उन्होंने सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा संचालित ह्यमहिला हाटद्ध का अवलोकन किया, जहां स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के साथ ह्यश्री अन्न (मिलेट्स)द्ध पर आधारित पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने डब्ल्यूसीडी-डीएसईयू के तहत प्रशिक्षित महिलाओं से संवाद किया और आज से 10 स्थानों पर शुरू हुई एसएचजी द्वारा संचालित कैंटीनों की सराहना करते हुए इसे महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला एक सशक्त मॉडल बताया।

गैस किल्लत से कारोबार प्रभावित, महेंद्र भास्कर ने सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। रसोई गैस की किल्लत को लेकर करोल बाग जिला कांग्रेस के अध्यक्ष महेंद्र भास्कर ने कहा कि इस संकट ने जहां लाखों घरों को प्रभावित किया है, वहीं बड़ी संख्या में लोगों के रोजगार पर भी गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि गैस की कमी का सीधा प्रभाव आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। महेंद्र भास्कर ने बताया कि दिल्ली, विशेषकर करोल बाग क्षेत्र में छोटे ढाबों, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस और रेहड़ी-पटरी पर खाने-पीने का सामान बेचने वाले लोगों की बड़ी संख्या है, जिनका कारोबार पूरी तरह रसोई गैस पर निर्भर है। गैस की कमी के कारण इनका कामकाज ठप हो गया है। कुछ लोग महंगे दामों पर गैस की व्यवस्था कर किसी तरह अपना काम चला रहे हैं, लेकिन इससे उन्हें मजबूरन अपने उत्पाद भी महंगे दामों पर बेचने पड़ रहे हैं।

अमेजन गोदाम कर्मियों पर महंगाई की मार रसोई गैस संकट से बढ़ी भूख की समस्या

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

अमेजन इंडिया वर्कर्स यूनियन (एआईडब्ल्यूयू) ने देशभर में अमेजन के गोदामों में कार्यरत श्रमिकों की बिगड़ती स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। यूनियन का कहना है कि रसोई गैस की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, स्थिर वेतन और आवश्यक सुविधाओं की कमी के कारण श्रमिकों के सामने भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी करना भी कठिन होता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, अधिकांश गोदाम कर्मी प्रवासी हैं और किराए के मकानों में रहते हैं, जहां उनके पास स्थायी पते का प्रमाण नहीं होता। इस कारण वे सरकारी या औपचारिक एजेंसियों के माध्यम से रसोई गैस कनेक्शन प्राप्त नहीं कर पाते। मजबूरी में उन्हें खुले बाजार से छोटे सिलेंडरों में प्रति किलोग्राम के हिसाब से गैस खरीदनी पड़ती है।

पहले यह गैस 100 से 110 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिल जाती थी, लेकिन अब इसकी कीमत बढ़कर 350 से 400 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। कई क्षेत्रों में गैस आसानी से उपलब्ध भी नहीं है, जिससे श्रमिकों को 10 से 15 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती है और अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। वेतन की स्थिति भी चिंताजनक है। अधिकांश कर्मियों की मासिक आय लगभग 12,000 रुपये है, जिसमें से उन्हें किराया, भोजन और परिवार को भेजने के लिए राशि निकालनी होती है। बढ़ती महंगाई के बीच यह आय जीवनयापन के लिए अपर्याप्त साबित हो रही है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। आसपास के भोजनालयों में एक रोटी की कीमत 8 रुपये से बढ़कर 12 रुपये हो गई है, जबकि गोदाम के अंदर कैंटीन में भी समोसे की कीमत 10 रुपये से बढ़कर 15 रुपये हो चुकी है।

'कॉफी विद वाइस-चांसलर' में डीयू कुलपति ने किया मिरांडा हाउस की छात्राओं से संवाद

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'कॉफी विद वाइस-चांसलर' नाम से अनूठी पहल करते हुए कुलपति के साथ विद्यार्थियों के सीधे संवाद का आयोजन आरंभ किया है। इस कार्यक्रम के पहले संस्करण में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मिरांडा हाउस कॉलेज की छात्राओं के साथ कॉफी पर चर्चा की।

इस अवसर पर कुलपति ने एक छात्रा के एआई को लेकर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि एआई को अपना मास्टर नहीं, बल्कि सहायक बनाएं। इससे घबराना नहीं है, बल्कि इस पर महारत हासिल करनी है। जब नई तकनीक आती है तो चिंताएं होती हैं, लेकिन हमें तकनीक के महत्व को समझना है और एआई जैसी नई क्रांति का भरपूर लाभ उठाना है। कुलपति ने भारत की यूपीआई जैसी तकनीकी उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में देश काफी बदला है। हमारे पास बहुत कुछ करने का सामर्थ्य है।

प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि मूल्य वर्धन कोर्सों (वीएसी) और कौशल संवर्धन कोर्सों (एसईसी) को लेकर एक छात्रा द्वारा पूछे गए प्रश्न पर कुलपति ने कहा कि एक अच्छा इंसान बनाने का काम करना शिक्षा का उद्देश्य है। संस्कार और देश प्रेम पर भी शिक्षा में काम होना चाहिए। इसलिए इन कोर्सों की आवश्यकता है। कुलपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समझ की समझ को विकसित करना है। एक छात्रा ने खुल कर पूछा कि एक कुलपति के रूप में आप हम से क्या अपेक्षा रखते हैं?

इफ्तार में दिखी सौहार्द की मिसाल सादगी से ईद मनाने की अपील

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

रमजान के पवित्र महीने के दौरान मलका गंज क्षेत्र में आयोजित इफ्तार कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के लोगों ने एक साथ रोजा खोलकर आपसी एकता और भाईचारे का संदेश दिया। इस आयोजन का नेतृत्व रमजान-उल-मुबारक इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष शमीम अहमद खान और महासचिव हाजी मोहम्मद अनवार ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों के साथ विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर रोजेदारों के साथ इफ्तार किया और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सूर्य प्रकाश खत्री, उलोमा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना कौकब मुजतबा, ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के मुख्य काजी मुफ्ती मोहम्मद ताहिर हुसैन, यूनाइटेड सिख फोरम दिल्ली के निदेशक सरदार प्रीतम सिंह, दिल्ली नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद एहसान कुरैशी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा मोहम्मद दानिश मतीन, मोहम्मद अजहरुद्दीन, जहीर आलम, श्री उमेश माथुर, श्री नेत्रपाल आर्य, हाजी कमालुद्दीन, मोहम्मद कामिल, मनोज कुमार, मोहम्मद फरमान, शहजाद अहमद, शफीकुद्दीन और करनाल सिंह सहित अन्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

यमुनापार में मेडिकल हब से स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत: दीपक गाबा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के अध्यक्ष दीपक गाबा ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार दिल्ली में लगातार जनहित के बड़े फैसले ले रही है, जिनका लाभ न केवल राजधानी बल्कि पूरे एनसीआर की जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों में सरकार नए आयाम स्थापित कर रही है और लोगों को इसका सकारात्मक असर महसूस होने लगा है। दीपक गाबा ने बताया कि दिल्ली सरकार ने पूर्वी दिल्ली के प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों–गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल–को एकीकृत कर एम्स की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इहबास) को भविष्य में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान-2 के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम किया जाएगा।

युवा देश के भविष्य का निमार्ता: सूद

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित ह्यविकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रमद्ध में भाग लेते हुए युवाओं को देश के भविष्य का निमार्ता बताया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

सूद ने कहा कि यह कोई सामान्य औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि देश के भविष्य को आकार देने वाली ऊर्जा का केंद्र है। जहां से एक नई क्रांति का सूत्रपात होगा। उन्होंने उपस्थित छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल इस इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत के वास्तुकार और शिल्पकार हैं, जो वर्ष @2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सूद ने 'वंदे मातरम' के 150 वर्षों की ऐतिहासिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र जागरण का मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना का संचार किया। 150 साल पहले अंग्रेजी शासन में जहां देश की स्वतंत्रता के परवाने इस गीत को गाकर शहीद हो गए वैसा ही जज्बा आज के युवाओं को विकसित भारत@2047 बनाने के लिए दिखाना होगा।

शिक्षा मंत्री ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई थी और आज पुनः इतिहास उन्हें पुकार रहा है। इस बार लक्ष्य स्वतंत्रता नहीं, बल्कि एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण है। ह्यविकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रमद्ध इसी उद्देश्य से युवाओं को राष्ट्रीय दृष्टि से जोड़ने, उन्हें सशक्त बनाने और देश की विकास यात्रा में सहभागी बनाने का मंच प्रदान करता है। सूद ने 'माई भारत' पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल, जिसे केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है, युवाओं में स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रोत्साहित कर रही है। 'माई भारत बजट क्वेस्ट 2026' में दिल्ली के लगभग 45,000 छात्रों ने भाग लेकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली का युवा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि देश की आर्थिक दिशा को समझने और उसमें भागीदारी निभाने वाला एक जिम्मेदार नागरिक भी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा शुद्धिकरण सूचना

ई–टेण्डरिंग खुली निविदा सूचना सं. 11/2026 दिनांक 10.03.2026 के अंतर्गत कमांक 01 से 04 पर अंकित निविदा जो दिनांक 01.04.2026 को खोली जानी है, जिसमें बयाना राशि (ई.एम.डी.) को जीसीसी–2022 ए.सी.एस–11 द्वारा संशोधित करते हुए रुपया 1,93,900/–, 2,49,700/–, 6,55,000/– एवं 3,71,900/– से बढाकार क्रमशः 1,93,900/–. 3,98,900/–,20,20,000/– एवं 8,87,700/– रुपये कर दिया गया है। एवं जीसीसी–2022 ए.सी.एस–11 के अनुसार सभी शर्ते लागू होंगी। ई–निविदा का विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट पर www.ireps.gov.in पर देखे।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.)

मुजाधि/डब्लू–511 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	77269015 RGC	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर सी एम एस क्रासिंग (टी 4220 & टी 4967)	2251 सेट	08-04-26
02	07250012	हेल्थ फौसत 1/2 इंच	23315 नग	20-05-26

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं. 94/2025–2026 दिनांकः– 17.03.2026 899/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

पत्र संख्या 128-डब्ल्यु/वं.म.अधि./सं./निविदा आमंत्रण सूचना-19-25-26-ड्ब्ल्युसी दिनांक: 16.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर – ट्रैक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1	कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के अंतर्गत SBCM/FRM मशीन का प्री एवं पोस्ट अटेंशन कार्य तथा T-28 मशीन द्वारा टर्नआउट का डीप स्क्रीनिंग कार्य। (निविदा आमंत्रण सूचना–19–25–26–ड्ब्ल्युसी)
2	अनुमानित लागत	Rs. 6,10,47,950.91/-
3	धरोहर राशि	Rs. 12,21,000/-
4	ई–निविदा भरने का दिनांक और समय & ई-निविदा खुलने का दिनांक समय	ई–निविदा भरने का समय शुरू दिनाँक 24.03.2026 को 15:00 बजे से निविदा खुलने का समय & ई-निविदा खुलने का दिनांक 09.04.2026 को 15:00 बजे तक
5	निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

889/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निदेशक/एडमिन, उत्तर रेलवे नई दिल्ली द्वारा निम्न्न कार्य के लिए e–निविदाए आमन्त्रित की जाती है

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1.	एडीईएन/एनआरसीएच के अधीन एसएसई/वर्क्स/एनआरसीएच अनुभाग में पानी की सप्लाई, सैनिटरी और ड्रेनेज सिस्टम वगैरह की मरम्मत और NRCH में सुधार और नवीनीकरण का काम।	रू 16632778.55	रू 332700/-	08 माह	10.04.2026

सुचनाः निविदा रेलवे की वैबसाइट 'www.ireps.gov.in' पर उपलब्ध है तथा इसी वैबसाइट पर 10.04.2026 15.00 बजे तक ही भरी जायगी.

पत्रसं.: 128-W-269-O.E.T-13-25-26-NRCH दिनांक:-16.03.2026 887/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

सोनम वांगचुक की रिहाई के मायने

क्या राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा भी अब भाजपा की सुविधा के अनुसार तय होगी, यह गंभीर सवाल पर्यावरण कार्यकर्ता और मैगसेसे पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक की रिहाई के फैसले के बाद उठा है। 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। पहले तो यह सरकार यह बताने ही तैयार नहीं थी कि वे किस जेल में रखे गए हैं। फिर बताया गया कि वे जोधपुर जेल में हैं। सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाया था। लेकिन शनिवार को अचानक मोदी सरकार को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि अब वांगचुक देश की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं और उनकी रिहाई का आदेश दिया गया।

पहले तो यह बात समझ से परे थी कि अपने राज्य के हक की बात करने में देश की सुरक्षा को कैसे खतरा हो सकता है। बता दें कि 2019 में जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग करने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला मोदी सरकार ने लिया था। तब वहां की जनता को भरोसा दिलाया गया था कि अब उन्हें अच्छे से हक मिलेंगे और उनके राज्य की तरक्की होगी। लेकिन लद्दाखी जनता से किए वादे केंद्र सरकार ने पूरे नहीं किए और न ही उनकी मांगों का अब तक कोई समाधान निकाला गया।

लद्दाख के लोगों की कुछ प्रमुख मांगें हैं, जैसे-लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्रों की सुरक्षा मिले। लेह और करगिल दोनों के लिए अलग-अलग परिषद हों और सरकारी नौकरियों की खाली जगहें भरी जाएं।

इन्हीं मांगों को लेकर सोनम वांगचुक बीते साल से अलग-अलग मौकों पर आमरण अनशन और दिल्ली तक मार्च कर चुके हैं। अक्तूबर 2024 में उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे छठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लद्दाख से दिल्ली तक पैदल मार्च निकाला था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सिंधु बॉर्डर से उन्हें हिरासत में ले लिया था। साल 2025 में इसी मांग को लेकर 35 दिन की उनकी भूख हड़ताल के 15वें दिन 24 सितंबर को लेह में आंदोलन हिंसक हो गया जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 50 लोग घायल हुए थे। इसके लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराते हुए और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए हिरासत में लिया गया। उनकी हिरासत पर सवाल उठाते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि जे एंग्मो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन इस पर सरकार बार-बार टालमटोल कर रही थी। आखिरकार न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने कह दिया था कि वे 17 मार्च को इस पर अंतिम सुनवाई करेंगे। पीठ ने यह भी कहा था कि सोनम वांगचुक के भाषणों के वीडियो इस बृहस्पतिवार को देखेंगे और उन्होंने रजिस्ट्रार से स्क्रीनिंग की व्यवस्था करने को कहा था। हालांकि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने कहा था कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अस्वस्थ हैं और उन्होंने मामले में सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया है। लेकिन वांगचुक की पत्नी एंग्मो की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि मामले में बार-बार स्थगन से देश में 'गलत संदेश' जा रहा है। इसके बाद न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने कहा, 'हम यह बिल्कुल स्पष्ट कर रहे हैं कि चाहे कुछ भी हो, हम अंतिम सुनवाई के बाद अगले मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रखेंगे। हम किसी भी नये बिंदु पर बहस की अनुमति नहीं देंगे और सॉलिसिटर जनरल, केवल कपिल सिब्बल द्वारा अपने जवाबी तर्क में उठाए गए नये बिंदुओं पर बहस कर सकते हैं।'

बता दें कि सोनम वांगचुक के भाषणों में ही केंद्र सरकार को देशविरोधी साजिश नजर आ रही थी। लेकिन इससे पहले कि अदालत इन्हें सुनकर कोई राय बनाती, सरकार ने पहले ही वांगचुक की रिहाई का आदेश दे दिया।

कानूनी तौर पर यह उनकी पत्नी और समर्थकों के लिए बड़ी जीत है। लेकिन यहां चिंता की एक बड़ी बात यह है कि आखिर भाजपा अपनी सुविधानुसार कब तक लोगों के अधिकारों के साथ ऐसा खेल करेगी। मोदी सरकार को सोनम वांगचुक के भाषण पसंद नहीं आए तो उन्हें जेल में डाल दिया, फिर लगा होगा कि एक साथ विरोध के कई मोर्चे खुल गए हैं। एक तरफ ईरान जंग के कारण देश में ईंधन का संकट है, दूसरी तरफ एपस्टीन फाइल्स पर विपक्ष के सवाल हैं, इनके बीच पांच राज्यों के चुनाव भी हैं, तो वांगचुक की रिहाई कर अपने लिए थोड़ी आसानी शायद भाजपा ने बनाई है। इसी तरह पंजाब चुनाव के फायदे को ध्यान में रखकर अरविंद केजरीवाल पर लगे सारे आरोप भी खारिज हो गए। इसमें फैसला भले अदालत ने दिया, लेकिन आबकारी घोटाले में सबूत पेश करने का काम जांच एजेंसी का था, जो उसने नहीं दिए। अब शायद किसी दिन उमर खालिद की रिहाई भी संभव हो जाए, क्योंकि उन्हें भी पांच सालों से कैद रखा गया है और बार-बार जमानत टलवाई जा रही है।

अध्ययन, मनन से संस्कार और ज्ञान के खुलते चक्षु

(संजीव ठाकुर)

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो' उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। 'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों

के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

परमाणु प्रसार को रोकने की जंग या उसे तेज करने की भूल?

(डॉ. सत्यवान सौरभ)

परमाणु हथियारों का प्रसार आधुनिक अंतरराष्ट्रीय राजनीति की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक व्यवस्था का एक प्रमुख उद्देश्य यह रहा है कि परमाणु हथियारों का विस्तार सीमित रखा जाए और नए देशों को इस श्रेणी में प्रवेश करने से रोका जाए। इसी उद्देश्य से अनेक अंतरराष्ट्रीय संधियाँ, निगरानी तंत्र और कूटनीतिक पहलें अस्तित्व में आईं। इसके बावजूद समय-समय पर यह विचार सामने आता रहा है कि यदि किसी देश के परमाणु कार्यक्रम से वैश्विक या क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा हो, तो उसे रोकने के लिए निवारक या पूर्व-ीस्त्र३५ी युद्ध का सहारा लिया जा सकता है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि इस प्रकार के सैन्य हस्तक्षेप कई बार उस समस्या को हल करने के बजाय और जटिल बना देते हैं, क्योंकि वे अन्य देशों को भी परमाणु हथियार हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में हाल के दशकों की घटनाएँ इस बहस को और अधिक प्रासंगिक बनाती हैं।

पश्चिम एशिया की समकालीन परिस्थितियों में यह प्रश्न कि क्या परमाणु प्रसार को रोकने के लिए किए गए सैन्य हस्तक्षेप वास्तव में उसे और अधिक तीव्र बना देते हैं।

निवारक युद्ध की अवधारणा इस विचार पर आधारित है कि संभावित खतरे को उसके पूर्ण रूप लेने से पहले ही समाप्त कर दिया जाए। यदि किसी देश के पास परमाणु हथियार बनने की क्षमता विकसित हो रही है, तो कुछ शक्तियाँ यह मान सकती हैं कि सैन्य कार्रवाई करके उस कार्यक्रम को नष्ट कर देना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। इस रणनीति का तर्क यह है कि यदि खतरे को प्रारंभिक चरण में ही समाप्त कर दिया जाए, तो भविष्य में बड़े युद्ध या विनाश से बचा जा सकता है। परंतु व्यवहार में यह नीति कई बार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाती।

पश्चिम एशिया इस संदर्भ में अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। यहाँ लंबे समय से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, धार्मिक-सांप्रदायिक तनाव, ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण और बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप जैसे अनेक कारक मौजूद हैं। इस क्षेत्र में परमाणु हथियारों की संभावना को लेकर लगातार चिंता बनी रही है। कुछ देशों के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में संदेह और बहस दोनों रहे हैं। ऐसे माहौल में निवारक युद्ध या सैन्य कार्रवाई का विचार अक्सर चर्चा में आता है।

इतिहास में ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहाँ संभावित परमाणु खतरे को रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई की गई। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य यह था कि संबंधित देश के परमाणु बुनियादी ढाँचे

को नष्ट करके उसे हथियार विकसित करने से रोका जाए। प्रारंभिक दृष्टि में यह रणनीति प्रभावी प्रतीत हो सकती है, क्योंकि इससे परमाणु कार्यक्रम को तत्काल नुकसान पहुँचता है। लेकिन दीर्घकालिक प्रभावों को देखें तो स्थिति अधिक जटिल दिखाई देती है।

पहला महत्वपूर्ण पहलू यह है कि निवारक युद्ध किसी देश में असुरक्षा और अविश्वास की भावना को बढ़ा सकता है। यदि किसी राज्य को यह लगता है कि उसकी संप्रभुता और सुरक्षा को बाहरी शक्तियों से लगातार खतरा है, तो वह अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक आक्रामक कदम उठा सकता है। ऐसे में परमाणु हथियारों को ह्लअंतिम सुरक्षा गारंटीह्व के रूप में देखा जाने लगता है। परिणामस्वरूप वह देश अपने परमाणु कार्यक्रम को और अधिक गुप्त तथा तेज गति से आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

दूसरा पहलू क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन से जुड़ा है। पश्चिम एशिया में कई देश एक-दूसरे के प्रति अविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना रखते हैं। यदि किसी देश के खिलाफ निवारक सैन्य कार्रवाई होती है, तो अन्य देशों को भी यह आशंका हो सकती है कि भविष्य में उनके साथ भी ऐसा हो सकता है। इससे वे अपनी सुरक्षा नीति में परमाणु विकल्प को अधिक गंभीरता से लेने लगते हैं। इस प्रकार एक देश के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरे क्षेत्र में परमाणु प्रसार की दौड़ को तेज कर सकती है।

तीसरा महत्वपूर्ण पहलू अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यवस्था से संबंधित है। निवारक युद्ध अक्सर विवादास्पद होता है, क्योंकि इसमें संभावित खतरे के आधार पर सैन्य कार्रवाई की जाती है, जबकि खतरा अभी पूरी तरह वास्तविक नहीं होता। यदि शक्तिशाली देश इस सिद्धांत को बार-बार लागू करते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अस्थिरता पैदा कर सकता है। अन्य देश भी अपने सुरक्षा हितों के नाम पर इसी प्रकार की कार्रवाइयों को उचित ठहराने लग सकते हैं। इससे वैश्विक स्तर पर संघर्ष और अविश्वास बढ़ सकता है।

पश्चिम एशिया की समकालीन परिस्थितियों में यह बहस और भी जटिल हो जाती है। क्षेत्र में कई ऐसे देश हैं जो सुरक्षा चुनौतियों, क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा और बाहरी हस्तक्षेपों से घिरे हुए हैं। कुछ देशों के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहन निगरानी और कूटनीतिक प्रयास चल रहे हैं। लेकिन समय-समय पर यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि यदि कूटनीति विफल हो जाती है, तो सैन्य विकल्प अपनाया जा सकता है। यही वह स्थिति है जहाँ यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या निवारक युद्ध वास्तव में समस्या का समाधान है।

आलोचकों का कहना है कि सैन्य कार्रवाई अक्सर अल्पकालिक समाधान देती है, जबकि दीर्घकाल में वह समस्या को और गहरा कर सकती है। जब किसी देश के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला होता है, तो इससे राष्ट्रीय गौरव और सुरक्षा की भावना को चोट पहुँचती है। इससे उस देश की जनता और राजनीतिक नेतृत्व में यह विश्वास मजबूत हो सकता है कि परमाणु हथियार ही बाहरी दबाव से बचने का सबसे प्रभावी साधन हैं। इस प्रकार निवारक युद्ध उस उद्देश्य के विपरीत परिणाम दे सकता है, जिसके लिए उसे किया गया था।

इसके अलावा, आधुनिक समय में परमाणु कार्यक्रम केवल एक या दो स्थलों तक सीमित नहीं होते। वे कई संस्थानों, वैज्ञानिकों और तकनीकी क्षमताओं के व्यापक नेटवर्क पर आधारित होते हैं। इसलिए किसी एक प्रतिष्ठान को नष्ट करने से पूरे कार्यक्रम को समाप्त करना संभव नहीं होता। अक्सर ऐसा होता है कि हमले के बाद संबंधित देश अपने कार्यक्रम को और अधिक सुरक्षित तथा गुप्त रूप से विकसित करने लगता है। इससे अंतरराष्ट्रीय निगरानी और नियंत्रण और कठिन हो जाते हैं।

हालाँकि यह भी सत्य है कि कुछ परिस्थितियों में निवारक कार्रवाई को सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक माना जाता है। यदि किसी राज्य के पास परमाणु हथियार बनने की क्षमता अत्यंत निकट हो और वह क्षेत्रीय या वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा हो, तो कुछ देश यह तर्क दे सकते हैं कि सैन्य हस्तक्षेप अपरिहार्य है। लेकिन इस प्रकार की कार्रवाई को अंतिम विकल्प के रूप में ही देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसके परिणाम व्यापक और अनिश्चित हो सकते हैं।

इस संदर्भ में कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। परमाणु प्रसार को रोकने के लिए केवल सैन्य शक्ति पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विश्वास निर्माण, पारदर्शिता, निरीक्षण तंत्र और आर्थिक-राजनीतिक प्रोत्साहनों के माध्यम से भी देशों को परमाणु हथियारों की दौड़ से दूर रखा जा सकता है। पश्चिम एशिया जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यह दृष्टिकोण विशेष रूप से आवश्यक है, क्योंकि यहाँ किसी भी सैन्य टकराव के व्यापक क्षेत्रीय और वैश्विक परिणाम हो सकते हैं।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

(ललित गर्ग)

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक

प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मयार्दाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

(सौरभ वार्ष्णेय)

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ-साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरू से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थी–एक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु-आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत न केवल वैकल्पिक स्त्रोतों से रुक्कत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूती से अपनाया। भारत ने किसी एक धड़े में पूरी तरह झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संकट के बावजूद घरेलू बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और कीमतों में भी अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही।

इसके अलावा, भारत ने सऊदी अरब, यूएई और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत किया, जिससे सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते खुले। यह कदम दशार्ता है कि भारत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी कूटनीति पर काम कर रहा है।

हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे संकट भारत के लिए चेतावनी भी हैं। ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

ईरान युद्ध के बीच कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की संतुलित, व्यावहारिक और प्रभावी कूटनीति की बड़ी जीत है। यह संदेश भी देता है कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत अपने हितों की रक्षा करना अच्छी तरह जानता है।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

विधानसभा में राज्यसभा चुनाव पर हंगामा मंत्री डांस करने लग जाते हैं : हुड्डा

बेदी ने कहा- रिकॉर्डिंग निकलवाओ, मैं सॉरी बुलवाऊंगा

भेदी नज़र ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के 12वां दिन राज्यसभा चुनाव पर जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष हुड्डा ने कहा कि सरकार के मंत्री डांस करने लग जाते हैं, यह क्या तरीका है? इस पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा, आप रिकॉर्डिंग निकलवा लो, यदि मैंने डांस किया हो तो मैं हाउस में सॉरी बुलवाऊंगा, फिर छोड़ूंगा नहीं।

लंच के बाद फिर कांग्रेस विधायकों ने राज्यसभा चुनाव को लेकर हंगामा किया। इस पर स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने आठ कांग्रेस विधायकों को नेम किया, जिसके बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी खड़े हुए और उन्होंने शायरी पढ़ते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं कि इतने सीनियर नेता होने के बाद भी यह नहीं जानते हैं कि न वोट चोरी होती है, न ईवीएम में कोई गड़बड़ी होती है। लोकतंत्र की यही तो खूबी है, यह अंतरआत्मा को जगा देता है, अगर वह सोई हुई होती है।

प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस विधायक रघुवीर कादियान ने कहा कि जिस तरह से राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोप लगे हैं, उससे गरिमा घटी है। ये हालात ऐसे क्यों पैदा हुए हैं। हमारे सदस्य 37 हैं, भाजपा के 48 हैं। इस नंबर गेम में 31 वोट आने चाहिए। फिर तीसरे मेंबर की जरूरत क्या पड़ी। ये प्रजातंत्र का गला घोंटने की बात है।

इस पर स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा- सदन में इस विषय की जरूरत क्या है? इस पर हंगामा हो गया। कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए वेल तक पहुंच गए और वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। इस पर स्पीकर को सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

नूंह से कांग्रेसी विधायक आफताब अहमद ने साइबर क्राइम का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार बता रही है कि अपराध में कमी आई है, लेकिन इससे निपटने के लिए और भी काम होना चाहिए। उन्होंने फरीदाबाद और गुरुग्राम में साइबर क्राइम कमिश्नरेट बनाने की मांग की। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इसका जवाब देते हुए कहा कि साइबर क्राइम विभाग हमारी सरकार ने बनाया है, कांग्रेस के समय में तो यह था ही नहीं। इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि अब आपने आरोप लगाए हैं तो इसका जवाब देना ही होगा। हमारी सरकार इस पर लगातार काम कर रही है।

सड़क हादसे में एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत और दूसरा घायल

बहादुरगढ़, (वेब वार्ता)। हरिद्वार में आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर से लौट रहे भाजपा कार्यकताओं की कार सोमवार शाम करीब चार बजे शामली के पास हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृतक की पहचान बहादुरगढ़ के सेक्टर 6 निवासी डॉ. ओमवीर राठी के रूप में हुई है, जो नागरिक अस्पताल से सेवानिवृत्त नेत्र रोग विशेषज्ञ थे। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों और परिचितों में गहरा दुख है। वहीं, हादसे में घायल ऋषि भारद्वाज को गंभीर अवस्था में नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वह भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं। कार्यकर्ताओं के अनुसार उनके पांव समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज शामली के अस्पताल में जारी है। बताया जा रहा है कार की रफ्तार बहुत ज्यादा थी जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और यह हादसा हो गया। कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

करोड़ों रुपये का चर्चित सरसों घोटाला

हैफेड के डीएम द्वारा एसपी को दी गई शिकायत पर पुलिस की कइनोमिक सेल कर रही जांच

साढ़े तीन करोड़ की सरसों गोदाम से बाजर में बेचने में स्टोर कीपर सहित अन्य कर्मचारियों पर भी घूम रही शक की सूई

विजय शर्मा, भेदी नज़र

कनीना। कनीना-दादरी मार्ग पर उन्हाणी में बने हैफेड गोदाम से करीब 60-70 ट्रकों से गायब हुई 12 हजार बैग सरसों में स्टोर कीपर सहित अन्य कर्मचारियों पर भी शक की सुई घूम रही है। आमजन में इस बात की चर्चा चली हुई है जिसे लेकर तरह-तरह के सवाल खडे हो रहे हैं। माना जा रहा है कि गोदाम में कार्यरत अकेला स्टोर कीपर कैसे रिलीज ऑर्डर तैयार करेगा, जैसे लेबर की व्यवस्था कर सरसों को गाड़ियों में लोड करवाएगा। क्या वास्तव में गोदाम में इतनी सरसों थी या नहीं, अथवा यूं ही स्टोर कीपर के सिर पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है। गोदाम में सरसों थी तो यह पूरा प्रकरण एक दिन में संभव भी नहीं हो सकता। इस घटनाक्रम के दौरान हैफेड के प्रबंधक, सेल्समैन, चौकीदार एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा गोदाम का निरीक्षण तक नहीं करना किस बात की ओर संकेत करता है। खैर, यह एक गहन जांच का विषय है लेकिन स्टोर कीपर के अलावा इस स्कैंडल में अन्य कर्मचारियों की संलिप्तता से कतह ही इंकार नहीं किया जा सकता।

सरसों के स्टॉक से 12 हजार से अधिक बैग की बाजारर कीमत करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए आंकी गई है। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब हैफेड के अधिकारियों ने 28 मार्च से शुरू होने वाली रबी फसल खरीद के लिए गोदाम खाली करवाने के मकसद से गोदाम में रखी सरसों का पंचकूला की किसी फर्म के नाम ऑक्सन कर दिया। बताया जा रहा है कि उक्त फर्म की ओर से सरसों की दो गाड़ियां लोड भी की गई। उसके बाद उसे ऑक्सन मुताबिक सरसों नहीं मिली तो उच्च अधिकारियों को सूचित किया। अधिकारी मौके पर पहुंचे तो गोदाम खाली देखकर दंग रह गए। हैफेड प्रबंधक द्वारा सप्ताह भर में गोदाम का निरीक्षण करने की दलील दी जा रही है। हैफेड के अधिकारियों द्वारा मौका मुआयना कर स्टाक का फिजिकल वेरिफिकेशन करने के बाद 12000 से अधिक सरसों के बैग गायब होने की बात कही जा रही है। जिसे लेकर फील्ड इंस्पेक्टर स्टोर, झज्जर निवासी ऋषि को दोषी ठहराया जा रहा है। जो फिलहाल भूमिगत बताया जा रहा है।

हैफेड के जिला प्रबंधक प्रवीण भारद्वाज ने बताया कि उन्हाणी गोदाम में सरसों लगी हुई थी जिसकी फिजिकल वेरिफिकेशन की गई तो गड़बड़ी सामने आई। जांच की जा रही है जिसमें जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर दो को होगा भंडारे का आयोजन

विजय शर्मा, भेदी नज़र

कनीना। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में चैत्र पूर्णिमा के दिन आगामी 2 अप्रैल बृहस्पतिवार को पहाड़ी वाले बालाजी मंदिर लहरोदा में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

निरंजनी अखाड़ा, गादी मढी के महंत पवन गिरी ने बताया कि इससे पूर्व एक अप्रैल को सुबह सात बजे रामायण पाठ होगा तथा 2 अप्रैल को सुबह सवा 8 बजे हवन का आयोजन होगा जिसमें दूर-दराज से आए भक्तगण आहुति डालेगें। उसके बाद सवा 11 बजे भंडारा प्रारंभ होगा जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पहाडी पर स्थित बालाजी मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की आगध आस्था है। मंगलवार व शनिवार को बडी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं और मत्था टेक मन्नतें मांगते है। समारोह को लेकर भक्तजनों तथा ग्रामीणों में उत्साह बना हुआ है। समारोह की तैयारियां पूरी की जा रही है।

चैत्र चौदस मेला को लेकर अधिकारी रखेंगे साफ सफाई पर फोकस : अनिल कुमार दून

प्रमोद कौशिक/अमित, भेदी नज़र

पिहोव। उपमंडल अधिकारी नागरिक अनिल कुमार दून ने कहा कि पिहोवा सरस्वती तीर्थ पर 19 मार्च 2026 तक चलने वाले चार दिवसीय चैत्र चौदस मेले में देश विदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पूजा पाठ करवाने के लिए पहुंच रहे है। अहम पहलू यह है कि 19 मार्च तक चलने वाले इस चैत्र चौदस मेले में श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए है। इस मेले के दौरान सभी अधिकारी साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखेंगे।

एसडीएम अनिल कुमार दून इस चार दिवसीय चैत्र चौदस मेले के निरीक्षण करने उपरांत कर्मचारियों,अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले एसडीएम अनिल कुमार दून, नगरपालिका सचिव अशोक कुमार व डीएसपी निर्मल सिंह ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मुख्य बाजार व सरस्वती तीर्थ स्थल और प्रेत पीपल विभिन्न क्षेत्रों में साफ सफाई व सुरक्षा व्यवस्था को जांचा तथा कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में आने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे।

नगरपालिका सचिव अशोक ने कहा कि प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र रात्रि समय में भी साफ सफाई 50 से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने सभी यात्रियों और तीर्थ पुरोहितो को अपील करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा पॉलिथीन,प्लास्टिक प्लेटो,गिलासों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसके लिए श्रद्धालुओं के लिए भंडारे में स्टिल या पत्तों से बने बर्तनों का प्रयोग करें ताकि गंदगी न फैले और आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार कोई परेशानी ना उठानी पड़े और मेले के सफल आयोजन में प्रशासन का सहयोग करें।

पानीपत में चलती बस के आगे कूदकर व्यक्ति ने सुसाइड की कोशिश

भेदी नज़र ब्यूरो, पानीपत। पानीपत में बस के आगे कूदकर एक व्यक्ति ने सुसाइड की कोशिश की। आरोपी चलती बस के आगे सिर के बल लेट गया। गर्दन टायर के पास आ जाने पर ड्राइवर ने तुरंत तेज ब्रेक लगाए। ये पूरी घटना बस स्टैंड में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि रेवाड़ी डिपो की बस स्टैंड से चलने वाली थी, तभी अचानक एक व्यक्ति ने तेजी से दौड़कर टायर के आगे लेट गया। घटना में व्यक्ति की गर्दन और हाथ-पैरों पर चोट लग गई। हालांकि व्यक्ति काफी देर तक बस के नीचे ही लेटा रहा। कंडक्टर ने नीचे उतकर उसे बाहर खींचा। उधर, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया।

जिला जेल रेवाड़ी में हुआ स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

जांच शिविर में की गई कैदियों की स्वास्थ्य जांच

भेदी नज़र ब्यूरो, रेवाड़ी

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा की अध्यक्षता में मेदांता द मेडिसिटी गुरुग्राम व स्वास्थ्य विभाग रेवाड़ी के सहयोग से जिला जेल रेवाड़ी में सभी कैदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में जिला जेल में उपस्थित सभी कैदियों का चिकित्सा परीक्षण किया गया।

इस कैंप में कैदियों के लिए स्वास्थ्य विभाग रेवाड़ी द्वारा सामान्य चेकअप, दंत तथा नेत्र चिकित्सा की जांच की गई। वहीं मेदांता द मेडिसिटी की तरफ से इसीजी तथा बोन डेंसिटी का चेकअप किया गया। मेदांता के कार्डियोलॉजिस्ट तथा जनरल फिजिशियन ने शिविर में कैदियों का विटल टेस्ट किया।

इस अवसर पर सीजेएम अमित वर्मा, सीएमओ रेवाड़ी डॉ नरेंद्र दहिया तथा मेदांता द मेडिसिटी के चिकित्सक व उनकी टीम सहित जिला जेल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कनीना बार एसोसिएशन को दी दस लाख की प्रोत्साहन राशि

एसोसिएशन के प्रधान व अधिवक्ताओं ने जताया आभार

विजय शर्मा, भेदी नज़र

कनीना। अटेली की हलका विधायक एवं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्र आरती सिंह राव की ओर से बार एसोसिएशन कनीना को दस लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने पर अधिवक्ताओं ने खुशी जताई है। बीते समय उनकी ओर से इस राशि की घोषणा की गई थी।

जिसका चेक मंगलवार को एसडीएम कार्यालय कनीना के उप अधीक्षक अनिल यादव ने बार एसोसिएशन के प्रधान मंजीत यादव को सौंपा। उन्होंने कहा कि इस राशि का इस्तेमाल बार रूम एवं आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

10 लाख रुपये का चेक मिलने पर मंजीत यादव सहित अधिवक्ताओं ने मंत्री आरती सिंह राव का आभार जताया है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व उनकी पुत्री आरती सिंह के प्रयासों से देश प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। आमजन को घर-द्वार के समीप बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए महेंद्रगढ़ जिले के अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों को बढ़ाया जा रहा है वहीं चिकित्सकों की भी नियुक्ति की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती मां को खाना देने जा रहे युवक की ट्रक तले आकर मौत

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। अस्पताल में भर्ती अपनी मां को खाना देने जा रहे युवक की ट्रक से टक्कर होने पर मौत हो गई। वह बाइक पर सवार होकर जा रहा था। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गुरुग्राम-फर्रुखनगर मार्ग पर बाईपास के निकट मिक्सर ट्रक को ड्राइवर तेज गति से लेकर जा रहा था। इसी बीच एक युवक एसजीटी अस्पताल में भर्ती अपनी मां को बाइक पर खाना देने जा रहा था। इसी दौरान ट्रक की बाइक से टक्कर हो गई। युवक ट्रक के नीचे फंस गया। कुछ दूरी तक ट्रक युवक को घसीटता हुआ ले गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

तनिक सी लापरवाही किसानों के अरमानों पर फेर सकती है पानी : रामरतन

आगजनी जैसी आपात स्थिति में दमकल विभाग, पुलिस तथा बिजली नियंत्रक कार्यालय में दें सूचना

विजय शर्मा, भेदी नज़र

कनीना। तनिक सी लापरवाही किसानों के अरमानों पर पानी फेर सकती है जिससे बचाव के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है। बता दें कि फिलहाल रबी फसल पककर तैयार खडी है। सरसों की कटाई के लिए किसान प्रवासी मजदूरों के साथ खेतों में जुटे हुए हैं। पिछले तीन से जारी तेज हवा के कारण गेहूं की फसल भी कटाई के नजदीक पहुंच गई है। लगातार बढ़ते तापमान के दृष्टिगत खेतों में फसल व खरपतवार सूख रहा है जिसके दरम्यान खेतों से गुजर रही बिजली के तार तेज हवा से बिजली के तार एक-दूसरे को टकराने की संभावना बन जाती है।

बिजली के तार आपस में टकराने से खेतों में आगजनी होने की पूरी संभावना होती है जो किसानों के सपनों पर पानी फेर सकती है। किसानों को आगजनी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है। इस बारे में कनीना स्थित 132 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन में कार्यरत जेई रामरतन शर्मा ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि वे सबसे पहले बिजली लाइनों के नीचे तथा टांसफॉर्र के आसपास से फसल कटाई करें।

इस समय तेज हवा चलने से बिजली तारों के आपस में संपर्क में आने से चिंगारी पैदा होकर आगजनी की संभावना रहती है। ऐसा करने पर अनहोनी से बचा जा सकता है। आगजनी की घटनाओं से बचने के लिए अधिकारियों के आदेश पर एग्रीकल्चर फीडरों में जल्द ही बिजली सप्लाई दिन की बजाय रात के समय देने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने किसानों को आगाह करते हुए कहा कि वे फसल कटाई कर बिजली के तारों के नीचे एकत्रित न करें। लापरवाही बरतने पर उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फिर सकता है।

डीएचबीवीएन कार्यालय कनीना में कार्यरत जेई रामरतन शर्मा ने बताया कि खेतों में फसल पककर तैयार खड़ी है। इस समय तेज हवा चलने से बिजली तारों के आपस में संपर्क में आने से चिंगारी पैदा होकर आगजनी की संभावना रहती है। उन्होंने किसानों को आगाह करते हुए कहा कि वे फसल कटाई कर बिजली के तारों के नीचे एकत्रित न करें। लापरवाही बरतने पर उनकी साल भर की मेहनत पर पानी फिर सकता है। किसान फसल कटाई करते समय दमकल केंद्र, बिजली निगम व पुलिस सहायता नम्बर साथ रखें जिन्हें आपात स्थिति में इस्तेमाल किया जा सके। इस मौके पर फोरमैन ब्रह्म प्रकाश, एसए हरीश कुमार, एलएम अंकित कुमार, हर सेवक उपस्थित थे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ बार काउंसिल चुनाव का मतदान

157 उम्मीदवार चुनाव मैदान में, महेंद्रगढ़ जिले में बनाए गए चार मतदान केंद्र

विजय शर्मा, भेदी नज़र

कनीना। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के चुनाव को लेकर आज बुधवार को मतदान होगा। 25 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए आयोजित इस चुनाव में हरियाणा, पंजाब एवं चंडीगढ से कुल 157 अधिवक्ता चुनाव मैदान में हैं।

17 मार्च को चंडीगढ़ के लिए मतदान की तिथि निर्धारित की गई वहीं 18 मार्च को पंजाब एवं हरियाणा के लिए मतदान तय किया गया। बुधवार को होने वाले इस मतदान को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए है। कनीना बार एसोसिएशन कनीना के प्रधान एडवोकेट मंजीत यादव ने बताया कि जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ की ओर से उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने चुनाव के दृष्टिगत अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। महेंद्रगढ जिले में जिले में कुल चार, मतदान केंद्र संख्या 63 से 66 तक बनाए गए हैं, जिनमें लिटिगेशन हॉल महेंद्रगढ में मतदान केंद्र संख्या 63 के अंतर्गत 470 मत, कनीना बार एसोसिएशन रूम में बूथ संख्या 64 में 145 मत, नारनौल जिला कोर्ट के वुमन बार रूम संख्या 65 में 480 मत तथा पुरानी लाइब्रेरी में बूथ संख्या 66 में 475 मत सहित कुल 1570 रजिस्टड अधिवक्ता मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

उन्होंने बताया कि 18 मार्च को सुबह 9 बजे सायं 5 बजे तक मतदान होगा। जिला प्रशासन की ओर से 4 पोलिंग पार्टियों के साथ एक रिजर्व पार्टी का गठन किया है। सुरक्षा और पारदर्शिता के दृष्टिगत सभी मतदान केंद्रों पर वीडियोग्राफी होगी तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारी तैनात रहेगें। कनीना सिटी थाना इंचार्ज राकेश कुमार ने बताया कि मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

प्रिंटिंग इंडस्ट्री में स्वरोजगार की ओर बढ़ें विद्यार्थी: प्रो. वीरेन्द्र पाल

विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के अनुरूप तराशना संस्थान का उद्देश्य : प्रो. महासिंह पूनिया

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी, भेदी नज़र

थानेसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा दो दिवसीय प्रिंटर्स डे राष्ट्रीय संगोष्ठी (17-18 मार्च) 'फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स इन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग' विषय पर आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र सिंह पाल ने कहा कि प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग इंडस्ट्री ने विश्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यूरोप में पुनर्जागरण के प्रसार में प्रिंटिंग की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र स्वरोजगार की अपार संभावनाएं प्रदान करता है। विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर बढ़ते हुए स्वयं के साथ दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने स्वागत भाषण में कहा कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रिंटिंग इंडस्ट्री के अनुरूप तैयार करना है। उन्होंने कहा कि आज का समय एआई आधारित प्रतिस्पर्धा का है, ऐसे में विद्यार्थियों को तकनीकी व व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एनईपी- 2020 के तहत पाठ्यक्रमों को उद्योग की जरूरतों के अनुसार अपडेट किया गया है तथा विभिन्न प्रिंटिंग कंपनियों के साथ एमओयू के माध्यम से प्लेसमेंट के अवसर बढ़े हैं।

विशिष्ट अतिथि एवं प्रबंधन एवं वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. मोहिंदर चंद ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, जनसंचार, मल्टीमीडिया और एनीमेशन जैसे क्षेत्रों में रचनात्मकता के साथ तकनीकी दक्षता आवश्यक है। उन्होंने संगोष्ठी को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

तकनीकी सत्र में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के सहायक प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार ने 'इंकजेट फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी' विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने प्रिंटिंग इंडस्ट्री के विकास क्रम और वर्तमान में एआई के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ रचनात्मकता बनाए रखने की सलाह दी।

एक्सेल पैक इंटरनेशनल, फरीदाबाद के उद्यमी नीरज कुमार ने विद्यार्थियों को सफल उद्यमी बनने के लिए कम से कम 5-7 वर्षों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने पर जोर दिया। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग प्रेस के मैनेजर रामेश्वर सैनी ने कहा कि प्रिंटिंग इंडस्ट्री विश्व की प्रमुख इंडस्ट्री में से एक है, जिसमें रोजगार और स्वरोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर कंचन शर्मा ने किया, जबकि संगोष्ठी के समन्वयक सचिन वर्मा ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। तकनीकी सत्र का संचालन राकेश कुमार ने किया तथा क्विज प्रतियोगिता की जानकारी दी। संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अवलोकन मुख्य अतिथियों ने किया और विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना की।

इस अवसर पर संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर मधुदीप, अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. आबिद अली, डॉ. अभिनव, अमित जांगड़ा, प्रीति शर्मा, डॉ. तपेश किरण, डॉ. रोशन मस्ताना, डॉ. प्रदीप कुमार, राहुल अरोड़ा, गौरव कुमार, सुनिता, रितु, अर्पणा, मोनिका दुआ, नितिन चावला, सन्नी जांगड़ा, डॉ. सतीश राणा, जितेंद्र रोहिल्ला सहित एवं संस्थान के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेट्रो बैरिकेड्स से टकरा कर कार पलटी, बाल-बाल बचा ड्राइवर

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। सुभाष चौक के पास मंगलवार सुबह टाटा नेक्सन कार मेट्रो निर्माण स्थल के बैरिकेड्स से टकरा कर पलट गई। राहगीरों ने कार के शीशे तोड़कर कड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर को कार से बाहर निकाला। कार पलटने से ड्राइवर को गंभीर चोटें तो नहीं आई, लेकिन लोगों ने उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ट्रैफिक काफी प्रभावित हो गया और लंबा जाम लग गया। सुबह-सुबह पुलिस की ड्यूटी नहीं होने के कारण लोगों ने ही जाम को खोलने में मदद की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार चालक सामान्य गति से जा रहा था तभी बेरिकेड्स का एक हिस्सा अचानक तिरछा हो गया और कार चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार पलटकर सड़क पर जा गिरी। आस पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को कार से बाहर निकाला। कार चालक की हालत स्थिर बताई जा रही है और इस संबंध में अभी पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी गई है।

ना वोट चोरी होती है ना ईवीएम में मोरी होती है : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, (वेब वार्ता)।

हरियाणा विधानसभा में मंगलवार को राज्यसभा चुनाव के दौरान हुई क्रॉस वोटिंग को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ। विधानसभा की कार्रवाई के दौरान कांग्रेस विधायकों ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए जबरदस्त हंगामा किया।

हुड्डा सदन में खड़े होकर पूछने लगे कि जो राज्यसभा चुनाव में प्रकरण हुआ वह लोकतंत्र की एक तरीके से हत्या हुई है और लोकतंत्र के लिए यह ठीक नहीं है। इस बात पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण ने उन्हें रोकते हुए कहा कि यह मुद्दा सदन का नहीं है चुनाव की बातें या चुनाव को लेकर झगड़ा है तो बाहर खूब चर्चा करो लेकिन यह सदन का मामला नहीं है। इस पर हुड्डा नाराज हो गए और कहा कि क्या जब भी मैं आपसे बात करता हूं तो आप इधर-उधर देखने लगते हैं, यह आपकी गंभीरता बताती है और आपकी सरकार के मंत्री जब हमारे सदस्य सवाल उठा रहे थे तो उंगलियां उठा-उठाकर डांस कर रहे थे।

हुड्डा की इस बात से मंत्री कृष्ण बेदी नाराज हो गए और उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि अभी दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। वीडियो निकलवा कर देख लें, अगर मैं डांस कर रहा हूं तो मैं सदन से माफी मांगने के लिए तैयार हूं और अगर ऐसा नहीं है तो क्या हुड्डा माफी मांगेंगे। इस बीच कांग्रेसी विधायक स्पीकर की कुर्सी के सामने आ गए और हंगामा करने लगे। जिसके बाद स्पीकर ने करीब 15 मिनट के लिए सदन स्थगित कर दिया। इससे पहले बेरी के विधायक और कांग्रेस नेता डॉ. रघुवीर सिंह कादयान ने क्रॉस वोटिंग के मामले पर कहा कि जब सदन में भाजपा और कांग्रेस के 40-40 फीसदी सदस्य थे तो तीसरे प्रत्याशी को उतारने की जरूरत क्या पड़ी। हुड्डा समर्थन में खड़े हो गए और कांग्रेसी विधायक भी शोर करने लगे।

इनेलो के विधायक आदित्य देवीलाल ने कहा कि मैं सदन में चौधरी देवीलाल का चश्मा लेकर आया हूं। हुड्डा साहब इस चश्मे को पहन कर देखें कि वह काली भीड़ कौन थी। उन्होंने कहा कि कल रात जो हुआ वह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं हुआ और लोकतंत्र की हत्या हुई है।

लंच के बाद सदन में नारेबाजी करने पर कांग्रेस के 8 विधायकों को नेम किया गया है। इनमें बलराम दांगी, शकुंतला खटक, जस्सी पेड़वाढ, बलवान सिंह दौलतपुरिया, विकास सहारन, इंदुराज नरवाल, देवेंद्र हंस और मनदीप चट्ठा शामिल हैं। सभी कांग्रेस विधायक बायकॉट करके सदन के बाहर चले गए हैं।

बतौर वित्तमंत्री सीएम नायब सैनी ने बजट पर जवाब दिया। सैनी ने पहले कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि कुफरी में कांग्रेस के पसीने छूट गए। वरिष्ठ नेताओं को मालूम ही नहीं, ना वोट चोरी होती है ना ईवीएम में मोरी होती है। लोकतंत्र में यही तो खूबी होती है, जगा देता है अंतरात्मा। सीएम ने कहा कि कभी कहते हैं कि हम नशे में चूर है कभी कहते हैं कि हम डांस करते है। खुद मुद्दों की बात से कोसों दूर होते है और झूठ और इल्जाम लगाते हैं। लोकसभा में राहुल गांधी भाग रहे और यहां हुड्डा भाग रहे हैं- सिर्फ भागमभाग हो रही है।

जिला में गैस की सप्लाई सुचारू और सामान्य रूप से जारी : उपायुक्त

अफवाहों व भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें जिलावासी

भेदी नजर ब्यूरो, पलवल

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने स्पष्ट कहा कि जिला में घरेलू एलपीजी गैस की सप्लाई सुचारू और सामान्य रूप से जारी है। जिला में विभिन्न गैस एजेंसी संचालकों द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित नियमानुसार सभी एलपीजी उपभोक्ताओं के घर पर ही एलपीजी की सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है ताकि हर परिवार तक समय पर रसोई गैस पहुंचती रहे। उपभोक्ताओं को एलपीजी प्राप्त करने के लिए घबराने अथवा गैस एजेंसियों पर लाइन लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। निर्धारित समय उपरांत गैस बुकिंग होने पर गैस एजेंसी संचालकों द्वारा घर पर ही सिलेंडर की सप्लाई करवा दी जाएगी।

उपायुक्त डा. वशिष्ठ ने मंगलवार को जिला सचिवालय स्थित कार्यालय में एलपीजी गैस एजेंसी संचालकों व प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यक सेवा क्षेत्रों जैसे रेजिडेंशियल स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल, आंगनबाड़ी, मिड डे मिल कार्य आदि और अधिक जरूरतमंदों को गैस सिलेंडर अवश्य उपलब्ध करवाएं ताकि सेवाएं बाधित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने गैस उपभोक्ताओं से केवाईसी अपडेट करवाने का आह्वान करते हुए बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर बुकिंग के लिए शहरी क्षेत्र में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन की समय सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का गैस की कालाबाजारी रोकने पर पूरा फोकस है। केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को गैस की सप्लाई की जा रही है जिनके पास वैलिड आधार कार्ड अथवा कोई भी वैद्य पहचान पत्र होता है। इनके बिना किसी भी उपभोक्ता को गैस की सप्लाई नहीं की जा रही है।

'भू-मित्र' व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से 24*7 मिलेगी भूमि व राजस्व सेवाएं: डीसी

हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होंगी सेवाएं

भेदी नजर ब्यूरो, रेवाड़ी

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 'भू-मित्र' नामक व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है, जो भूमि और राजस्व से संबंधित सेवाएं लेने वाले नागरिकों को 24७7 सहायता प्रदान करेगा। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध यह चैटबॉट राज्य के हर नागरिक के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि भू-मित्र एक स्मार्ट, संवादात्मक (कन्वर्सेशन) चैटबॉट है, जिसे सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से उपयोग किया जा सकता है। यह प्लेटफॉर्म पहले से ही हरियाणा के नागरिकों के बीच व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। अब नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने या जटिल पोर्टलों का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे अपने स्मार्टफोन पर कुछ ही क्लिक के माध्यम से घर बैठे दिन के किसी भी समय आवश्यक राजस्व सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे।

डीसी ने बताया कि भू-मित्र चैटबॉट के माध्यम से नागरिक फिलहाल चार प्रमुख राजस्व सेवाओं का लाभ ले सकते हैं भूमि स्वामित्व और खेती संबंधी रिकॉर्ड के लिए जमाबंदी की प्रति, भूमि स्वामित्व में परिवर्तन से संबंधित इंतकाल (म्यूटेशन) की प्रति, संबंधित मामलों के लिए मुआवजा पंजीकरण तथा दस्तावेज पंजीकरण (डीड रजिस्ट्रेशन) से संबंधित सहायता। इसके अतिरिक्त चैटबॉट के माध्यम से डीड टोकन जनरेशन, भूमि सीमांकन के लिए आवेदन, भूमि एवं राजस्व से जुड़ी शिकायत दर्ज करना, तथा शिकायत की स्थिति की रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं भी एक सरल संवादात्मक इंटरफेस के जरिए व्हाट्सऐप पर उपलब्ध होंगी।

नागरिक व्हाट्सएप नंबर 9593300009 को सेव करके और उस पर मैसेज भेजकर भू-मित्र सेवा का उपयोग कर सकते हैं। यह चैटबॉट साल के 365 दिन, चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा।

दस करोड़ का फंड जुटाएगा स्किल इनोवेटर्स फाउंडेशन

फाउंडेशन के निदेशक मंडल की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी, भेदी नजर

पलवल। एसवीएसयू स्किल इनोवेटर्स फाउंडेशन ने एक वर्ष में सीएसआर से 10 करोड़ रुपए का फंड जुटाने का लक्ष्य रखा है। यह राशि जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई, आधुनिक लैब और कौशल विकास परियोजनाओं पर खर्च की जाएगी। पलवल जिले की 400 जरुरतमंद छात्राओं को पढ़ाई के लिए टेबलेट भी प्रदान किए जाएंगे। इस पर 30 लाख रुपए की लागत आएगी।

मंगलवार को कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित फाउंडेशन के निदेशक मंडल की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्किल इनोवेटर्स फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य गरीब बच्चों को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ना और मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ाना है। साथ ही इसके माध्यम से स्किल इकोसिस्टम को और अधिक मजबूत किया जाएगा। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले जरूरतमंद और मेधावी विद्यार्थियों की स्कॉलरशिप के दायरे को और अधिक बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय के आसपास देहात की ड्राप आउट हो चुकी छात्राओं की शिक्षा फिर से शुरू करवाने का अभियान भी चलाया जाएगा। उनकी स्कूल की फीस व अन्य खर्च फाउंडेशन वहन करेगा। बोर्ड की सदस्य एवं कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें स्किल प्रोग्राम में जोड़ने का सुझाव दिया। अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर विक्रम सिंह ने स्किल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने को दिशा में कदम उठाए जाने की बात कही।

निदेशक मंडल की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी एवं संस्थापक कुलगुरु रहे डॉ. राज नेहरू ने फाउंडेशन के माध्यम से इनोवेशन को बढ़ावा देने और मेधावी विद्यार्थियों को और आगे बढ़ाने का सुझाव दिया।

वर्दी नहीं पहनने वाले 522 चालकों के काटे 3.71 लाख के चालान

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। बिना वर्दी पहने ऑटो, ई-रिक्शा व टैक्सी चलाने वालों पर यातायात पुलिस ने शिकंजा कसते हुए उनके चालान काटे। कुल 522 वाहन चालकों के चालान काटकर उन पर 3.71 लाख रुपये जुमार्ना लगाया गया। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ई-रिक्शा और टैक्सी चालकों के खिलाफ यूनिफॉर्म न पहनकर चलने पर विशेष चालान अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा विभिन्न चौक चौराहों पर जाकर ऑटो, ई-रिक्शा, टैक्सी चालकों को जागरुक तो किया ही गया, साथ ही बिना वर्दी पहने अपने वाहनों को चलाते हुए पाए जाने पर उनके चालान भी काटे गए। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा नौ मार्च 2026 से 15 मार्च 2026 तक 522 चालान किए गए, जिन पर 3.71 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। यातायात पुलिस द्वारा ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ई-रिक्शा चालकों को जागरूकता अभियान के दौरान यात्रियों के साथ मधुर व्यवहार करने, वाहन को निर्धारित गति में चलाने, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने, किसी भी प्रकार का नशा न करने, यातायात नियमों की पालना करने के लिए भी जागरुक किया गया।

निराश्रित बच्चों को दी जा रही प्रति माह 2100 रुपये की वित्तीय सहायता : डीसी

भेदी नजर ब्यूरो, रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा 21 वर्ष तक की आयु के निराश्रित बच्चों को प्रतिमाह 2100 रुपए की वित्तीय सहायता दी प्रदान की जा रही है।

डीसी ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लंबी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 2100 रुपए प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि इस स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास निराश्रित होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

प्रेम कौर कल्याण की अस्थियां गंगा में प्रवाहित

श्रद्धांजलि देने डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला कल्याण फार्म पहुंचे

सुरेन्द्र पांचाल, भेदी नजर

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज अपनी पूजनीय दिवंगत मां प्रेम कौर कल्याण की अस्थियां को विधिवत रूप से गंगा में विसर्जित किया। उनके साथ परिवार सदस्यों ने भी माता जी को नमन किया व गंगा मां से प्रार्थना की कि वो दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने अस्थि विसर्जन के बाद गंगा मां की स्तुति की। इस मौके पर परिवार के सदस्य कर्म सिंह कल्याण, संजय कैंची, सुरेन्द्र कादियान, तुषार कल्याण, कर्ण तथा सेवा राम साथ रहे।

गौरतलब है कि विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की मां का निधन 13 मार्च देर रात हुआ था। आज सुबह फूल चुगने की रश्म के बाद अस्थि विसर्जन के लिए विधानसभा अध्यक्ष परिजनों के साथ सहित हरिद्वार पहुंचे व अस्थियों को विधिवत रूप से विसर्जन किया।

श्रद्धांजलि देने डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला कल्याण फार्म पहुंचे।

दूसरी ओर प्रेम कौर कल्याण के निधन पर आज भी कई राजनेताओं और अधिकारियों ने कल्याण फार्म पहुंच कर शोक जताया और शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को अपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति व संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। प्रेम कौर कल्याण को श्रद्धांजलि देने वालों में डिप्टी स्पीकर कमल मिड्ढा, पूर्व मंत्री शकुंतला भगवाड़िया, कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री परमवीर टोहाना, इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला, पूर्व राज्य मंत्री सत्यपाल शामिल रहे। बीती रात वरिष्ठ कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने भी कल्याण फार्म पहुंच कर प्रेम कौर के निधन पर शोक जताया था।

मॉल से साड़ियां चोरी करने के मामले में महिला गिरफ्तार

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। यहां एक मॉल से साड़ियों चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो हजार रुपये भी बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि डीएलएफ सेक्टर-29 पुलिस थाना में केस दर्ज किया गया है। प्रवक्ता के अनुसार 19 सितंबर 2025 को एक महिला ने पुलिस थाना डीएलएफ सेक्टर-29 गुरुग्राम की पुलिस को एक लिखित शिकायत दी। शिकायत में कहा गया कि 15 सितंबर 2025 को मीना बाजार शोरूम सेंट्रल मॉल गुरुग्राम से साडि़यां व सूट चोरी हो गए हैं। इस शिकायत पर पुलिस थाना डीएलएफ सेक्टर-29 में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-43 की पुलिस टीम द्वारा इस मामले में तीन महिलाओं समेत चार आरोपियों को पहले काबू किया गया था। जिनकी पहचान राजकुमार, पिंकी, लक्ष्मी व सुनीता के रूप में हुई।

पानीपत रिफाइनरी में ऑन-साइट सह ऑफ-साइट आपदा ड्रिल का आयोजन

चुघ, भेदी नजर

पानीपत। विभिन्न आपातकालीन समन्वयकों, जिला प्रशासन और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के पीटीए प्लांट में आज ऑनसाइट-सह-ऑफसाइट आपदा राहत पूर्वाभ्यास (ड्रिल) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस ड्रिल के परिदृश्य में एक्सचेंजर फ्लेंज से असेटिक ऐसिड का रिसाव को दशार्या गया। रिसाव का पता आज सुबह 10:46 बजे चला और इसे नियंत्रित करने के प्रयास किए गए। फायर अलार्म बजते ही दमकल गाड़ियाँ साइट पर पहुँची और गैस के रिसाव को रोकने के लिए श्वास यंत्र पहन कर वाटर स्प्रे हवा की दिशा में लगाए गए। घटना स्थल के पास सड़क पर सभी यातायात को रोक दिया गया और आसपास के लोगों को सतर्क करने के लिए घोषणा की गई। इस रिसाव से सुचारू रूप से नियंत्रण पाने के लिए आपसी सहायता भागीदारों को भी सहायता के लिए बुलाया गया। चारदीवारी के पास गांव से करीबन 120 लोगों को निकालकर पुनर्वास केंद्र में पहुंचाया गया।

चूंकि असेटिक ऐसिड के रिसाव को नियंत्रित करना आवश्यक था ताकि आसपास के गांव प्रभावित न हो सकें अतः सुबह 11:15 बजे लेवल-3 इमरजेंसी घोषित किया गया। एम्बुलेंस और चिकित्सा सहायता तुरंत प्रदान की गई। गाँव के लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। स्थिति के नियंत्रण में आते ही जिला प्रशासन की सहमति से सुबह 11:55 बजे इसके सामान्य होने की घोषणा की गई। पानीपत जिला प्रशासन की ओर से इस ड्रिल में कनब लाकरा, जिला राजस्व अधिकारी एवं विनीत कादियान, जिला परियोजना अधिकारी आपदा प्रबंधन में भाग लिया। इसके अलावा पानीपत जिला फायर सर्विस, एनएफएल की फायर सर्विस, पीटीपीएस की फायर सर्विस ने अपना फायर टेंडर व अधिकारियों के साथ एक-एक टीम के साथ इस अभ्यास मे भाग लिया। सिविल हॉस्पिटल जिला पानीपत द्वारा एंबुलेंस व अधिकारियों के साथ उनकी टीम ने समय पर पहुंचकर आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की।

ड्रिल के बाद सम्मेलन-कक्ष में एक डी-ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया, जहां आपातकालीन तैयारी योजना में और सुधार के लिए अवलोकनों की समीक्षा करते उन्होने जिला प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की ।

व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन : उपायुक्त

भेदी नजर ब्यूरो, पलवल

हरियाणा सरकार की ओर से जिला में व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने और आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि व्यावसायिक एलपीजी की दैनिक औसत खपत का 20 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार को आवंटित किया जाए।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार ने उपायुक्त की अध्यक्षता में एक समिति के गठन को मंजूरी दी है, जो आवश्यक श्रेणियों को एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इस समिति का उद्देश्य अस्पतालों तथा सभी शैक्षणिक संस्थानों, जिनमें छात्रावास भी शामिल हैं, को आवश्यकता अनुसार व्यावसायिक एलपीजी उपलब्ध कराना है। सरकारी निर्देशों के अनुसार कमेटी उपायुक्त की अनुमति के आधार पर आवश्यकता और प्राथमिकता के आधार पर विवाह समारोहों के लिए भी व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर आवंटित कर सकेगी। सरकार की ओर से विशेष रूप से बेटियों के विवाह को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के आदेशों के तहत सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को व्यावसायिक एलपीजी उपयोग में गैर-प्राथमिकता श्रेणी में रखा गया है।

उपायुक्त ने बताया कि जिला स्तरीय समिति में पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, जबकि जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। यह समिति जिले में उपलब्ध एलपीजी स्टॉक और आवश्यकता के अनुसार गैस आपूर्ति का निर्णय करेगी। इसके अलावा जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को निर्देश दिए गए हैं कि वे तेल विपणन कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जिले में व्यावसायिक एलपीजी की 20 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करें।

विद्यार्थियों की प्रतिभा और शोध आयुष के विकास की आधारशिला : कुलपति

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में फामाकीविजिलेंस विषय पर पेपर एवं पोस्टर प्रतियोगिता में पीजी स्कॉलर्स ने दिए सुझाव

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

थानेसर। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान पेपर प्रेजेंटेशन और पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने फामाकोविजिलेंस और आयुष औषधियों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर अपने शोध प्रस्तुत किए।

पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग की पीजी स्कॉलर्स डॉ. विपाशा ने प्रथम,रसशास्त्र एवं भैषज्यकल्पना विभाग की पीजी स्कॉलर्स डॉ. मीनल सिंगल ने द्वितीय तथा उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय की छात्रा डॉ. प्रगति नेगी तृतीय स्थान पर रही। वहीं, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की द्वितीय वर्ष की पीजी स्कालर्स डॉ. प्राजक्ता चौधरी प्रथम, काय चिकित्सा विभाग की पीजी स्कॉलर डॉ. दिव्या सरदाना दूसरे तथा संहिता एवं सिद्धांत विभाग की प्रथम वर्ष की पीजी स्कॉलर्स डॉ. मंजीता तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर डॉ. रणधीर सिंह, प्रोफेसर डॉ. रविंद्र अरोड़ा, डॉ. ममता राणा, प्रोफेसर डॉ. आशु, प्रोफेसर डॉ. सुनीति तंवर,डॉ. आशीष नांदल ने निभाई। इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां विद्यार्थियों में शोध की भावना को मजबूत करती हैं और उन्हें विषय की गहराई से समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि फामाकोविजिलेंस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे शोध और प्रस्तुतीकरण आयुष चिकित्सा पद्धति को और अधिक वैज्ञानिक, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं,कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विद्यार्थी भविष्य में भी ऐसे शोध कार्यों और अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें, ताकि आयुष चिकित्सा प्रणाली के विकास और समाज के स्वास्थ्य हित में सार्थक योगदान दिया जा सके।

रसोई में सही आदतें और समझदारी अपनाकर बचाएं गैस : डीसी

भेदी नजर ब्यूरो, पलवल

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि रसोई में थोड़ी सी समझदारी और सही आदतें अपनाकर गैस की काफी बचत की जा सकती है, जिससे एक सिलेंडर 10 से 15 दिन तक ज्यादा चल सकता है। इसके लिए सबसे पहले यह ध्यान रखना चाहिए कि हमेशा सूखे बर्तनों का ही उपयोग करें, क्योंकि गीले बर्तन को चूल्हे पर सुखाने में अतिरिक्त गैस खर्च होती है। खाना बनाते समय बर्तन को ढक कर पकाने से भाप अंदर बनी रहती है और भोजन जल्दी तैयार होता है, जिससे गैस की खपत कम होती है।

उपायुक्त ने बताया कि दाल, चावल और अन्य खाद्य पदार्थों को पकाने के लिए प्रेशर कुकर का उपयोग करना अधिक लाभकारी होता है, क्योंकि यह कम समय में खाना पकाकर लगभग 20 प्रतिशत तक गैस बचाता है। साथ ही, तेज आंच पर खाना पकाने के बजाय मध्यम या धीमी आंच का इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि तेज आंच का बड़ा हिस्सा बर्तन के किनारों से बाहर निकलकर व्यर्थ चला जाता है। बर्नर की नियमित सफाई भी बहुत जरूरी है, क्योंकि पीली या नारंगी लौ गैस की बबार्दी का संकेत होती है, जबकि नीली लौ सही दहन को दशार्ती है। इसके अलावा, दाल या चने जैसी चीजों को पहले से भिगोकर रखने से वे जल्दी पकते हैं और गैस की बचत होती है।

उपायुक्त ने बताया कि फ्रिज से निकाले गए ठंडे खाद्य पदार्थों को सीधे गैस पर रखने के बजाय पहले सामान्य तापमान पर आने देना चाहिए, ताकि उन्हें गरम करने में कम समय और गैस लगे। सही बर्तन का चुनाव भी महत्वपूर्ण है, इसलिए चौड़े और चपटे तले वाले बर्तनों का उपयोग करना चाहिए, क्योंकि वे गर्मी को बेहतर तरीके से अवशोषित करते हैं। खाना बनाने से पहले सभी आवश्यक तैयारी जैसे सब्जियां काटना और मसाले तैयार करना कर लेना चाहिए, ताकि चूल्हा बेवजह जलता न रहे।

महामहिम आठ स्थानों का दौरा करेंगी, तीन मंदिरों में दर्शन करने जाएंगी

प्रशासन के लिए बंदर बने चुनौती, वन विभाग की टीम तैनात

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के तीन दिवसीय मथुरा दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क है। राष्ट्रपति अपने दौरे के दौरान वृंदावन और गोवर्धन में आठ स्थानों का दौरा करेंगी। वह तीन मंदिरों में दर्शन करेंगी और तीन संतों के आश्रमों में भी जाएंगी। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन अस्पताल और वात्सल्य ग्राम का भी दौरा करेंगी। प्रशासनिक अमला राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों में जुटा हुआ है। जिन मार्गों से होकर राष्ट्रपति का काफिला गुजरेगा उन मार्गों को बेहद शानदार तरीके से सजाया संवारा जा रहा है।

गोवर्धन को जाने वाले मार्ग की सफाई और रंगाई पुताई देख कर स्थानीय लोग भी चौंक जाते हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डिवाइडरों की रंगाई पुताई की गई है। जगह जगह सुंदर गमले लगाये गये हैं। मंलवार को अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन आगरा, मंडलायुक्त आगरा, पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा, जिलाधिकारी मथुरा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा द्वारा राष्ट्रपति के आगामी जनपद मथुरा भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत प्रेम मंदिर, श्री राम कृष्ण मिशन अस्पताल, नीम करौली

महामहिम राष्ट्रपति के संभावित आगमन स्थलों का निरीक्षण करते प्रशासनिक अधिकारी।

बाबा आश्रम, उड़िया बाबा आश्रम, प्रेमानंद जी महाराज आश्रम, इस्कॉन मंदिर आदि का भ्रमण कर गहन निरीक्षण किया गया एवं सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान वृंदावन और गोवर्धन क्षेत्र में बड़ी संख्या में मौजूद बंदर प्रशासन के लिए चुनौती बने हुए हैं।

बंदरों के उत्पात को देखते हुए वन विभाग ने विशेष तैयारी करते हुए 30 सदस्यीय टीम की तैनाती की है और कई स्थानों पर लंगूरों के कटआउट लगाए जा रहे हैं। इन सभी स्थानों पर बंदरों से बचाव के लिए वन विभाग द्वारा विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं और वहां लंगूरों के कटआउट लगाए जाएंगे। वृंदावन में बंदरों के उत्पात को देखते हुए यह व्यवस्था की जा रही है ताकि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान कोई अप्रिय स्थिति न बने। यहां के बंदर अक्सर लोगों के चश्मे, मोबाइल और पर्स झपट लेते हैं और कई बार सामान वापस लेने के लिए लोगों को उन्हें खाने-पीने की चीजें देनी पड़ती हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने लंगूरों के कटआउट लगाने की योजना बनाई है। वन विभाग के रेंजर अतुल तिवारी ने बताया कि वन्यजीव कानून के तहत लंगूरों को पकड़कर या बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता, इसलिए बंदरों को दूर रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर लंगूरों के कटआउट लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रशिक्षित कर्मियों की भी तैनाती की जा रही है और लगभग 30 से अधिक कटआउट लगाए जाएंगे। बंदरों के अलावा सांप आदि से किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए स्नेक कैचर भी तैनात किए जा रहे हैं।

नीरज गर्ग बने टैक्स बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष

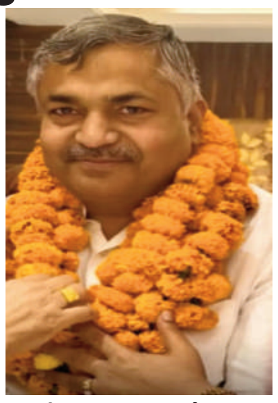

मानव, भेदी नज़र, फरह। मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के बीते दिन हीरा कुंज रेजिडेंसी में हुए चुनाव में फरह के नीरज कुमार गर्ग को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। उनके अध्यक्ष बनने पर कस्बे में खुशी की लहर दौड़ गई। अध्यक्ष बनते ही नीरज ने कहा, वह एसोसिएशन के हितों का पूरा ख्याल रखेंगे। यही नहीं जनता की सेवा में हर समय तत्पर रहना भी उनका मुख्य ध्येय रहेगा। उन्होंने कहा, यह जीत सच्चाई और ईमानदारी की जीत है और बार की अपनी जीत है। नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। महामंत्री रमाकांत भारद्वाज बने। कोषाध्यक्ष बृज मोहन चुने गए। चुनाव प्रक्रिया का नेतृत्व चुनाव अधिकारी अम्बरीष खंडेलवाल और गिरीश कुमार अग्रवाल ने किया। मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश गोस्वामी, गौरव गर्ग,संयुक्त सचिव महेश वर्मा, विदित वार्ष्णेय, ऑडिटर माधव खंडेलवाल, पुस्तकालय मंत्री कपिल सिंघल, सौरव कुमार अग्रवाल, मीडिया प्रभारी शुभम अग्रवाल, पदेन पूर्व अध्यक्ष विपिन कुमार अग्रवाल (प्रांतीय कोषाध्यक्ष, उपकास लखनऊ) कार्यकारिणी सदस्य मोतीलाल अग्रवाल,अम्बरीष खंडेलवाल,दिलीप गुप्ता,गिरीश कुमार अग्रवाल,पवन कुमार अग्रवाल, हर्षवर्धन अग्रवाल, हरे कृष्ण अग्रवाल, राजीव पराशर, अरविंद बंसल, सौरव अग्रवाल, हीरेन्द्र कुमार शर्मा आदि बने। चुनाव अधिकारी अम्बरीष खंडेलवाल, गिरीश कुमार को चुना। चुनाव प्रक्रिया के दौरान लक्ष्य अग्रवाल, एडवोकेट (पूर्व कोषाध्यक्ष), रितेश महेश्वरी, एडवोकेट (पूर्व मीडिया प्रभारी), हरीश कुमार अग्रवाल, एडवोकेट, पुनीत बंसल, एडवोकेट, अभिषेक चतुर्वेदी, एडवोकेट, आशीष गर्ग, एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालय महावन के छात्र आईआईटी मद्रास में होंगे सम्मानित

शिक्षिका के साथ छात्राएं जिन्हें किया जाएगा सम्मानित।

मानव, भेदी नज़र

महावन। ओपन मेंटर ट्रस्ट विद्या शक्ति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई टैलेंट परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परिषदीय विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय महावन के छात्रों को अब आईआईटी मद्रास का भ्रमण करने का अवसर मिलेगा और उन्हें वहां सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका ज्योति कौशिक ने बताया कि हाल ही में ओपन मेंटर ट्रस्ट विद्या शक्ति द्वारा टैलेंट परीक्षा 2025 का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन किया गया था, जिसमें तमिलनाडु, कर्नाटक, अरूणाचल प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा से जुड़े सम्पूर्ण विद्यालयों द्वारा प्रतिभाग किया गया था। इस टैलेंट परीक्षा में पूर्व माध्यमिक विद्यालय महावन की दो छात्राओं मंजू, कक्षा 7 और कृष्णा कक्षा 6 ने प्रदेश का ही नहीं बल्कि अपने विद्यालय का भी नाम रोशन किया था। इस छात्राओं को अब 13 अप्रैल 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक आईआईटी मद्रास में आयोजित होने वाली दो दिवसीय विज्ञान कार्यशाला में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा, जिससे छात्र विज्ञान और तकनीक से जुड़ी नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

सच्ची भक्ति के लिए आत्मा की शुद्धि जरूरी: गोविंदानंद

मानव, भेदी नज़र, बलदेव। कस्बा स्थित रीढ़ा में चल रही श्री मद्भागवत कथा में भागवत प्रवक्ता आचार्य मनीष गगार्चार्य ने गोवर्धन पूजा की दिव्य कथा विस्तार पूर्वक सुनाई । इस अवसर पर भगवान गिरिराज जी महाराज के समक्ष सुंदर छप्पन भोग के दर्शन कराये गये।कथा में छठवें दिन रुक्मणी विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। इस अवसर पर रमणरेती आश्रम से आए गोविंदानंद महाराज ने कहा कि भगवान की सच्ची भक्ति के लिए आत्मा की शुद्धि जरूरी है। उन्होंने बताया कि संत के पास जाने का उद्देश्य केवल आत्म कल्याण और ईश्वर प्राप्ति होना चाहिए।

एक सप्ताह और चलेगा शिक्षक की पाती अभियान

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ (एआईजेटीएफ) द्वारा टीईटी के विरोध में चल रहा शिक्षक की पाती अभियान एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। महासंघ की प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर यह समयावधि बढ़ाई गई है। पहले अभियान नौ से 15 मार्च तक नियत किया गया था लेकिन अब इसे 22 मार्च तक चलाया जाएगा। एआईजेटीएफ के सहसंयोजक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री बलवीर सिंह ने बताया कि आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्य किए जाने के विरोध में शिक्षक की पाती अभियान के तहत देश भर के प्रभावित शिक्षकों द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व मुख्य न्यायाधीश को पोस्टकार्ड व ई-मेल से विरोध दर्ज करवाया जा रहा है। शिक्षकों में इसकी काफी अच्छी प्रतिक्रया दिख रही है। हालांकि अब तक हजारों की संख्या में पोस्टकार्ड व ई-मेल भेजे जा चुके हैं, लेकिन फिर भी शिक्षकों के उत्साह को देखते हुए प्रांतीय नेतृत्व द्वारा अभियान की तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। विशिष्ट वेलफेयर शिक्षक एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रवीन्द्र चौधरी ने कहा कि इस अभियान में बड़ी संख्या में टीईटी उत्तीर्ण कर चुके शिक्षक भी पूरा सहयोग दे रहे हैं।

स्थानांतरण होने पर हुआ विदाई समारोह

विदाई समारोह में मौजूद लोग।

मानव, भेदी नज़र, बलदेव। बलदेव डाकघर में लिपिक पद पर कार्यरत कुशवीर का ट्रांसफर विसावर डाकघर में हो जाने पर उनका विदाई समारोह किया गया। इस अवसर पर कुशवीर ने कहा कि बलदेव क्षेत्र में पुनः कार्य करने का मौका मिला तो अवश्य आयेंगे।यहां के लोगों के मिले प्यार को शायद ही भूल पाऊं। इस अवसर पर नवनीत पचौरी, बृजेश यादव, सोनू भईया, देवी चरण मीना आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सीबीएसई स्कूलों में प्रवेश को लेकर अभिभावकों की भागदौड़ शुरू

मानव, भेदी नज़र

फरह। अपने लाडले के करियर को लेकर अभिभावक सजग हैं। अच्छे स्कूलों में एडमिशन को लेकर उनकी भागदौड़ शुरू हो गई है। ज्यादातर स्कूलों की पहली पसंद सीबीएसई स्कूल बने हैं। एक अभिभावक ने बताया कि सीबीएसई स्कूलों में अनुशासन और पढ़ाई दोनों बेहतर मिलते हैं। टाउनशिप स्थित बीबीआर इंटरनेशनल स्कूल में एडमिशन को लेकर मारामारी शुरू हो गई है। छात्रों को प्रवेश प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जा रहा है। विद्यालय के निदेशक ठा ओमकार सिंह बताते हैं कि विद्यालय में बारह सौ छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं। नवीन छात्रों को परीक्षा के आधार पर प्रवेश अनुमन्य हैं।

वेल एजुकेटेड फैकल्टी दिन रात एक कर स्टूडेंट्स के टेलेंट को तराशती है। वाइस प्रिंसिपल सतीश चंद शर्मा बताते हैं कि विद्यालय में इंफ्रा के अलावा सभी सुविधाएं मयस्सर हैं। हर माह टेस्ट प्रक्रिया के जरिए बच्चे की प्रोग्रेस जांच रहे हैं। स्टूडेंटस के लिए स्कूल की ओर से बेहतर ट्रांसपोर्टेशन भी है। अन्य स्कूलों में भी इस समय अभिभावकों की गतिविधियां बढ़ गई है। उनके सामने सही स्कूल का चुनाव यक्ष प्रश्न बन गया है।

वामन भगवान महोत्सव समिति ने निकाली शोभा

समिति का यात्रा सहयोगी सम्मान एवं होली मिलन समारोह भी हुआ सम्पन्न

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति द्वारा मसानी स्थित सेवा दास आश्रम में शोभा यात्रा सहयोगी सम्मान एवं होली मिलन समारोह अत्यंत भव्यता एवं श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन घनश्याम जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान वामन के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। दीप प्रज्वलन महंत जमुना दास, समिति के संस्थापक पंडित श्याम शर्मा, मुख्य संरक्षक पंडित राम गोपाल शर्मा, कार्यक्रम संयोजक संजय पिपरोनिया, कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय हरियाणा, महापौर विनोद अग्रवाल एवं

वामन भगवान महोत्सव समिति की शोभायात्रा में मौजूद लोग।

सहसंयोजक पंकज पंडित द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर आचार्य ललित गोस्वामी एवं उनके सहयोगियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्वस्तिवाचन किया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक हो उठा। तत्पश्चात विजय शर्मा ने समिति की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वर्षभर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विस्तार से विवरण दिया। संस्थापक पंडित श्याम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समिति का उद्देश्य ब्रज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित कर समाज को सनातन संस्कृति से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा निकाली जाने वाली शोभा यात्रा आज ब्रज क्षेत्र की आस्था, एकता एवं सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुकी है। मुख्य संरक्षक पंडित रामगोपाल शर्मा ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा जनसहयोग ही ऐसे आयोजनों की सफलता का आधार होता है। उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हीरालाल तेजी देवी आईटीआई में मनाया होली मिलन समारोह

हीरालाल तेजीदेवी आईटीआई में मनाया होली मिलन समारोह ।

मानव, भेदी नज़र, फरह। बरारी स्थित श्री हीरालाल तेजो देवी आईटीआई कॉलेज में बीते दिन होली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों पर आगंतुक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष श्रीमती चंद्रवती पोइया द्वारा भारत माता और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद आगंतुकों का गुलाल लगाकर और पटुका पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों के साथ कॉलेज में अध्ययनरत प्रशिक्षुओं द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिन्हें देख कर आगंतुक और अभिभावक मंत्रमुग्ध हो हो गए। हाथरस से पधारे ओजस्वी कवि नितिन द्वारा रस से ओतप्रोत काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में संघ से राम पाठक, नरेंद्र, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ चौमुंहा इकाई के हरिओम शर्मा, राजकुमार, नरेंद्र कुमार, हरनारायण सिंह, माधव चतुर्वेदी आदि रहे। फरह भाजपा से अशोक शर्मा, अजय मित्तल, जगवीर सिंह, गयाप्रसाद तरकर, पूर्व प्रधान महुअन सूरजमल, दीपक चौधरी, शैलेंद्र गौतम, नेकराम, डॉ अम्बेडकर अधिकार मंच के सदस्य जितेंद्र सिंह, सूरजपाल दरोगा, प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के गौरव यादव, अरविंद सारस्वत आदि लोग मौजूद रहे।

झूलेलाल जन्मोत्सव का आगाज गूंजे नगमें झूमे सिंधीजन

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। सिंधी जनरल पंचायत द्वारा चल रहे सिंधी उत्सव पखवाड़े के अंतर्गत स्वामी लीलाशाह की शिक्षाओं से प्रेरित होकर लाड़ी लुहाणा सिंधी पंचायत सोसायटी द्वारा लाइफ केयर ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, वहीं कृष्णा आर्चिड कॉलोनी में चेटीचंड पर्व का आगाज भी हुआ। मुख्य संयोजक चंदनलाल आडवानी और संयोजक किशोर इसरानी एवं जितेंद्र लालवानी के नेतृत्व में उन्नति लखवानी, जितेंद्र उतवानी, कृष्णा साधवानी, हरिश उतवानी, तरूण नाजवानी, विजय मंगलानी, लहर केवलानी, मयंक गंगवानी, राहुल केवलानी, परषोत्तम मेठवानी,

झूलेलाल जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में लगे रक्तदान शिविर में रक्तदान करते लोग।

राजकुमारी केवलानी, चिराग मेठवानी, तुलसीदास, चिराग दासवानी, गिरिश खत्री, अशोक डावरा, कविता भाटिया, संजय लखवानी, सीतादेवी, जितेंद्र खत्री, अजित तथा सिंधी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष तरूण लखवानी एवं भाटिया पंचायत के अध्यक्ष जितेंद्र भाटिया ने उत्साहपूर्वक रक्तदान करके पुण्य कमाया। सिंधी उत्सव के मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री ने सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि स्वामी लीलाशाह जी ने भारतीय संस्कृति के पुनरोत्थान तथा सोई हुई आध्यात्मिकता को जगाने के साथ ही मानव सेवा का संदेश दिया था।

पुलिस से भी भिड़ गये दुष्कर्म के आरोपी, लगी गोली

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। पति से नाराज होकर आत्महत्या करने के लिए यमुनापुल पर पहुंची महिला के साथ बालात्कार की घटना कारित करने वाले दो आरापितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक आरोपित मुठभेड के दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। पीडिता के पति ने दोनों आरापितों के खिलाफ थाना मांट में नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी। थाना मांट पुलिस टीम द्वारा सोमवार को रात्रि में मुखबिर की सूचना पर बलात्कार के अभियोग में वांछित राजकुमार पुत्र नन्द किशोर व दुर्गेश पुत्र रुप किशोर ग्राम वेगमपुर थाना मांट को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने 14 मार्च को यमुना नदी पेन्टून पुल के पास कच्चे रास्ते पर महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना कारित की थी। पुलिस ने अभियुक्तों को अरुआ खादर राधारानी अण्डर पास से डागोली की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते पर सुशील

घटना स्थल पर मौजूद पुलिस टीम ।

हाथरस वालों के प्लाट से गिरफ्तार किया। युक्त राजकुमार द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी जिसमें पुलिस टीम द्वारा बचाव में की गई फायरिंग से अभियुक्त राजकुमार के बाये पैर में गोली लगने से घायल हो गया। राजकुमार के कब्जे से 01 तमंचा, एक जिन्दा कारतूस व दो खोखा कारतूस बरामद किये गये हैं।

ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से सब्जी मंडी में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

मंडी में लगी आग और मौके पर मौजूद भीड।

मानव, भेदी नज़र, मथुरा। आगरा-दिल्ली हाईवे स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अस्थाई प्लेटफार्म के पास लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आधा दर्जन से अधिक फर्म की बड़ी संख्या में बोरो में रखी सब्जी इसकी चपेट में आ गईं। ये घटना दोपहर पौने चार बताई जाती है। अग्निकांड में किसानो की वो सब्जी स्वाहा हो गयी जो वह आज सुबह आढ़तियों को बेच गए थे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। वहीं थाना हाईवे पुलिस, मंडी चौकी पुलिस और मंडी सचिव भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। आग लगने से प्लेटफार्मों पर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मंडी समिति सचिव रेनू वर्मा के अनुसार प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस और संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

केनरा बैंक ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

केनरा बैंक ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ।

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मथुरा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की सभी प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के द्वारा महिलाओं के वास्तविक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को सब के सामने रखा। इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अग्रणी जिला प्रबंधक रविंद्र कुमार सिन्हा, जिला विकास प्रबंधक अभिषेक शुक्ला, केनरा बैंक से प्रबंधक रश्मि त्रिपाठी, गुरमीत कौर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

180 शिक्षिकाओं व सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया सम्मानित

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने किया आयोजन

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में महिला शिक्षक एवं सेवा निवृत्त सम्मान समारोह का शुभारंभ प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कमल कौशिक एवं पूर्व विधायक राजकुमार रावत द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसमें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 180 महिला शिक्षिकाओं, इस वर्ष सेवा निवृत्त होने वाले शिक्षकों को भी उनके दीर्घकालीन सेवाकाल, समर्पण और शिक्षा के प्रति उनके अमूल्य योगदान के लिए शाल उढाकर, प्रमाणपत्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवा निवृत्त शिक्षकभगवती प्रसाद (पूर्व माध्यमिक विद्यालय तैयापुर), कमलेश

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा सम्मानित किए गए शिक्षिकाएं एवं सेवानिवृत्त शिक्षक।

सारस्वत (पूर्व माध्यमिक विद्यालय इशापुर), सुनीता सिंह (पूर्व माध्यमिक विद्यालय लोहवन), सत्यप्रकाश (प्राथमिक विद्यालय खिरारी), राजवीर सिंह (प्राथमिक विद्यालय नगला हंसी) तथा राधा सारस्वत (पीएम श्री कारब) आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महासंघ की जिलाध्यक्ष अंजना शर्मा , कार्यकारी अध्यक्ष हेमराज सिंह तथा कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान, प्रांत शारीरिक शिक्षण प्रमुख महावीर , विभाग कार्यवाहक छैल बिहारी तथा सचिन आदि उपस्थित रहे।

महासंघ की नवगठित कार्यकारिणी में हरिओम गुप्ता को ब्लॉक अध्यक्ष, शैलेंद्र परिहार को महामंत्री, कीर्ति लवानिया को कोषाध्यक्ष, कबेंद्र सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष, प्राची अग्रवाल एवं मनमोहन गौतम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील कुमार को ब्लॉक प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी, शरद चौधरी व अभया सिंह को ब्लॉक मंत्री, अवधेश कुमार को उपाध्यक्ष, अनिल कुमार सारस्वत को मंत्री, सुरेंद्र सारस्वत को संरक्षक, शिखा मिश्रा, कन्हैया लाल, अमित कुमार व अशोक पाठक को संरक्षक, सोनिया सिंह को मंत्री, पवन गौतम व प्रमोद कुमार वर्मा व देवेंद्र सिंह को संगठन मंत्री, भगवान सिंह पचौरी व गोवर्धन दास गुप्ता को मार्गदर्शक , तथा आदित्य गर्ग को प्रचार मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सैर-सपाटा

बादलों का देश चेरापूंजी

हम उस रास्ते पर दौड रहे थे जिसकी कल्पना से भी रोमांच हो जाता था। छोटी बच्ची थी तब किताबों में पढा था सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान। वर्ष में अस्सी इंच बारिश? मैं तो अपने जन्म स्थान हरदा और इंदौर की वर्षा से हादसे में आ जाती थी। पांच-छह साल की बच्ची के पैर झट ही घुटनों तक पानी में डूब जाते थे। इंदौर की बारिश दस-दस दिन लगातार चलती थी। घर के चारों ओर नदी का सा नजारा खडा हो जाता। शुरूआती बारिश में तो भीगना, खेलना, दौडना खूब भाता लेकिन बाद में भीगते हुए स्कूल जाना बडा दुःखदाई लगता। स्कूल से आना तो अच्छा लगता, किंतु जाते समय मन ही मन मनौती करती कि खूब तेज हो जाए बारिश और छुट्टी हो जाए स्कूल की। उस समय चेरापूंजी का नाम सुनना बडा सुखद लगता जहां वर्षा थमती ही नहीं।

आज सचमुच चेरापूंजी के नोहकलिकाई झरने को देखते हुए मैं बचपन के उन दिनों में खो जाती हूं जब कल्पना में चेरापूंजी देखा करती थी। उस समय मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी चेरापूंजी पहुंच जाऊंगी। नदी भी अच्छी लगती थी, बारिश की फुहारें भी अच्छी लगती थी। अब भी लगती है, किंतु तेज वर्षा से घबराती थी।

जिंदगी की कितनी ही वर्षा ऋतुएं बीतने के बाद आज संयोग बना चेरापूंजी आने का। असल में जब हमने अपने कहानी-लेखन महाविद्यालय का शिविर शिलांग में रखना तय किया तब चेरापूंजी का कार्यक्रम नहीं था। पर्यटन के लिए शिलांग के आसपास का भ्रमण ही था। शिलांग पहुंचकर जब पता चला कि चेरापूंजी यहां से मात्र 56 किमी. है और एक दिन में जाकर आ सकते हैं तब शिविर में आए सारे सदस्य प्रसन्नता से भर चेरापूंजी देखने के लिए अति उत्सुक हो उठे।

शिलांग की ओर...

सुबह आठ बजे शिलांग से हमारा दल विकेश, अरुण, विजया, रीतू, विजय, अकेला भाई, शशि, पुष्पा, माया, हरि, प्रसिद्ध लेखक प्रबोध कुमार गोविल, गंभीर पालनी, प्रजापति चरणदास आदि एक सूमो और एक कार में रवाना हुए। प्रसन्नता से सबकी बांछें खिली थीं। जैसे कोई किला फतह करने जा रहे हों। छोटी सी बात पर भी ठहाके लग रहे थे। बिना जरूरत भी एक-दूसरे को छेड रहे थे। न जाने कहां खो गया था उम्र का अंतर। गंभीर सिंह जी की गंभीर मुद्रा से सब थोडा आतंकित होते और फिर ठहाकों में खो जाते। पिकनिक मूड में गंभीरता और गुस्सा- दोनों ही नहीं सुहाता। जी तो करता है ऐसे लोगों को यहीं कहीं रास्ते में छोड जाएं और सचमुच जब विकेश का मनोबल डिगने लगा तो हमने उन्हें राह में छोड दिया रेडियो टावर की बिल्डिंग में। वापसी में उन्हें साथ लेना ही पडा।

शिलांग से चेरापूंजी की चढाई अधिक नहीं है। हल्की चढाई, दोनों ओर पहाड। दो पहाडों के बीच की घाटियों में भरे थे अनानास के पेड और अनजानी वनस्पतियां। अनेक तरह की फर्न, सुंदर पत्तियों वाले इन पौधों को घर ले जाने का मन ललक उठा। पहाड बद्री-केदार के पहाडों जैसे ऊंचे नहीं थे। डरावने भी नहीं। इन्हीं में फूट रहे थे अनेकों झरने। दूर से उनकी पतली धाराएं दिख रही थीं। खूब थे चीड और एरोकेरिया के वृक्ष। देवदार कहीं नहीं था। इस पूर्वी हिमालय में देवदार कहीं नहीं दिखा। यह देवतरू तो बस उत्तर हिमालय की ऊंचाइयों में रहता है। मैं इसे यहां कहां ढूंढ रही थी।

चेरापूंजी की ऊंचाई 1300 मीटर है। यह घाटी कई तरह की वनस्पतियों से समृद्ध है। कई तरह की फर्न, कई स्थानीय फल, चेसनट, अनानास बहुतायत से होते हैं। यहां कुछ विशेष फूल देखने को मिले। नागफन और ढक्कन वाले फूल तो बहुत ही विशेष थे। सर्प की तरह लम्बी जिह्वा बाहर फेंकता यह फूल यहां की वनस्पतियों में विशेष आकर्षण का केंद्र है। दूसरा ढक्कन वाला फूल जिसमें जैसे ही कोई कीट घुसता है वह ऊपर से अपना ढक्कन गिरा देता है। इन फूलों के कपों में कई कीडे बन्द थे।

नोहकलिकाई झरना...

चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया झरना अपने में एक मार्मिक कथा समेटे हुए है। लिकाई नाम की एक स्त्री जब एक दिन अपने काम पर से लौटी तो उसने अपने बच्चे के लिए पति से पूछताछ की। पति ने कहा कि बच्चे को काट कर खाने के लिए पका लिया है। सुनते ही लिकाई सदमे से भर गई और झरने में कूद पडी। तभी से झरने का नाम नोहकलिकाई पडा। खटाखट कैमरे चमक उठे थे और कूदता, गिरता झरना छोटी सी फिल्मों में कैद हो रहा था।

चेरापूंजी तो सुंदर झरनों और विशिष्ट वनस्पतियों से भरा हुआ स्थान है। विश्व में सबसे अधिक बारिश के कारण पहचाना जाने वाला यह स्थान समुद्र तट से 1300 मीटर की ऊंचाई पर है। अधिक वर्षा के कारण ही अनेक झरनों नदियों और वनस्पतियों ने इसे सजाया है। यहां की खासी जाति का मुख्य व्यवसाय इन्हीं जंगलों और नदियों की उपज है। मांस, मछली और वन की उपज नटस, अनानास बांस, अन्य जडी-बूटियां इनकी जीविका हैं। ये लोग सौंदर्य प्रेमी होते हैं। कलात्मक कपडों, शालों अन्य सजावटी वस्तुओं का निर्माण करते हैं, व्यवसाय भी करते। इनके घर सुंदर बने होते हैं और उन्हें ये सजा संवारकर रखते हैं। पक्षी तितली अन्य कीट पतंग इनके सजावटी सामानों में मिल जाते हैं। अपनी धरती और रीति-रिवाजों के प्रति ये बहुत आस्थावान हैं। चेरापूंजी के पास ही यहां सबसे पुराना संस्थान रामकृष्ण मिशन चल रहा है। यहां के विद्यार्थी हिन्दी, अंग्रेजी, खासी, बंगला भाषाओं के ज्ञाता हैं। यहां शाल, स्वेटर कलात्मक वस्तुएं, जडी-बूटियों से दवा निर्माण आदि कार्य कुशलता से हो रहे हैं। यहां का पुस्तकालय ज्ञान पिपासुओं के लिए अच्छी खुराक है। पूरा संस्थान अपनी भव्यता, शांति और सफाई के लिए दर्शनीय है।

मौसमाई फाल्स और मौसमाई गुफाएं देखना बहुत ही रोमांचक हैं। प्रकृति की अपनी विशिष्ट रचना है ये गुफाएं। पत्थरों ने गुफा के अंदर कई आकार लिए हैं। कहीं हाथी, घोडा, हिरण तो कहीं किसी फूल पक्षी की आकृति तो कहीं दृष्टि बांध लेती है स्वनिर्मित मूर्तियां। कहीं सहस्त्राफन सर्प बना दिखता है तो कहीं शिवलिंग। गुफा में वैसे घुटनों तक पानी भरा होता है। नवंबर माह में यह सूखी थी, कहीं-कहीं पानी था। पत्थरों की ऊंची-नीची, चिकनी और तीखी, कहीं सकरी और कहीं चैडी आकृतियों पर चलना, चढना हमें किसी और तिलस्मी दुनिया का ज्ञान करा रहा था। यहां सरकार ने अब प्रकाश की अच्छी व्यवस्था कर दी है। यात्री यहां हमारे सिवाय कोई नहीं था।

माउलंग सीम पीक...

यह स्थान यात्रियों के लिए रहस्य रोमांच साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हजार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है। यहां सरकार ने सुंदर बाग का निर्माण कर दिया है। यात्रियों के बैठने, घूमने और देखने की सुविधा है। इसी बाग में कई तरह के फूल फर्न और कीट पतंगों से हमारी पहचान होती है। नागफन और कीडा पकड कीट खाऊ फूल हम यहां देखते हैं। कई तरह के आकार और रंगों वाली पत्तियों को हम देर तक निहारते रहते हैं। हमारे मन में उतर आता है बालक सा भोलापन जिज्ञासा। बाग में पडे झूलों पर बैठ हम गीत गा उठते हैं, खिलखिलाते हैं। फिर दौड पडते है जैसे बचपन लौट आया है जैसे।

इस पूर्वी प्रदेश में शाम जल्दी होती है। हम सब लौट पड हैं। रास्ते में दिखते हैं शिलाओं के बडे प्रतीक जो यहां के मूल निवासियों के पूर्वजों की यादगार हैं। एक शिला यहां के मुखिया की है उसके सिर पर ताज रखा है। नश्वर को अमर करने के ये रिवाज सारे विश्व में कई तरह से फैले हैं। गाऊटी, उमगोट, नदियों, मोसमाई, नोहकलिकाई और कई तरह के झरनों से घिरे चेरापूंजी के मुख्य बाजार से हम लौट रहें है। बच्चे हमें हाथ हिलाकर विदा दे रहें हैं। सबसे अधिक बारिश वाले स्थान से हम सूखे लौट आए हैं।

अपने छोटे घर को सजाने के लिए अपनाएं ये ट्रिक्स

नारी संसार

छोटे घरों के लिए ढेर सारे डेकोरेटिंग आइडियाज और स्पेस-सेविंग सॉल्यूशन मिलेंगे। हालांकि मिरर एड करने जैसे टिप्स या लाईट शेड यूज करने वाले टिप्स किसी भी कमरे को अच्छा खासा बड़ा दिखा सकते हैं। अपने घर को बेहतर बनाने के लिए प्रैक्टिकल सॉल्यूशन का होना जरूरी है। यहां हमने कुछ आइडिया शेयर किए हैं जिससे आपके छोटे घर को बेस्ट ले-आउट मिल सकता है और क्लटर फ्री भी बना रह सकता है।

हो सकता है आपका कमरा ओवरक्राउडेड दिखाई दे अगर आप फर्नीचर को ठीक तरह से सेट नहीं करें तो। नया ले-आउट प्लान करें। अपने कमरे के फर्नीचर के बड़े पीसेस को दीवार से सटा कर रखें। ऐसा करने से सेंट्रल एरिया चलने-फिरने के लिए स्पेशियस बना रहेगा। इस तरह आप आसानी से कमरे को साफ भी कर पाएंगे। अपनी चीजों को ऑर्गनाइज करने के लिए क्यूब शेल्फ बनवाएं। इन्हें आप रूम के किसी कॉर्नर पर स्टैक भी कर सकते हैं। हो सके तो अपने घर में मोबाइल स्टोरेज आयटम रखें जिससे कि इन्हें इधर-उधर शिफ्ट करने में आसानी हो।

कन्वर्टिबल फर्नीचर छोटी जगह के लिए आदर्श होता है। इसमें आराम भी किसी कीमत पर कम नहीं मिलता और स्पेस को भी मैक्जिमाइज किया जा सकता है। फोल्डिंग सोफे और बेड लाएं या किचन में फोल्डिंग टेबल इस्तेमाल करें। घर में मौजूद हर आइटम बेहद खास होना चाहिए। घर की स्पेस को जितना सिम्प्लीफाई करेंगे तो वो काम की चीजें बढ़ा पाएंगे जिनकी आपको वाकई जरूरत पड़ेगी। अगर आप अपना रूम डेकोरेट करना चाहते हैं और घर में जगह कम है तो अपने फेवरेट बुक्स और एक्सेसरीज को डेकोर की तरह यूज करें। रेग्युलर डीक्लटरिंग से घर बहुत स्पेशियस और एफिशिएंट दिखाई देगा।

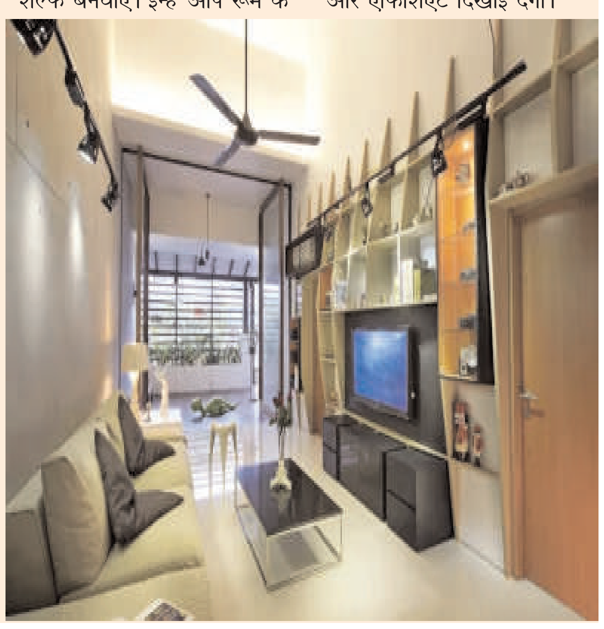

वर्कलोड के साथ भी रहें सेहतमंद

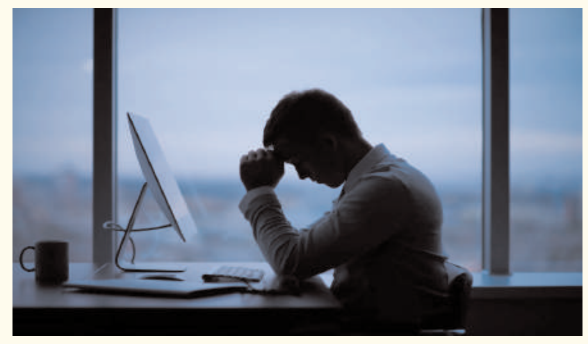

लंबे-लंबे काम के घंटे, घंटों बैठकर या खड़े रहकर काम करने की मजबूरी, काम की अधिकता, खाने का अनिश्चित समय इन सबके बीच एक सेहतमंद रह पाने की कल्पना कर पाना भी शायद मुश्किल है। लेकिन क्या आपको पता है कि छोटे-छोटे प्रयासों और बदलावों के जरिए आप वर्कलोड के साथ भी अपनी सेहत को बरकरार रख सकते हैं।

डेस्क पर काम करने वाले या नाइट ड्यूटी करने वाले लोग अक्सर यह शिकायत करते हुए मिल जाते हैं कि उन्हें अपनी फिटनेस पर ध्यान देने का वक्त नहीं मिल पाता। इन सबके बीच लोग सेहत की अनदेखी करते हैं और कई तरह की समस्याओं से घिरे रहते हैं। इस स्थिति को बदल पाना तो थोड़ा मुश्किल है लेकिन कैसा हो यदि इस स्थिति में रहते हुए भी फिट रहने के सरल रास्ते निकाल लिए जाएं।

डेस्क पर बैठे-बैठे....

कॉफी की जगह ग्रीन टीः- दफ्तर में आपने चाय या कॉफी का जो भी समय तय कर रखा है तो उस समय कैफीन के डोज का ताजगी देने वाली ग्रीन टी से रिप्लेस कर देना सेहतमंद विकल्प होगा। ग्रीन टी में ईजीसीजी नामक केमिकल होता है, जो कोल्ड की स्थिति में मददगार होता है। यह कैलोरी और कैफीन फ्री होती है इसलिए इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है और बॉडी फैट को कम करने में मदद मिलती है।

हेल्दी स्नैक्सः- भोजन करने के कुछ समय बाद स्नैक्स जैसा खाने की इच्छा हो रही हो तो नट्स या सेब जैसे हेल्दी चीजें खाएं।

छोटा-सा आईनाः- अपनी डेस्क पर एक छोटा-सा आईना रखें इससे जब भी आप डेस्क पर बैठे-बैठे कुछ अनहेल्दी खा रहे हों तो अगली बार उस पर विचार जरूर करेंगे।

फलों का कटोराः- शोधों में यह बात सामने आई है कि यदि मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति खाना खाने से पहले फलों या फूलों की खुशबू सूंघ लेते हैं तो उनकी भूख कम हो जाती है, कुछ ऐसा ही प्रयोग दफ्तर में भी किया जा सकता है। अपनी डेस्क पर सेब और केले रखें इससे कुछ मीठा या अनहेल्दी खाने की तलब कम होगी।

थोड़ा-सा प्रयास बर्न करेगा फैट....

गाड़ी पार्क करें थोड़ी दूर परः- हर काम के लिए बाइक या कार पर चलना मोटापे को बढ़ाने का काम तो करते ही हैं, यदि इसमें थोड़ी बहुत कटौती कर दी जाए तो हर दिन थोड़ी मात्रा में फैट बर्न किया जा सकता है। यूं तो दफ्तर जाने के लिए साइकल की सवारी कर सकते हैं लेकिन यह असुविधाजनक हो सकता है। इसकी बजाय कार या बाइक को अपने दफ्तर से कुछ दूर पार्किंग एरिया में पार्क करें, इससे आपको हर दिन थोड़ा पैदल चलने का मौका मिलेगा और फिटनेस बनी रहेगी। यदि दफ्तर घर से कम दूरी पर हो तो हफ्ते में एक या दो दिन पैदल ही जाएं।

सीढ़ियों से जाएंः- यदि पैदल जाना आपके लिए संभव ना हो तो ऑफिस में लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें इससे अतिरिक्त फैट बर्न कर पाएंगे।

हर 45 मिनट पर ब्रेकः- लंबे समय तक बैठे रहने से ना केवल पेट के आस-पास चर्बी जमा होने की समस्या हो जाती है बल्कि बैक से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। इससे बचने का सबसे सरल उपाय है कि हर 45 मिनट पर 15 मिनट का ब्रेक लें। यह आपके शारीरिक और मानसिक दोनों ही प्रकार की सेहत के लिए अच्छा है।

एंड्रायड और आईओएस स्मार्टफोन का डेटा बैकअप कैसे लें?

क्यार आप जानते हैं पीसी की तरह स्मार्टफोन का भी बैकअप लिया जा सकता है ताकि जरूरत पड़ने पर हम दोबारा अपना डेटा सेफ तरीके से वापस पा सकें। अपने स्माटर्टफोन का बैकअप ले लेने से आपको कई फायदे होंगे, अगर मान लीजिए आप कोई नया फोन लेने जा रहे हैं तो पुराने फोन का डेटा आसानी से नए फोन में ट्रांसफर कर सकते हैं या फिर कहीं धोखें से आपका फोन गिर जाए तो उसमें सेव डेटा तो कम से कम आपके पास रहेगा। एंड्रायड स्मा र्टफोन और आईओएस प्लेंटफार्म पर रन करने वाले स्मा र्टफोन के लिए आपको अलग-अलग तरीके अपनाने पड़ेंगे।

एंड्रायड फोन में बैकअप लेने के लिए एंड्रायड स्मार्टफोन यूजर को अपने स्मा-र्टफोन का बैकअप लेने के लिए थोड़ा लम्बौ रास्ताय अपनाना पड़ेगा। इसके लिए सबसे पहले फोन के सेटिंग ऑप्श न में जाएं। सेटिंग ऑप्श न में जाकर बैकअप मॉय डेटा पर क्लिक करें। ऑटोमेटिक रीस्टोसर ऑप्शफन में जाने से पहले आप जिस मेल आईडी पर अपने फोन का बैकअप डेटा लेना चाहते हैं उस आईडी से साइनइन कर लें।

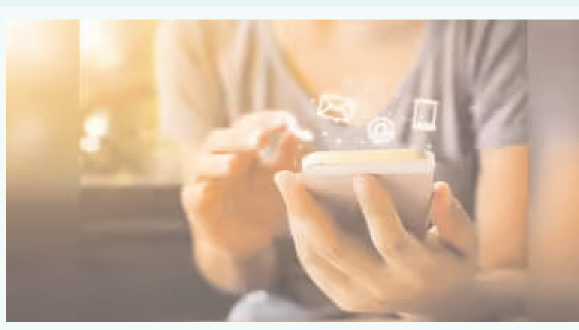

एसएमएस बैकअप

अगर आप केवल अपने स्मार्टफोन में सेव एसएमएस का बैकअप लेना चाहते हैं तो इसके लिए एसएमएस बैकअप प्लस नाम की एंड्रायड एप्लीसकेशन डाउनलोड कर सकते हैं। जिसकी मदद से आपके फोन में सेव सभी एसएमएस सेफ रहेंगे। एसएमएस बैकअप प्लस एप्लीईकेशन गूगल प्ले से फ्री में डाउनलोड की जा सकती है।

आईक्लायउड

आईक्लायउड एप्पएल बेस्टप स्टोरेज सिस्टूम हैं, जिसकी मदद से आप अपने आईफोन का बैकअप सेव कर सकते हैं। आईक्लाउड में बैकअप सेव करने के लिए आपके पास वाईफाई कनेक्शनन होना चाहिए। आईफोन में बैकअप लेने के लिए सबसे पहले सेटिंग ऑप्शन में जाएं और आईक्लाउड एंड बैकअप ऑप्श न सलेक्टफ करें। इसके लिए फोन की स्क्रीयन में दिए गए स्विशच को ऑन कर दें।

आईक्लायउड स्टेएप 2

आईक्लायउड का स्विंच ऑन करने के बाद आपके आईफोन की स्क्रीकन में नीचे की तरफ स्टो रज एंड बैकअप का ऑप्शलन होगा जिसमें मैनेज स्टो रेज ऑप्श न पर क्लिक करें।

आईक्लायउड स्टेएप 3

तीसरे ऑप्शनन में आप जिन चीजों का बैकअप लेना चाहते हैं उन्हेंक सलेक्टह कर सकते हैं। जैसे अगर आप फोन में पहले से इंस्टॉएल एप्लौकेशन का बैकअप नहीं लेना चाहते तो उन्हेंह न सलेक्टे करें। इसके अलावा आईक्लाडउड में आप बाद में डेटा को डिलीट भी कर सकते हैं।

जी क्लानउड बैकअप जी क्लाशउड बैकअप एप की मदद से आप न सिर्फ आपने फोन को बैकअप ले सकते हैं बल्कि उन्हेंम मैनेज भी कर सकते हैं। बैकअप के दौरान आपके फोन में सेव कॉल लॉग, सिस्टपम सेटिंग, एसएमएस, कैलेंडर सभी कुछ क्लानउड में सेव कर देता है जिसे आप कभी भी रीस्टोर कर सकते हैं।

बालपन

...ताकि बनी रहे शिशुओं की सेहत

स्तनपान करा रही मांओं की हमेशा से ही यह चिंता होती है कि शिशुओं को किस उम्र तक स्तनपान कराना उचित रहता है और उसे छुड़ाने का सही समय कौन-सा होता है? उसे किस प्रकार ठोस आहार देना शुरू करना चाहिए और इसके साथ स्तनपान कराते रहना चाहिए या नहीं?

शिशुओं के ब्रेस्टफीडिंग के पैटर्न में हो रहे बदलाव को करीब से देखने पर इस बात का पता लगाया जा सकता है कि उसे कब स्तनपान कराना चाहिए?

विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों को छह महीने की उम्र तक सिर्फ स्तनपान कराना चाहिए और जब तक वह एक साल का नहीं हो जाता, उसे स्तनपान के साथ ठोस आहार भी देना चाहिए, लेकिन उसे कब से मां का दूध देना बंद करना चाहिए यह हरेक बच्चे की स्थिति को देखकर निर्णय लिया जा सकता है।

कैसे जानें कि शिशु तैयार है...

शिशु के छह महीने का हो जाने के बाद आप उसके ब्रेस्टफीडिंग के रूटीन में परिवर्तन पाएंगी। यह कई बार मांओं के लिए इस बात का संकेत होता है कि शिशु को अब ठोस आहार की शुरूआत कर देनी चाहिए।

कई बच्चे एक साल की उम्र का हो जाने पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं और इन्फेंट कप से जूस या सूप पीना शुरू कर देते हैं। यदि शिशु थोड़ा बड़ा हो जाए और शांत होकर ब्रेस्टफीड करने में दिलचस्पी ना ले रहा हो तो यह स्तनपान बंद कराने का सही समय हो सकता है।

ये हो सकते हैं संकेत...

- स्तनपान का समय कम हो जाता है।
- इस दौरान आसानी से शिशु का ध्यान भटकने लगे।
- स्तनपान करने की बजाय खेलना शुरू कर दे।
- शिशु स्तनपान में अधिक दिलचस्पी ना ले रहा हो।

धीरे-धीरे बढ़ाएं कदम...

शिशु को एकदम से स्तनपान बंद कराना मां और शिशु दोनों पर प्रभाव डालेगा। इससे मांओं को ब्रेस्ट इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है और अचानक इस बदलाव से बच्चा चिड़चिड़ा भी हो सकता है। यह याद रखें कि स्तनपान शिशुओं के आराम के साथ उनके पोषण से जुड़ा है तो इसे छुड़ाने में जल्दबाजी नुकसानदायक हो सकती है। बच्चे की जरूरतों का पूरा ध्यान रखते हुए स्तनपान कराएं। बच्चे से बॉन्डिंग के लिए अलग तरीके ढूंढे जैसे उसे कहानियां सुनाएं, उसके साथ खेलें या उससे बातें करते हुए वॉक पर ले जाएं। इस बात का ध्यान रखें कि इस प्रक्रिया का भावनात्मक प्रभाव दोनों पर पड़ सकता है और इस बदलाव पर मिश्रित भावनाएं सामान्य बात है।

कुछ दिनों का वक्त दें...

स्तनपान बंद कराने के कुछ दिनों बाद या कुछ हफ्तों तक शुरूआती बदलावों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश करें। एकदम से स्तनपान बंद कराने की बजाय धीरे-धीरे इस प्रक्रिया की ओर बढ़ें, यदि आपको असहजता महसूस हो तो दिन में एक बार स्तनपान करा सकती हैं। इस रूटीन को लगातार फॉलो करते रहने से प्राकृतिक रूप से दूध का बनना कम होने लगता है। यदि एक बार स्तनपान की अवधि कम हो गई तो इसे लगातार कम करते हुए बंद किया जा सकता है। कई मांएं स्तनपान बंद कराने से पहले काफी समय तक केवल बच्चे को सुलाते समय ही स्तनपान कराती हैं।

कविता

जो रिश्तों पर भारी है

श्या मल सुमन

अपना मतलब अपनी
खुशियां पाने की तैयारी है
वजन बढ़ा मतलब का इतना
जो रिश्तों पर भारी है
मातु पिता संग इक आंगन में
भाई बहन का प्यार मिला
इक दूजे का सुख दुख
अपना प्यारा सा संसार मिला
मतलब के कारण ही यारों
बना स्वजन व्यापारी है,
वजन बढ़ा मतलब का
भीतर से इन्सान वो जैसा
क्या बाहर से दिखता है
हालत ये कि सन्तानों संग
जिस्म यहां पर बिकता है
अपना मतलब पूरा कर लें
इसी की मारामारी है,
वजन बढ़ा मतलब का
जीवन मूल्य बचाना होगा
मुल्क बचाने की खातिर
पथ के कांटे चुनने होंगे
सुमन सजाने की खातिर
उस मतलब से क्या मतलब
जो घर घर की बीमारी है,
वजन बढ़ा मतलब का।।

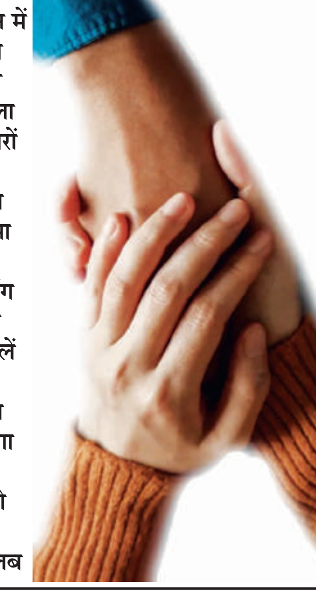

केंद्र सरकार ने गेहूं और धान की सरकारी खरीद पर आढ़तियों का कमीशन बढ़ाया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र से जुड़े एक ऐतिहासिक फैसले में आढ़तियों (कमीशन एजेंटों) और सहकारी समितियों के लाभांश में बड़ी वृद्धि को मंजूरी दे दी है। उपभोक्ता मामले और खाद्य मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नई दरें रबी विपणन सत्र 2026-27 से प्रभावी होंगी। इस संशोधन के बाद पंजाब और हरियाणा के आढ़तियों को गेहूं खरीद पर अब 46 रुपये के बजाय 50.75 रुपये प्रति क्विंटल का कमीशन मिलेगा। वहीं, राजस्थान में इसे बढ़ाकर 45.67 रुपये कर दिया गया है। धान की खरीद पर भी कमीशन को 45.88 रुपये से बढ़ाकर 50.61 रुपये प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने केवल आढ़तियों ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाली सहकारी समितियों के कमीशन में भी इजाफा किया है।

अब समितियों को गेहूं पर 29.79 रुपये और धान पर 35.30 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ मिलेगा। हालांकि, आधुनिक भंडारण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने स्पष्ट किया है कि आधुनिक साइलो के माध्यम से होने वाली खरीद पर मंडी दर का केवल 50 प्रतिशत कमीशन ही देय होगा। यह कदम भंडारण बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और खरीद प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है ताकि अनाज की बबार्दी को रोका जा सके। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब रबी फसलों की कटाई का सीजन शुरू हो चुका है और मंडियों में आवक बढ़ने वाली है। आढ़ती और समितियां किसानों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती हैं, जो सफाई, तुलाई और लोडिंग जैसी सेवाओं का प्रबंधन करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कमीशन बढ़ने से खरीद एजेंसियों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी, जिससे सरकारी केंद्रों पर किसानों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस फैसले से विशेष रूप से उन राज्यों को बड़ी राहत मिली है जहाँ आढ़ती प्रणाली अनाज खरीद का मुख्य आधार है।

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित निर्यातकों के लिए राहत की मांग

व्यापार मंडल ने आरबीआई को लिखा पत्र

कोलकाता, (वेब वार्ता)।

भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक लॉजिस्टिक्स एवं शिपिंग मार्गों में व्यवधान से प्रभावित निर्यातकों के लिए सहायक बैंकिंग उपायों की मांग की है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा को सोमवार को लिखे पत्र में मंडल ने कहा कि पश्चिम एशिया न केवल भारतीय निर्यात का एक प्रमुख गंतव्य है, बल्कि यूरोप व अफ्रीका जाने वाले माल के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रांस-शिपमेंट (माल आवाजाही) केंद्र भी है।

पत्र में कहा गया मौजूदा स्थिति के कारण जहाजों के मार्ग बदल रहे हैं, बंदरगाहों पर भीड़ बढ़ रही है, माल भाड़ा एवं बीमा लागत बढ़ गई है तथा परिवहन अवधि लंबी हो गई है जिससे निर्यातकों की कार्यशील पूंजी तथा नकदी स्थिति पर दबाव पड़ा है। बीसीसी ने आरबीआई से आग्रह किया कि वह बैंकों को कार्यशील पूंजी सीमा बढ़ाकर, तदर्थ ऋण सुविधाएं प्रदान करके और शिपमेंट से पहले व बाद में निर्यात ऋण की अवधि बढ़ाकर एक सहायक ऋण दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करे। इसके अलावा, पैकिंग क्रेडिट के नवीनीकरण में अधिक लचीलापन और निर्यात बिल की देय तिथियों को बढ़ाने की भी मांग की गई है।

मंडल ने यह भी अनुरोध किया कि ऋण अदायगी पर स्थगन अवधि को 2026 की पहली और दूसरी तिमाही तक बढ़ाया जाए, ताकि लॉजिस्टिक्स व्यवधान झेल रहे निर्यात क्षेत्रों को राहत मिल सके। साथ ही, यह भी कहा गया कि शिपिंग में देरी के कारण होने वाली भुगतान देरी पर निर्यातकों को दंडात्मक ब्याज से बचाने और ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) के लाभों की सुरक्षा के लिए नियामकीय राहत दी जाए।

बीसीसी ने परिवहन अवधि के नियमों पर मांग की कि उधार अवधि वाले निर्यात बिल के लिए अनुमत समय को सामान्य परिवहन अवधि 25 दिन से बढ़ाकर 60 दिन किया जाए विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए समानता सुनिश्चित करने हेतु। अनिश्चित शिपमेंट समयसीमा के बीच निर्यात वित्तपोषण को सुचारु बनाए रखने के लिए बिल डिस्काउंटिंग सुविधाओं में अधिक स्पष्टता और मजबूती लाने की भी मांग की गई। भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) के अध्यक्ष के नरेश पचीसिया ने कहा कि नाशवंत (जल्द खराब होने वाले) और मौसमी फैशन उत्पादों से जुड़े निर्यातक विशेष रूप से प्रभावित हैं, क्योंकि शिपमेंट में देरी होने पर मौसमी मांग का समय निकल जाने से माल का मूल्य घट सकता है।

कार्स्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना करेगी देश को क्षेत्रीय केंद्र बनाने की योजना

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कार्स्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी का कहना है कि मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बाद वह भारत को क्षेत्रीय सेवाओं के केंद्र (हब) के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है। कार्स्पर्स्की के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक एड्रियन हिया ने बताया कि कंपनी भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन को स्थापित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय एवं क्षेत्रीय ग्राहकों को सेवाएं दी जा सकें।

उन्होंने कहा कि 2024 में मजबूत दो अंकों की वृद्धि के बाद 2025 के वित्त परिणाम (जो अप्रैल में जारी होंगे) और भी बेहतर रहने की उम्मीद है। हिया ने कहा, हम न केवल कर्मचारियों एवं कार्यालयों में निवेश बढ़ाएंगे बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साइबर खतरों को लेकर हिया ने आगाह किया कि 2026 में साइबर हमले और बढ़ सकते हैं। 2025 में भारत में कंपनी ने 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका था।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण की आसान उपलब्धता के कारण डीपफेक जैसे खतरे तेजी से बढ़ रहे हैं और अब एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग करना जरूरी हो गया है। हिया ने भारतीय सरकार की डेटा वर्गीकरण (टियरिंग) रणनीति की सराहना की, हालांकि यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर विकसित बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) के साथ साइबर सुरक्षा की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

दस प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली कंपनियों को सीधे निवेश की मंजूरी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने सोमवार को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में बदलाव की अधिसूचना जारी कर दी जिसके तहत 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भारत में स्वचालित मार्ग से निवेश की अनुमति दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, इस तरह के निवेश संबंधित क्षेत्रों की एफडीआई सीमा एवं शर्तों के अधीन होंगे। हालांकि, यह छूट चीन या हांगकांग में पंजीकृत कंपनियों या भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों की कंपनियों पर लागू नहीं होगी। पहले, इन सीमावर्ती देशों के किसी भी शेयरधारक का एक भी शेयर होने पर विदेशी कंपनियों को भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार से अनिवार्य मंजूरी लेनी पड़ती थी। अधिसूचना के मुताबिक, भारत में निवेश करने वाली इकाई के लाभकारी स्वामित्व का मतलब उस निवेशक इकाई का वास्तविक स्वामी होगा, जो ऐसे देश में पंजीकृत या स्थापित हो जो भारत से भूमि सीमा साझा नहीं करता है।

लाभकारी स्वामित्व की परिभाषा धनशोधन निवारक अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के अनुरूप होगी। पीएमएलए नियमों के मुताबिक, नियंत्रणकारी स्वामित्व का मतलब किसी कंपनी के शेयर, पूंजी या मुनाफे में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होना है। एफडीआई संबंधी नियमों में इस बदलाव का फैसला केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह किया था। सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए 17 अप्रैल, 2020 को एफडीआई नीति में संशोधन कर प्रेस नोट-3 (2020) जारी किया था। प्रेस नोट-3 के तहत भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले देशों की कंपनियों या ऐसे निवेशकों को भारत में निवेश के पहले सरकार से मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया गया था। भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमा और अफगानिस्तान शामिल हैं। इस नियम से वैश्विक निजी इक्विटी (पीई) और उद्यम पूंजी (वीसी) कोषों समेत कई निवेशकों पर असर पड़ा था। खासकर चीन या हांगकांग के निवेशकों की अल्पांश हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों पर इस संशोधन का अधिक असर देखा गया था। नवीनतम अधिसूचना के मुताबिक, यदि किसी निवेशक इकाई में इन देशों के नागरिक या इकाइयों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हिस्सेदारी है और उसे सरकारी मंजूरी की जरूरत नहीं है, तो ऐसे निवेशों को डीपीआईआईटी द्वारा निर्धारित मानक प्रक्रिया के तहत रिपोर्ट करना होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल, 2000 से दिसंबर, 2025 के दौरान भारत में कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह में चीन की हिस्सेदारी सिर्फ 0.32 प्रतिशत रही है।

नये हालात में अमेरिका से परस्पर लाभकारी समझौते की बातचीत जारी: वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

सरकार ने सोमवार को कहा कि अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन के जवाबी आयात शुल्कों को निरस्त करने के वहां के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद उत्पन्न स्थित में भारत पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के हवाले से कहा है कि गत 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प सरकार द्वारा भारत सहित विभिन्न देशों के खिलाफ लगाये गये जवाबी शुल्कों जिस तरह अमान्य घोषित किया है उससे भारत पर ये शुल्क अब प्रभाव में नहीं हैं। इस बीच अमेरिकी प्रशासन ने व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 122 के तहत सभी देशों से आने वाले कुछ उत्पादों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने के लिए अधिशासी आदेश जारी किए हैं।

इसी सदर्भ में वाणिज्य सचिव के हवाले से कहा गया है, भारत, दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है।

श्री अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट के 20 फरवरी के फैसले से पहले भारत और अमेरिका के बीच दो फरवरी को घोषित अंतरिम द्विपक्षीय व्यापारिक समझौते का हवाला देते हुए कहा है कि इस समझौते के लिए सात फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी किया गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा $383 बिलियन पहुंच सकता है व्यापार घाटा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक तेल बाजार और भारत के व्यापार संतुलन पर पड़ना शुरू हो गया है। बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 में कच्चे तेल की कीमतें औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 66 डॉलर के औसत से काफी अधिक है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्गों में तनाव के कारण दुनिया के 20 प्रतिशत ऊर्जा व्यापार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी भारत के चालू खाता घाटा (उअऊ) को लगभग 12 अरब डॉलर तक बढ़ा देती है। मध्य पूर्व के संकट ने भारत

के वस्तु व्यापार घाटे के अनुमान को $363 अरब से बढ़ाकर $383 अरब डॉलर कर दिया है। भारत के कुल वस्तु निर्यात का 15% हिस्सा इसी क्षेत्र से जुड़ा है, जो युद्ध की स्थिति में सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजे जाने वाले धन (रेमिटेंस) का 38% हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। यदि तनाव और लंबा खिंचता है, तो प्रवासियों की कमाई और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर इसका गहरा नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को 2,471 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) को करीब 2,471 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी बयान के अनुसार, इन ठेकों में देश में एक भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना भी शामिल है जिसे संयुक्त उद्यम/संघ के माध्यम से हासिल किया गया है। इसके अलावा कंपनी को विद्युत पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) क्षेत्र में देश एवं विदेश दोनों बाजारों से परियोजनाएं मिली हैं। साथ ही भारत में भवन व कारखाना (बीएंडएफ) क्षेत्र में भी ठेके मिले हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष मोहनोत ने कहा, इन ठकों से हमारी ऑर्डर बुक और मजबूत हुई है जो विद्युत पारेषण एवं वितरण, शहरी अवसंरचना और भवन व कारखाना व्यवसाय में तेजी को दशार्ती है।

मेकमाईट्रिप की भारत में अपने कारोबार को सूचीबद्ध कराने की योजना

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप भारत में अपने कारोबार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराने पर विचार कर रही है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि कारोबार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराने का उद्देश्य कंपनी के ब्रांड को देश में और मजबूत बनाना, भारत में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखना और लंबे समय तक वृद्धि को बढ़ावा देना है। मेकमाईट्रिप ने कहा कि उसने अपने भारत में सभी प्रमुख ब्रांड को एक ही कंपनी में जोड़ने का आंतरिक पुनर्गठन पूरा कर लिया है। इस बदलाव के तहत रेडबस इंडिया का विलय मेकमाईट्रिप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कर दिया गया है। मेकमाईट्रिप ने कहा, दीर्घकालिक वृद्धि के लक्ष्यों के तहत कंपनी भारत में अपने कारोबार मेकमाईट्रिप इंडिया को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही है।

इलेक्ट्रिक वाहन ओ अल्फा का विनिर्माण राजस्थान के टपूकड़ा संयंत्र में होगा

जयपुर, (वेब वार्ता)।

होंडा कार्स इंडिया अपने आगामी इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल ओ अल्फा का विनिर्माण राजस्थान के अलवर जिले स्थित टपूकड़ा संयंत्र में करेगी। इसके लिए कंपनी लगभग 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

कंपनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की और परियोजना का अनावरण किया। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह परियोजना राजस्थान की निवेश नीतियों में बढ़ते वैश्विक विश्वास और वाहन विनिर्माण केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती क्षमता को दशार्ती है। कंपनी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल का विनिर्माण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेक इन इंडिया पहल के तहत घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने की

दृष्टि को भी समर्थन देगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना राज्य में निवेश, नवाचार और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि सितंबर, 2024 में जापान यात्रा के दौरान, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से पहले उन्होंने होंडा नेतृत्व को राज्य में निवेश बढ़ाने और राजस्थान को ईवी विनिर्माण का आधार बनाने का आमंत्रण दिया था। कंपनी अधिकारियों ने बताया कि आगामी ओ अल्फा इलेक्ट्रिक एसयूवी होंडा की घरेलू और निर्यात बाजारों की रणनीति का हिस्सा होगी।

ग्रामीण आजीविका को गति देंगी इलेक्ट्रिक साइकिलें

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका को मजबूत बनाने और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक साइकिलों के उपयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की सहायक कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के सहयोग से आयोजित किया।

कार्यशाला का विषय इलेक्ट्रिक साइकिलें ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाती हैं रहा। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि किफायती, सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन ग्रामीण

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने मंत्रालयों, राज्यों, उद्योग और विकास भागीदारों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि इलेक्ट्रिक माइक्रोमोबिलिटी समाधानों को बड़े स्तर पर लागू किया जा सके। इस अवसर पर सामाजिक और परिवर्तनकारी ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण (एसटीआरईई) प्रभाव आकलन रिपोर्ट भी जारी की गई। साथ ही पायलट राज्यों की स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को इलेक्ट्रिक माइक्रोमोबिलिटी को बढ़ावा देने में योगदान के लिए ऊर्जा चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रिक साइकिलें ग्रामीण उद्यमियों के लिए सतत और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का प्रभावी विकल्प बन सकती हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार भी आज बढ़त के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारों ने लिवाली का जोर दिखाया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,699.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 268.82 अंक यानी 1.22 प्रतिशत उछल कर 22,374.18 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,893.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,317.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,935.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.72 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,564.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया के बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,083.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अदालत ने एमएससीबी घोटाले में मामला बंद करने की रिपोर्ट स्वीकार की

मुंबई, (वेब वार्ता)।

महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) में हुए 25,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले में स्थानीय अदालत ने पुलिस की मामला बंद करने की रिपोर्ट (क्लोजर रिपोर्ट) स्वीकार करते हुए महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार और अन्य को क्लीन चिट दे दी है।

अदालत ने कहा कि आरोपी किसी भी तरह की गैरकानूनी या धोखाधड़ी की योजना का हिस्सा नहीं थे। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि केवल नियमों या प्रक्रियाओं में कुछ कमी को अपराध नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि बैंक के निदेशकों के बीच किसी गैरकानूनी काम करने की कोई योजना नहीं थी और किसी ने सरकारी पैसे का निजी लाभ के लिए दुरुपयोग नहीं किया। किसी दस्तावेज को नकली साबित नहीं किया जा सका। अदालत ने आगे कहा, कोई भी बेईमानी, धोखाधड़ी

या सरकारी संपत्ति का अपने निजी उपयोग के लिए गबन नहीं हुआ है। ऐसा कोई दस्तावेज भी नहीं है जिसे फर्जी कहा जा सके।

अदालत ने कहा कि लगभग 850 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है और बाकी राशि की वसूली की प्रक्रिया अभी जारी है। सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों के विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने 27 फरवरी को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा प्रस्तुत सी-समरी रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। सी-समरी रिपोर्ट तब पुलिस द्वारा दाखिल की जाती है जब किसी शिकायत को न सही और न ही गलत पाया जाता है।

भारत मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभरा है : नैसकॉम अध्यक्ष

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं एवं खंडित आपूर्ति शृंखलाओं के कारण वैश्विक कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे तथा मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं जिससे भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है।

नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026 में नांबियार ने कहा कि निर्यात पर काफी हद तक निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों एवं कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीके को मूल रूप से बदल दिया है। उन्होंने कहा, पहले सभी केवल लागत एवं

दक्षता को ही प्राथमिकता देते थे अब वह दौर खत्म हो चुका है। दक्षता महत्वपूर्ण है लेकिन यह निर्णायक कारक नहीं है। मजबूती अब कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इन सभी प्राथमिकताओं के बीच भारत एक उपयुक्त स्थिति में है जो इसे कारोबार के लिए एक बेहद सक्षम देश बनाता है।

नांबियार ने कहा कि दुनिया भर के देश और कंपनियां अब यह मूल प्रश्न पूछ रही हैं कि उनका भरोसेमंद साझेदार कौन होगा और किस देश के साथ वे दीर्घकालिक साझेदारी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक विश्वसनीय लोकतंत्र होने के साथ-साथ अपने विशाल आकार और विविध जनसंख्या के कारण नवाचार के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला भी है। भारत की ताकत का एक प्रमुख आधार उसका डिजिटल प्रतिभा भंडार है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और व्यापक उद्योग में अतिरिक्त 30-40 लाख लोग शामिल हैं। यह परिवेश अब कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रहा है।

नांबियार ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) की वैश्विक संभावनाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने आधार एवं यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) जैसे मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके मूल सिद्धांत जैसे उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता एवं परस्पर संचालन..दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं। उन्होंने कहा, एआई के साथ मिलकर डीपीआई एक बड़ी शक्ति बन सकता है।

बैडमिंटन में भारत का परचम लहराने वाली महिला चैंपियन

ओलंपिक पदक जीत बनीं करोड़ों की प्रेरणा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी साइना नेहवाल आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। अपने शानदार खेल और ऐतिहासिक उपलब्धियों के दम पर उन्होंने बैडमिंटन की दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया है। साइना उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय बैडमिंटन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई।

साइना नेहवाल का जन्म 17 मार्च 1990 को हरियाणा के हिसार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें खेलों में रुचि थी और उन्होंने कम उम्र में ही बैडमिंटन को अपना करियर बनाने का फैसला कर लिया था। कड़ी मेहनत और लगातार अभ्यास की बदौलत साइना ने जल्दी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली। धीरे-धीरे वह भारतीय बैडमिंटन की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल हो गईं और देश को कई बड़े टूर्नामेंट में यादगार जीत दिलाई।

साइना नेहवाल ने साल 2012 के लंदन ओलंपिक में इतिहास रचते हुए भारत को बैडमिंटन में पहला ओलंपिक मेडल दिलाया। उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पूरे देश को गर्व महसूस कराया।

यह उपलब्धि इसलिए भी खास थी क्योंकि इससे पहले किसी भी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने ओलंपिक में पदक नहीं जीता था। साइना की इस जीत ने भारत में बैडमिंटन को नई लोकप्रियता दिलाई और युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर आकर्षित किया। साल 2009 में साइना ने एक और बड़ा कारनामा किया था। उन्होंने इंडोनेशिया ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका: टी20 सीरीज से बाहर हुए जॉर्डन हरमन

हैमिल्टन, (वेब वार्ता)। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। हरमन हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे हैं, जिसके चलते अब वह बचे हुए 4 टी20 मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। रविवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में ही जॉर्डन हरमन ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था। इस मुकाबले में फील्डिंग करते हुए हरमन चोटिल हो गए थे और मुकाबले में आगे हिस्सा ले सके थे। हरमन के स्कैन में ग्रेड टू टियर की पुष्टि हुई है।

जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के बाकी मैच से दाईं हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर हो गए हैं।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईपीएल 2026 की मेजबानी के लिए मिली हरी झंडी

बेंगलुरु, (वेब वार्ता)।

कर्नाटक सरकार ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आगामी आईपीएल मैचों के आयोजन की औपचारिक अनुमति दे दी है।

पिछले साल आरसीबी के खिताबी जश्न के दौरान हुई दुखद भगदड़ की घटना के बाद से यहां मैचों की मेजबानी को लेकर संशय बना हुआ था। गृह मंत्री जी. परमेश्वर की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति ने स्टेडियम की सुरक्षा तैयारियों और नए सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने के बाद यह क्लीन चिट दी है, जिससे बेंगलुरु के क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह है। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है, जिसमें मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेगी। आरसीबी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि टीम अपने सात घरेलू मैचों में से पांच मैच बेंगलुरु में खेलेगी, जबकि दो मैचों की मेजबानी रायपुर को सौंपी गई है।

केएससीए के प्रवक्ता विनय मृत्युंजय के अनुसार, विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू कर दिया गया है ताकि दर्शकों को एक सुरक्षित और विश्व स्तरीय अनुभव मिल सके।

28 मार्च को होने वाले इस हाई-वोल्टेज उद्घाटन मैच के लिए स्टेडियम में विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। जारी किए गए पहले फेज के कार्यक्रम के अनुसार, बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम 28 मार्च और 5 अप्रैल को बड़े मैचों की मेजबानी करेगा।

आईपीएल 2026 के लिए डिजिटल हुई गुजरात टाइटन्स

अहमदाबाद, (वेब वार्ता)।

प्रशंसकों को सबसे पहले रखते हुए और टिकट उनकी उंगलियों पर उपलब्ध कराते हुए, गुजरात टाइटन्स ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के सभी घरेलू मैचों के लिए एक डिजिटल टिकटिंग मॉडल पेश किया है। टिकटों की बिक्री अब विशेष रूप से बुक माई शो (जो फ्रेंचाइजी का आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर है) और टाइटंस एफएएम ऐप पर शुरू हो गई है।

यह कदम, जो परिचालन की दूरदर्शिता और प्रशंसकों के बदलते व्यवहार को दर्शाता है, सुरक्षित क्यूआर-आधारित एम -टिकट्स पेश करके फिजिकल टिकटों की आवश्यकता को कम करेगा; ये टिकट सीधे प्रशंसकों के स्मार्टफोन पर भेजे जाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में, जहाँ अक्सर दर्शकों की संख्या लाखों में पहुँच जाती है, इस बदलाव से दर्शकों के लिए एक अधिक सुगम और कुशल अनुभव सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

केवल 1,000 रुपये से शुरू होकर, सामान्य स्टैंड के टिकटों की कीमतें 3,000 रुपये तक हैं। जो प्रशंसक मैच के दिन अधिक प्रीमियम अनुभव चाहते हैं, उनके लिए प्रेसिडेंट गैलरी की सीटों की कीमत 10,000 से 12,000 रुपये के बीच है, जबकि प्रीमियम सूट्स और प्रेसिडेंशियल सूट्स क्रमशः 18,000 और 25,000 रुपये में उपलब्ध हैं।

सुनील गावस्कर ने सनराइजर्स को किया सावधान

पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने पर दिया ये बड़ा बयान

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

आईपीएल 2026 से पहले नया विवाद सामने आया है। पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड में सनराइजर्स टीम ने साइन किया, जिसके बाद बहस तेज हो गई है।

आईपीएल 2026 की शुरूआत से पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद की फ्रैंचाइजी एक नए विवाद में घिरती नजर आ रही है। इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड के ऑक्शन में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को साइन किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। इस मामले पर अब पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है और फ्रैंचाइजी मालिकों को इस फैसले को लेकर सावधान रहने की सलाह दी है।

दरअसल, द हंड्रेड लीग के हालिया ऑक्शन में सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल किया। इस टीम की मालिकाना कंपनी वही है, जो आईपीएल फ्रैंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद को भी संचालित करती है। टीम की प्रमुख काव्या मारन हैं।

अबरार अहमद को टीम में शामिल किए जाने के बाद भारतीय क्रिकेट फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करनी शुरू कर दी। कई फैंस ने काव्या मारन और सनराइजर्स हैदराबाद फ्रैंचाइजी को ट्रोल भी किया।

इसी बीच इस पूरे मामले पर सुनील गावस्कर का बयान सामने आया है, जिसने बहस को और तेज कर दिया है। सुनील गावस्कर ने अपने एक कॉलम में लिखा कि 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमलों के बाद से भारतीय क्रिकेट फ्रैंचाइजी आमतौर पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल करने से बचती रही हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी को भुगतान किया जाता है और वह अपने देश में टैक्स देता है, तो वह पैसा अप्रत्यक्ष रूप से ऐसी गतिविधियों में भी जा सकता है जो भारत के लिए खतरा बन सकती हैं।

गावस्कर का कहना था कि भले ही यह सौदा किसी विदेशी लीग के जरिए हुआ हो, लेकिन अगर फ्रैंचाइजी के मालिक भारतीय हैं तो यह फैसला संवेदनशील माना जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार सनराइजर्स लीड्स ने द हंड्रेड के ऑक्शन में अबरार अहमद को 1.90 लाख पाउंड में खरीदा है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

राजस्थान रॉयल्स टीम की बेहतरी के लिए देंगे अपना सर्वश्रेष्ठ:जड़ेजा

जयपुर, (वेब वार्ता)।

ऑलराउंडर रविन्द्र जड़ेजा ने सोमवार को कहा कि वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स टीम को मजबूती एवं टीम की बेहतरी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करेंगे।

जड़ेजा आज यहां आगामी आईपीएल से पहले राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी लॉन्च के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वह राजस्थान रॉयल्स से फिर जुड़कर बेहद खुश एवं उत्साहित है और वह बेहद युवा खिलाड़ियों के साथ खेल रहे है। ऐसे वह एक वरिष्ठ खिलाड़ी के तौर पर यह काफी रोमांचक होने वाला है।

उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें कई युवा और नए खिलाड़ियों को जानने का मौका भी मिलेगा। उन्होंने कहा 17 वर्ष पहले वह राजस्थान रॉयल्स के लिए पहली बार खेले थे और अब वापस इससे जुड़कर उन्हें

बेहद खुशी हो रही और उनके लिए यह आगे चलकर एक सीखने वाला अनुभव होने वाला है। उन्होंने कहा कि उनके पास अनुभव हैं और वह टीम में एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रुप में टीम की बेहतरी के लिए अपनी राय और सुझाव देने में अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करेंगे और टीम और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए जो भी जरुरी होगा वह उसे करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी को हमेशा टीम के लिए अधिक जिम्मेदारी उठानी पड़ती है और वह टीम के लिए जो भी योगदान देता हैं, वह सबसे अच्छा होता है और जो कुछ भी करते हो, वह हमेशा बेहतरीन होता है।

देवजीत सैकिया ने नमन अवॉड्र्स विजेताओं को दी बधाई

आपका प्रदर्शन लाखों लोगों को प्रेरित कर रहा है

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने सोमवार को बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के सभी विजेताओं को बधाई दी। सैकिया ने कहा है कि इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन, समर्पण और जुनून लाखों लोगों को प्रेरित कर रहा है।

देवजीत सैकिया ने इन खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के सभी विजेताओं को बधाई। आपका प्रदर्शन, समर्पण और जुनून भारतीय क्रिकेट के स्तर को लगातार ऊपर उठा रहा है और लाखों लोगों को प्रेरित कर रहा है।

सभी अवॉर्ड पाने वालों को और अधिक सफलता की कामना, ताकि वे भारतीय क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकें। बीसीसीआई सेक्रेटरी ने पोस्ट के

साथ समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, बीती शाम भारतीय क्रिकेट की सफलता और गौरव का जश्न मनाया। बीसीसीआई ने बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट की शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाया।

इस समारोह में अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और आयु-वर्ग क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन हस्तियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने भारतीय क्रिकेट में लंबा और महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूर्व क्रिकेटर रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनके लंबे योगदान के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। वहीं, भारत की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनके अहम योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।

अन्य अवॉर्ड विजेताओं में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल शामिल थे, जिन्हें 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर अवॉर्ड मिला। स्मृति मंधाना को पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला) अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे को 2024-25 के घरेलू सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अवॉर्ड मिले।

भारत की मौजूदा टीम व्हाइट बॉल क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ टीम: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारत की मौजूदा टीम को अब तक की सबसे बेहतरीन व्हाइट बॉल टीम बताया है। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दूसरी बार जीता। भारतीय टीम लगातार दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बनी।

पोंटिंग ने कहा कि टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जैसे आईसीसी इवेंट्स में भारत की जीत का सिलसिला जारी रहा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ आकर टूटा। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि टीम में कितनी जबरदस्त निरंतरता है, जिसकी बराबरी आज के दौर में कोई दूसरी टीम नहीं कर पाई है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो पर कहा, इस बात के खिलाफ

तर्क देना सच में बहुत मुश्किल है।

अगर आप देखें, तो सिर्फ टी20 इंटरनेशनल टीम ही नहीं, बल्कि पिछले पांच-छह वर्षों में आईसीसी इवेंट्स में भारतीय टीम का व्हाइट-बॉल रिकॉर्ड भी काफी शानदार रहा है। इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले ही शायद बहुत से लोगों ने यह पहचान लिया था कि मौजूदा भारतीय टीम में कितनी गहराई और ताकत है। इसके साथ ही उनके पास कितना अनुभव है। यह सिर्फ टी20 नहीं, बल्कि एक बहुत ही मजबूत भारतीय व्हाइट बॉल टीम है। लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने के लिए उन्हें मेरा सलाम।

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े शुभमन गिल

अहमदाबाद, (वेब वार्ता)।

आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैंप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं।

आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी। गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में

से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटाया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी।

आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है। विश्व कप विजेता और अपने दौर के सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक, हेडन शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर और आधुनिक टी20 बैटिंग की बारीकियों में अपनी विशेषज्ञता के साथ टाइटन्स के सेटअप में शामिल हुए हैं।

वह फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ को और मजबूती प्रदान करेंगे, क्योंकि टीम 2026 सीजन के लिए नए जोश के साथ तैयारियों में जुटी हुई है। आईपीएल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था। हालांकि, एलिमिनेटर मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था। सुदर्शन टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

चैंपियंस लीग: मैड्रिड के लिए खुशखबरी, 2 दिग्गजों की वापसी

मैड्रिड, (वेब वार्ता)। 15 बार की यूईएफए चैंपियंस लीग विजेता, रियल मैड्रिड को 2023 की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ अपने बहुप्रतीक्षित राउंड ऑफ 16 के दूसरे लेग के मुकाबले से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के शीर्ष गोल-स्कोरर, कीलियन एम्बाप्पे और जूड बेलिंगहम फिट हो गए हैं, जिसकी पुष्टि कोच अल्वारो अबेर्लोआ ने की है। ये खिलाड़ी मैनचेस्टर के एतिहाद स्टेडियम में मंगलवार को खेले जाने वाले मैच के लिए 26 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए हैं। पिछले हफ्ते सैंटियागो बर्नब्यू में खेले गए पहले लेग के बाद, मैड्रिड की टीम मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ इस मैच में 3-0 की बढ़त के साथ उतर रही है, जहां फेडेरिको वाल्वरडे ने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाई थी। चोट के कारण उस मैच में एम्बाप्पे और बेलिंगहम नहीं खेल पाए थे। लेफ्ट-बैक अल्वारो कैरेरास और सेंट्रल डिफेंडर डेविड अलाबा भी पिंडली की समस्या के कारण वह मैच नहीं खेल पाए थे।

पाकिस्तान की हार ने बांग्लादेश के लिए खोला वर्ल्ड कप का रास्ता

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

वनडे विश्व कप 2027 की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं। टी20 विश्व कप 2026 के बाद आईसीसी का यह अगला बड़ा टूर्नामेंट होगा, जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कौन-कौन सी टीमें हिस्सा लेंगी, इसकी तस्वीर अब धीरे-धीरे साफ होने लगी है। इसी बीच बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच खेली गई हालिया वनडे सीरीज ने वेस्टइंडीज की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अब सवाल यह है कि क्या वेस्टइंडीज सीधे विश्व कप में जगह बना पाएगी या उसे क्वालीफायर खेलना पड़ेगा।

हाल ही में पाकिस्तान की टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने बांग्लादेश पहुंची थी। इस सीरीज में बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। पहला मुकाबला जीतकर बांग्लादेश ने बढ़त बनाई, जबकि

दूसरे मैच में पाकिस्तान ने वापसी की। हालांकि तीसरे और निर्णायक मुकाबले में बांग्लादेश ने रोमांचक जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम कर ली। इस जीत का असर आईसीसी वनडे रैंकिंग पर भी पड़ा है। सीरीज से पहले बांग्लादेश की टीम रैंकिंग में दसवें स्थान पर थी, लेकिन जीत के बाद वह नौवें स्थान पर पहुंच गई।

वहीं दूसरी ओर वेस्टइंडीज की टीम एक पायदान नीचे खिसककर दसवें स्थान पर पहुंच गई है। हालांकि आधिकारिक रैंकिंग अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन उपलब्ध आंकड़े इसी बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। वनडे विश्व कप 2027 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होना है।

चूंकि दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे मेजबान देश हैं, इसलिए उन्हें सीधे टूर्नामेंट में जगह मिल चुकी है। इसके अलावा आठ टीमें आईसीसी वनडे रैंकिंग के आधार पर सीधे विश्व कप में पहुंचेंगी। यानी जो टीमें कटऑफ समय तक रैंकिंग में शीर्ष आठ में रहेंगी, वे बिना क्वालीफायर खेले टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच वनडे और टी20 सीरीज का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

आईपीएल 2026 के शुरू होने के साथ ही दुनियाभर में क्रिकेट का रोमांच चरम पर रहेगा। एक तरफ इंडियन प्रीमियर लीग का नया सीजन 28 मार्च से शुरू होगा, तो दूसरी ओर इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट भी जारी रहेगा। इसी क्रम में न्यूजीलैंड की टीम अप्रैल में बांग्लादेश के दौरे पर जाएगी।

इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज का पूरा कार्यक्रम भी घोषित कर दिया है। यह दौरा 17 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई तक चलेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस सीरीज के कई मुकाबले आईपीएल 2026 और पाकिस्तान सुपर लीग के मैचों के साथ ही खेले जाएंगे। इस बार आईपीएल में बांग्लादेश का कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है।

ऐसे में मेजबान टीम के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पूरी ताकत के साथ उतरने का अच्छा मौका होगा। हाल ही में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को वनडे सीरीज में 2-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया था। अब टीम का लक्ष्य घरेलू मैदान पर एक और बड़ी सीरीज जीत दर्ज करना होगा। घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ भी मजबूत प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम के कई खिलाड़ी आईपीएल में खेलते हैं। कीवी बोर्ड आमतौर पर अपने खिलाड़ियों को विभिन्न टी20 लीग में खेलने की अनुमति देता है। ऐसे में संभावना है कि इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाए जो किसी टी20 लीग के अनुबंध में नहीं हैं या आईपीएल में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इस दौरे की शुरूआत 17 अप्रैल से वनडे सीरीज के साथ होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस दौरे के मुकाबले ढाका और चटगांव में आयोजित किए जाएंगे।

महिला टीम भी खेलेगी सीरीज

इस बीच बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम से जुड़ी भी बड़ी खबर सामने आई है। महिला टीम श्रीलंका की मेजबानी करेगी और दोनों टीमों के बीच भी 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वनडे सीरीज के मुकाबले राजशाही डिविजनल स्टेडियम में 20, 22 और 25 अप्रैल को आयोजित होंगे। इसके बाद टी20 सीरीज के तीनों मैच सिलहट में खेले जाएंगे। यह मुकाबले 28 अप्रैल, 30 अप्रैल और 2 मई को आयोजित किए जाएंगे। इस तरह अप्रैल और मई के महीने में बांग्लादेश में पुरुष और महिला दोनों टीमों के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा।

कब है चैत्र वासुदेव विनायक चतुर्थी?

हिंदू धर्म में वासुदेव चतुर्थी का व्रत भगवान गणेश को समर्पित एक महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। यह व्रत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इसे चैत्र विनायक चतुर्थी और मनोरथ चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोग विधि-विधान से गणेश जी की पूजा करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं साल 2026 में यह व्रत कब रखा जाएगा, इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त क्या हैं और कौन से विशेष योग बन रहे हैं।

द्रक पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल चतुर्थी तिथि 21 मार्च 2026 को रात 11:56 बजे से शुरू होगी और 22 मार्च 2026 को रात 9:16 बजे तक रहेगी। सनातन परंपरा में उदया तिथि को महत्व दिया जाता है, इसलिए वासुदेव चतुर्थी का व्रत 22 मार्च 2026 को रखा जाएगा। इस दिन भगवान गणेश की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है।

इस वर्ष वासुदेव चतुर्थी पर कई शुभ संयोग बन रहे हैं। इस दिन रवि योग और भद्रावास योग का विशेष महत्व रहने वाला है। रवि योग रात 10:42 बजे तक प्रभावी रहेगा, जबकि भद्रावास योग सुबह 10:36 बजे से शुरू होकर रात 9:16 बजे तक रहेगा। इन योगों में भगवान गणेश की पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है और इससे सकारात्मक फल प्राप्त हो सकते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत को रखने और गणेश जी की पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सभी कार्यों में सफलता मिलती है। यह व्रत ज्ञान, समृद्धि और मानसिक शांति प्रदान करने वाला माना जाता है। साथ ही इस दिन दान-पुण्य करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जीव का प्रवाह परमात्मा की ओर

नदी का प्रवाह निरंतर समुद्र की ओर ही होता है ठीक इसी प्रकार से परमात्मा के अंश जीव का प्रवाह भी अपने परम पिता परमात्मा की ओर ही निरंतर होता है। नदी अपने मार्ग की कठिनाइयों को सहन करते हुए, ऊंचे-नीचे पथरीले मार्गों के कष्ट को सहती हुई, अपने मार्गों को बदलती हुई कभी भी अपना प्रवाह बंद नहीं करती समुद्र में विलीन हो जाने के पश्चात ही उसको विश्राम मिलता है। ठीक उसी प्रकार से जीव चाहे जितना भी माया के जगत में भटक ले उसकी आनंद की खोज कभी बंद नहीं होती। भौतिक जगत में उसका भटकाव आनंद की खोज हेतु ही है। वह किसी भी प्रकार से आनंद प्राप्त करके विश्राम पाना चाहता है।

अज्ञान के कारण

अज्ञान के कारण जीवन आनंद की खोज भौतिक जगत में कर रहा है। उसने कभी माना ही नहीं कि सुख तो आनंद कंद भगवान में ही है। आनंद माया के जगत में नहीं है। यदि वह यह बात हृदय से स्वीकार कर ले कि आनंद केवल भगवान के दिव्य जगत में ही है तो श्रद्धापूर्वक अपनी साधना में जुट जाये और दिव्य चिन्मय आनंद को प्राप्त करके विश्रामावस्था को पास के जीव का नित्य प्रवाह तो आनंद की ओर ही है लेकिन उचित मार्ग प्राप्त न होने के कारण अभी तक आनंद की प्राप्ति नहीं हुई। मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी त्रुटि यही है। जिसके परिणामस्वरूप वह भिन्न-भिन्न प्रकार के कष्टों को भोग रहा है। संसार में आकर वह माया संबंधी कार्यों को करता है। सांसारिक विषयों को भोगता है। रोगी, भोगी का जीवन बिताकर संसार से विदा हो जाता है। अपने कर्मों का भोग करने के लिये पुनः इस जगत में जन्म लेता है। आवागमन के चक्कर से मुक्त नहीं हो पा रहा। माया के जगत में आनंद खोजने के कारण ही बंधन का कारण बना हुआ है। सांसारिक जड़ वस्तुओं ने मनुष्य को पकड़ा हुआ है, यह पकड़ इतनी गहरी हो चुकी है कि सुगमता से छूटती ही नहीं। केवल जड़ वस्तुओं की ही पकड़ नहीं चेतन शरीर वाले शारीरिक संबंधी भी उसको भ्रमित कर रहे हैं। संबंधियों को ही वह अपना सगा संबंधी मानने

के कारण ही भगवान के सामने पीठ करके बैठा है।

हर जन्म में मनुष्य ने भौतिक पदार्थों, अपने संबंधियों में ही सुख का चिंतन किया है। इसलिए उनके मोह में फंस गया है। मोह में आबद्ध मनुष्य उसके पाने की इच्छा भी होती है। जब इच्छापूर्ति होती है तो लोभ बढ़ता है। यदि इच्छापूर्ति नहीं होती तो क्रोध आता है। क्रोध में बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है और मनुष्य विनाश को प्राप्त करता है।

क्रोधात भवति संमोहः
संमोहास्मृतिविभ्रमः।
स्मृति भ्रंशाद् बुद्धिनाशो
बुद्धिनाशात्प्रणश्यति।।
गीता- 2-63

अनादि काल से सभी वेद शास्त्र एक ही स्वर में यही कह रहे हैं कि संसार में सुख नहीं है। मनुष्यों तुम सच्चे सुख की खोज करो। अपने भीतर बैठी आत्मा को परमात्मा में मिलाओ तभी तुम्हारा कल्याण हो सकता है। मनुष्य का सबसे बड़ा स्वार्थ तो परमात्मा की प्राप्ति ही होना चाहिए। लेकिन वह स्व को आत्मा नहीं शरीर समझ बैठा है। इसलिए शरीर से स्वार्थ सिद्ध करने में लगा हुआ है। शरीर का स्वार्थ तो संसार के विषयों से ही सिद्ध होता है, अतः मनुष्य विषय वासना में ही उलझ कर रह गया है। इससे बड़ी भूल और क्या हो सकती है?

पूर्णता के लिए

जीवन की पूर्णता के लिये भगवान तथा संसार दोनों ही आवश्यक हैं। मनुष्य जीवन में दोनों का समन्वय करना सीख जाना ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। जीवन में जितनी आवश्यक आंख है उतना ही आवश्यक प्रकाश भी है। प्रकाश होने पर ही आंख भी देख पाने में सक्षम होगी। अंधेरे में तो स्वस्थ आंखों को भी कुछ नहीं दिखाई देता है। उसी प्रकार भौतिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये संसार का होना भी अनिवार्य है। ताकि मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं पूर्ण होती रहें। शरीर से मनुष्य स्वस्थ रह सके और साधना के मार्ग पर विकास करके असीम आनंद पा सके। अतः संसार निंदनीय नहीं है। सोचिए यदि संसार न होता, वायु, जल इत्यादि न होते तो मनुष्य का जीवन कैसे संभव होता? भगवान के किसी भी कार्य में कभी कोई भूल चूक नहीं होती। मनुष्य ही अल्प बुद्धि है जो इस दिव्य गणित को नहीं समझ पा रहा।

भौतिक सदी मानते हैं कि संसार में आये हो तो खाओ, पिओ और मोज करो। ऋणं कृत्वा घृतं विवेत। भगवान की कल्पना विकृत मस्तिष्क की उपज है। वैज्ञानिक भी अभी तक आत्मा और भगवान को नहीं समझ पाये। भगवान कोई भौतिक तत्व तो है नहीं जिसे प्रयोगशाला में जांचा जाये, बोतल में बंद करके निरीक्षण किया जाये। परमात्मा एक अनुभव में आने वाली चेतना सत्ता है जो मनुष्य की बुद्धि से परे है। अतः मनुष्य आंख मूंद कर स्वीकार कर ले कि शास्त्रों और महापुरुषों की बात सत्य है मुझे उनके बताये हुए मार्ग पर ही चलना है। तभी अंशी का प्रवाह अंश की ओर हो सकता है। लोग इस भ्रम में भी रहते हैं कि आनंद भौतिक जगत में ही है। अभी आनंद नहीं मिला तो क्या हुआ भविष्य में प्राप्त होगा। जीवन में सात्विक गुणों तथा दिव्य गुणों को धारण किये बिना अंश अपने अंशी से नहीं मिल सकता। जब तक मिल नहीं जाता तब तक विश्राम भी प्राप्त नहीं हो सकता।

कब है रामनवमी? जानें डेट, पूजन का मुहूर्त और विधि

राम नवमी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है, जो चैत्र नवरात्रि का नौवां दिन भी होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेता युग में इसी शुभ दिन पर भगवान राम ने माता कौशल्या के गर्भ से अवतार लिया था।

इस अवसर पर, पूरे देश में भगवान राम को समर्पित विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। हालांकि, इस वर्ष राम नवमी की सटीक तिथि को लेकर भक्तों के बीच काफी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जहां कई लोगों का मानना है कि यह 26 मार्च को मनाई जाएगी, वहीं कुछ अन्य लोगों का तर्क है कि इस त्योहार के लिए 27 मार्च सही दिन है।आइए यहां जानते हैं सही तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

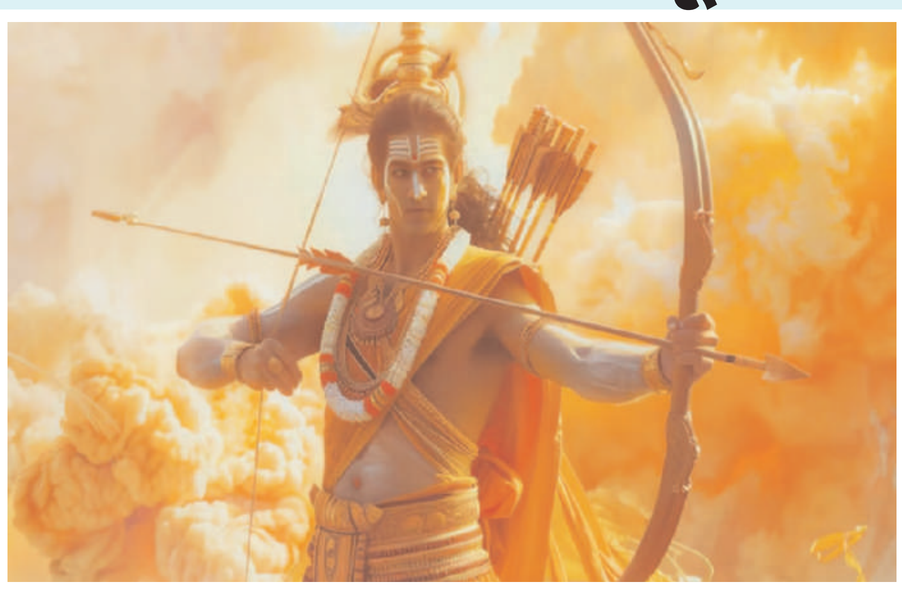

शास्त्रों के अनुसार भगवान राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर में हुआ था। 26 मार्च को नवमी तिथि प्रातः 11 बजकर 48 मिनट से शुरू हो रही है। इसीलिए राम नवमी का पर्व 26 मार्च को मनाया जाएगा।

हिंदू धर्म में ज्यादातर व्रत और त्योहार उदयातिथि के अनुसार मनाए जाते हैं। 27 मार्च को सूर्योदय के समय नवमी तिथि मौजूद रहेगी। ऐसे में इस दिन राम नवमी पूजन का मुहूर्त सुबह 11:13 से दोपहर 01:41 बजे तक रहेगा।

राम नवमी की सुबह जल्दी उठें, स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

इसके बाद, तांबे के एक पात्र में जल, चावल और सिंदूर भरकर सूर्य देव को *अर्घ्य* (जल का अर्पण) दें।

अपने घर के पूजा स्थल पर एक छोटी लकड़ी की चौकी रखें और उस पर एक पीला वस्त्र बिछा दें।

इस चौकी पर भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की मूर्तियां या चित्र स्थापित करें।

तत्पश्चात, देवी-देवताओं को पवित्र गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें चंदन का लेप, पीले फूल, वस्त्र तथा आभूषणों से सुसज्जित करें।

भोग में खीर, केसर मिश्रित मीठे चावल, पंजीरी और विभिन्न प्रकार की अन्य मिठाइयां अर्पित करें। प्रसाद में तुलसी का एक पत्ता अवश्य शामिल करें।

पूजा करते समय राम नाम का जाप करें।

यदि संभव हो, तो इस दिन रामचरितमानस, रामाय अथवा राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें।

दीपक, धूप और कपूर का उपयोग करते हुए देवी-देवताओं की आरती करें।

मेष राशिः- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। स्टूडेंट्स के लिए दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम करें, वरना समय बर्बाद होगा। पैसों के मामलों में जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह साबित हो सकता है, इसलिए उधार देने से पहले सोचें।

वृष राशिः- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा और आपके सभी काम योजनानुसार पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और लोगों से जुड़ाव मजबूत होगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में साझेदारी लाभदायक साबित हो सकती है।

मिथुन राशिः- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्रता से किया गया काम अच्छे परिणाम देगा। लव लाइफ बेहतर रहेगी और पार्टनर के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। काम के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

कर्क राशिः- आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत रिश्तों को मजबूत करेगी। दोस्तों के साथ घर पर मनोरंजन का प्लान बन सकता है।

सिंह राशिः- आज दिन की शुरूआत सकारात्मक रहेगी। बिजनेस ट्रिप पर जाने से पहले बड़ों का आशीर्वाद लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। जीवनसाथी को करियर में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कोरियर या लॉजिस्टिक्स से जुड़े कारोबारियों को फायदा होगा।

कन्या राशिः- आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। व्यापार में बड़ा धन लाभ मिलने के संकेत हैं। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। लकड़ी या निर्माण से जुड़े लोगों को बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। राइटर्स और आर्टिस्ट्स के लिए दिन शानदार रहेगा, उनकी प्रतिभा को सराहना मिलेगी।

तुला राशिः- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। माता-पिता की नाराजगी दूर होगी और घर का माहौल अच्छ रहेगा। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है। महिलाओं के लिए भी दिन विशेष रूप से अच्छा रहेगा। बिजनेस में जरूरी मीटिंग सफल हो सकती है।

वृश्चिक राशिः- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। पुरानी समस्याओं का समाधान मिलने से मन हल्का रहेगा। परिवार में धार्मिक आयोजन की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

धनु राशिः- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। काम पूरा करने में आपका ध्यान लगा रहेगा, लेकिन भाग्य का साथ कम मिल सकता है। ऑफिस में किसी मुद्दे पर चर्चा करनी पड़ सकती है। विरोधी आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकते हैं।

मकर राशिः- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बिजनेस में नए अवसर मिलेंगे और उधार दिया पैसा वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार और भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशिः- आज आपका दिन अच्छा रहेगा लेकिन मन में थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। परिवार के साथ समय बिताने और दोस्तों के साथ पार्टी में शामिल होने का मौका मिलेगा। नई स्किल सीखने का विचार भविष्य में फायदेमंद साबित होगा।

मीन राशिः- आज आपका दिन नई ऊर्जा के साथ शुरू होगा। आपके विचार आपको समाज में अलग पहचान दिला सकते हैं। घर में सजावट या बदलाव का काम हो सकता है। कांट्रेक्टर और बिजनेस से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

इन चीजों के बिना अधूरी है चैत्र नवरात्रि की पूजा

19 मार्च 2026, गुरुवार से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत होने जा रही हैं। यह हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है, जिसे नई शुरूआत व खुशियों का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि, नवरात्रि के इन पवित्र दिनों में मां दुर्गा पृथ्वी लोक पर आती हैं। साथ ही अपने सभी भक्तों पर कृपा बरसाते हुए उनकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। इस दौरान घरों से लेकर मंदिरों व पूजा-पंड़ालों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती हैं। वहीं इन दिनों श्रद्धालु व्रत रखते हैं, कलश स्थापना करते हैं और मां की भक्ति में लीन रहते हैं। इसके प्रभाव से साधक के जीवन से कष्ट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। हालांकि, देवी की आराधना हमेशा संपूर्ण सामग्रियों से करनी चाहिए। इससे पूजा का पूरा फल मिल सकता है। साथ ही इससे माता भी प्रसन्न होती हैं। ऐसे में आइए चैत्र नवरात्रि की संपूर्ण पूजन सामग्रियों को जानते हैं।

पूजा के लिए सबसे पहले बताशे, कपूर, पीतल का दीया, मिट्टी, मिट्टी का पात्र और उसका ढक्कन खरीद लें।

इसके बाद आप एक कलावा, रुई की बत्ती, सिंदूर, धूप बत्ती, पूजा के लिए थोड़े साफ और साबुत चावल, रबर बैंड, नथ, गजरा, मांग टीका भी शामिल करें।

इस दौरान देवी के लिए कान की बाली, कंघी, शीशा और लाल रंग की नई साफ चुनरी भी लें।

अब आप जटा नारियल, जल, गंगाजल, चुनरी, दीपक, मौली, सुपारी, दूर्वा भी पूजा सामग्री में शामिल करें।

इसके बाद साफ लौटा, सूखा नारियल, फूल माला, पान, माता के लिए वस्त्र, रुई बत्ती, तिल का तेल या घी भी रखें।

इस दौरान दीया, मिठाई, , शीशा, बिछिया, इत्र, चोटी, लाल चूड़ियां, सिंदूर, बिंदी, महावर, गले के लिए माला, पायल और मेंहदी भी रखें।

भोग के लिए कुछ फल, मिठाई भी रखें। साथ ही कुछ दान के लिए भी अपनी क्षमता के अनुसार चीजें शामिल करें।

नौ दिन और नौ देवियां

19 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 1- अमावस्या, प्रतिपदा मां शैलपुत्री पूजा और घटस्थापना

20 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 2- मां ब्रह्मचारिणी पूजा

21 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 3- मां चंद्रघंटा पूजा

22 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 4- मां कुष्मांडा पूजा

23 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 5- मां स्कंदमाता पूजा

24 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 6- मां कात्यायनी पूजा

25 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 7- मां कालरात्रि पूजा

26 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 8- मां महागौरी पूजा (इस दिन अष्टमी मनाई जाएगी और कन्या पूजन कर सकते हैं।)

27 मार्च 2026- नवरात्रि दिन 9- मां सिद्धिदात्री पूजा (नवरात्रि का समापन और नवमी कन्या पूजन किया जाएगा)।

हॉर्मूज जलडमरूमध्य क्षेत्र में गश्त की योजनाओं से पीछे हटने पर ट्रंप सहयोगी देशों से नाराज

वॉशिंगटन, (वेब वार्ता)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों की आलोचना करते हुए कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को सुरक्षित करने के लिए उन्होंने जिस गठबंधन का प्रस्ताव रखा है, उसके प्रति सहयोगियों में 'उत्साह'की कमी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से ही दुनिया के ऊर्जा संसाधनों के पाँचवें हिस्से की जहाजों से जरिये आपूर्ति की जाती है। ट्रंप ने सोमवार देर रात ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरान के साथ संघर्ष जल्द ही खत्म हो सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस हफ़्ते किसी समाधान की संभावना कम है। उन्होंने इस सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह जरूरी था। ट्रंप ने कहा, 'यह अभियान जल्द ही खत्म हो जाएगा। हमारी दुनिया कहीं ज्यादा सुरक्षित होगी।'

गौरतलब है कि ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों के जवाब में इस क्षेत्र से होकर गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी जिसके बाद फारस की खाड़ी से होने वाली जहाजों की आवाजाही काफी हद तक कम हो गई है।

ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर द्वारा इस संघर्ष में नाटो को शामिल करने में दिखाई गई हिचकिचाहट से मैं 'खुश नहीं हैं' और 'बहुत हैरान हूँ। मैं ब्रिटेन के रवैये से खुश नहीं था। मुझे लगता है कि शायद वे इसमें शामिल होंगे, लेकिन उन्हें पूरे उत्साह के साथ शामिल होना चाहिए।'

आर .एन .आई .नं .
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी
एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स
सेक्टर-10
फरीदाबाद से प्रकाशित

एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर-7 नोएडा
से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा

फोन नं.-
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8

0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान संपादक और प्रधान संपादक कानूनन जिम्मेदार नहीं होगा।

महाराष्ट्र विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक ऐतिहासिक बहुमत से पास

उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने किया समर्थन, जबरन धर्म परिवर्तन पर अब होगी कठोर सजा

मुंबई, (वेब वार्ता)।

महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को 'महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता विधेयक, 2026' को पारित कर एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पेश किए गए इस विधेयक को सत्ताधारी महायुति के साथ-साथ विपक्षी गठबंधन (टश्अ) में शामिल शिवसेना (वइळ) का भी साथ मिला। मुख्यमंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि यह कानून किसी विशेष मजहब के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका एकमात्र उद्देश्य धोखाधड़ी, लालच, दबाव या गलत जानकारी देकर किए जाने वाले अवैध धर्मांतरण को रोकना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 12 अन्य राज्यों में पहले से ही ऐसे कानून प्रभावी ढंग से लागू हैं।

इस विधेयक पर चर्चा के दौरान राजनीतिक गलियारों में उस वक्त हलचल मच गई जब उद्धव ठाकरे की पार्टी ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया। उद्धव ठाकरे ने सदन के बाहर कहा कि यदि कोई मजबूरी का फायदा उठाकर या झूठा लालच देकर धर्म परिवर्तन कराता है, तो वे उसके खिलाफ हैं। हालांकि, कांग्रेस, एनसीपी (रढ) और समाजवादी पार्टी ने इस विधेयक को 'असंवैधानिक' बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि यह कानून धर्म की आजादी देने के बजाय उसे नियंत्रित करने का प्रयास है और इसे जांच के लिए संयुक्त प्रवर समिति को भेजने की मांग की।

प्रस्तावित कानून के तहत अब जबरन धर्मांतरण कराने वाले व्यक्तियों के साथ-साथ इसमें मदद करने वाले संगठनों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नए नियमों के अनुसार, पुलिस को यह अधिकार दिया गया है कि वे कथित अवैध धर्मांतरण के मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई कर सकेंगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (इठर) में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं थे, जिससे अक्सर कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती थी। अब यह विधेयक विधान परिषद में पेश किया जाएगा, जहाँ से पारित होने के बाद यह पूरे राज्य में कानून का रूप ले लेगा।

गारो परिषद के पूर्व सदस्य रहमान सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ़्तार

तुरा, (वेब वार्ता)। मेघालय पुलिस ने सोमवार को गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) के पूर्व सदस्य सोफि योर रहमान को ज़िले में हाल ही में हुई हिंसा के सिलसिले में गिरफ़्तार कर लिया। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। तुरा पुलिस स्टेशन की एक विशेष टीम ने रहमान को आज तड़के पश्चिम गारो हिल्स ज़िले के राजाबाला पुलिस स्टेशन के तहत न्यू भैतबारी स्थित उनके घर से गिरफ़्तार किया। खबरों के मुताबिक, रहमान और पूर्व विधायक एस. जी. एस्मातुर मोमिनिन के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उन पर भड़काऊ बयान देने और कथित तौर पर ऐसे काम करने का आरोप है, जिनसे इस इलाके में सांप्रदायिक अशांति फैली।

तेल संकट से श्रीलंका की हालत खराब देश में लागू किया चार दिन काम का नियम

श्रीलंका, (वेब वार्ता)।

श्रीलंका सरकार ने सोमवार, 16 मार्च को देश में चार दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की घोषणा की है। यह कदम मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण उत्पन्न गंभीर ऊर्जा संकट और ईंधन की कमी को देखते हुए उठाया गया है। इसके तहत अब हर बुधवार को सरकारी दफ्तर, स्कूल और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे। इस निर्णय का उद्देश्य ईंधन की खपत को कम करना और सीमित संसाधनों का लंबे समय तक उपयोग सुनिश्चित करना है।

कोलंबो में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जरूरी सेवाओं के कमिश्नर जनरल ने बताया कि यह कदम इसलिए जरूरी हो गया है ताकि देश में ईंधन की बचत की जा सके और आर्थिक संकट के प्रभाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद जरूरी सेवाओं जैसे स्वास्थ्य, बंदरगाह, जल आपूर्ति और सीमा शुल्क विभागों में काम पहले की तरह जारी रहेगा।

प्राइवेट सेक्टर से भी अपील

सरकार ने प्राइवेट सेक्टर से भी अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों के लिए वर्किंग डेज कम करने पर विचार करें। कमिश्नर जनरल ने कहा कि अगर निजी कंपनियां भी इस पहल में शामिल होती हैं, तो यह ऊर्जा संकट के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा। श्रीलंका इस समय दुनिया के कई अन्य देशों की तरह ईंधन की भारी कमी का सामना कर रहा है, और इसलिए इस तरह के कदम से ऊर्जा की बचत करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

दफ कोड आधारित डिजिटल राशनिंग प्रणाली शुरू

साथ ही, सरकार ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल राशनिंग प्रणाली भी शुरू कर दी है। इसके तहत अब उपभोक्ताओं को उनके वाहन के प्रकार के आधार पर साप्ताहिक ईंधन कोटा दिया जाएगा, जिसे क्यूआर कोड के जरिए ट्रैक किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रणाली न केवल ईंधन की कालाबाजारी रोकने में मदद करेगी, बल्कि सभी नागरिकों तक समान आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी सहायक होगी।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉ क फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेंकड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनज़र समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- गोपाल न्यूज एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बाल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर- 9811477204

2- नरेंद्र बुक्सर शाप
मूँगफली चौक एन.आई.टी.नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192

3- दीक्षित न्यूज एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नज़र पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और

वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नज़र समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेंगा तो एसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नज़र प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।